सतत एवं व्यापक मूल्यांकन (CCE) पद्धति पर आधारित

हिंदी पाठ्यपुस्तक

साथी

हिंदी पाठमाला

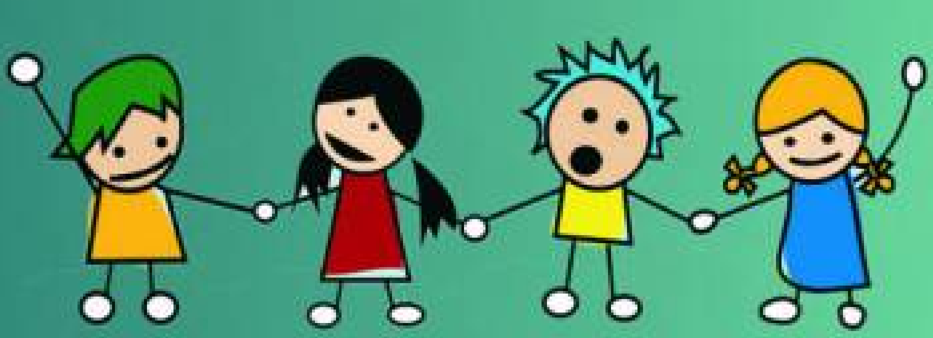

4

AMANDA IMPRINT
(An Imprint of Laxmi Publications Pvt. Ltd.)

हिंदी पाठ्यपुस्तक

साक्षी

हिंदी पाठमाला 4

आल्या
एवं
पूर्णिमा शर्मा

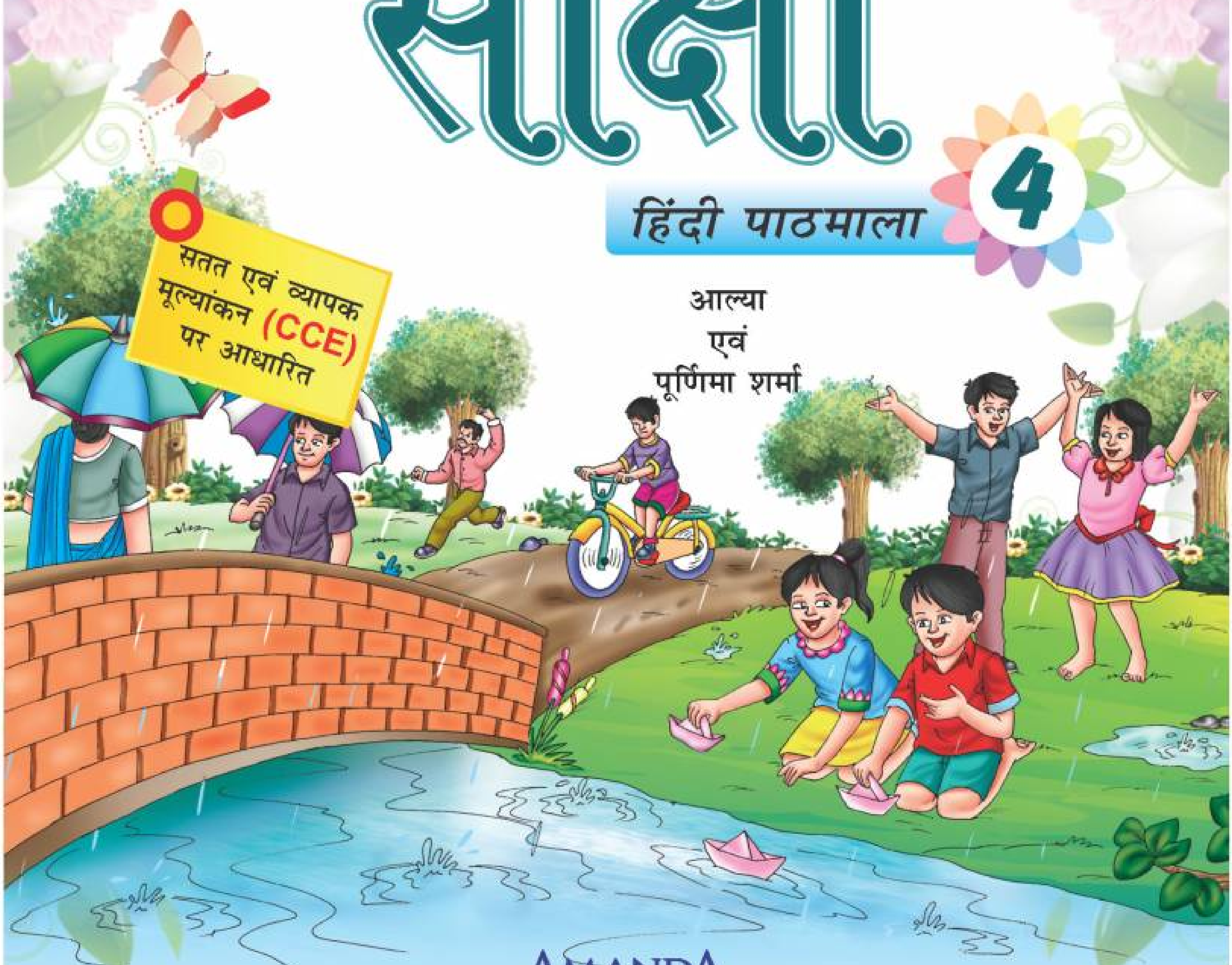

AMANDA
IMPRINT
(An Imprint of Laxmi Publications Pvt. Ltd.)
An ISO 9001:2008 Company

कोचीन • कोलकाता • गुवाहाटी • चेन्नई • जालंधर
बेंगलुरु • मुंबई • राँची • लखनऊ • हैदराबाद • नई दिल्ली
बोस्टन (यू.एस.ए.) • आकरा (घाना) • नैरोबी (केन्या)

साक्षी हिंदी पाठमाला-4

© द्वारा लक्ष्मी पब्लिकेशंज (प्रा०) लिमिटेड
अन्य भाषाओं में अनुवाद सहित सर्वाधिकार सुरक्षित हैं। प्रतिलिप्याधिकार (संशोधन) अधिनियम, 2012 के अनुसार, इस प्रकाशन का कोई भी अंश किसी भी रूप या माध्यम; जैसे–इलेक्ट्रॉनिक, यांत्रिकी, फोटोकॉपी, रिकार्डिंग या अन्य के द्वारा पुनर्प्राप्ति प्रणाली में संग्रहीत या हस्तांतरित नहीं किया जा सकता है। प्रकाशक की अनुमति के बिना उपरोक्त कोई भी कार्य अथवा स्केनिंग, कंप्यूटर में संग्रहण या इस पुस्तक के किसी अंश की इलेक्ट्रॉनिक साझेदारी आदि सांविधानिक अथवा कानूनी तौर पर प्रतिलिप्याधिकार धारक की बौद्धिक संपत्ति की चोरी मानी जाएगी। इस पुस्तक की सामग्री (पुनरावलोकन के उद्देश्यों के अतिरिक्त) उपयोग करने हेतु प्रकाशक की पूर्व लिखित अनुमति आवश्यक है।

भारत में मुद्रित और जिल्दबंद
टाइपसैट : एम.टू.डब्ल्यू. मीडिया, दिल्ली
नवीनतम संस्करण
ISBN 978-93-80644-97-4

दायित्व की सीमाएँ/आश्वासन का अस्वीकरण : इस कार्य की सामग्री की परिशुद्धता या पूर्णता के संदर्भ में प्रकाशक और लेखक निरूपण या आश्वासन नहीं देते हैं और विशेषतया सभी आश्वासनों को अस्वीकार करते हैं। इसमें अंतर्विष्ट परामर्श, कौशल और क्रियाकलाप प्रत्येक स्थिति में अनुकूल नहीं हो सकते। निष्पादित क्रियाकलापों के दौरान बड़ों का निरीक्षण आवश्यक है। इसी प्रकार, इस पुस्तक या अन्य प्रकार से वर्णित, किसी और सभी क्रियाकलापों को संपादित करने हेतु सामान्य बुद्धिमत्ता और सावधानी आवश्यक है। इससे होने वाली किसी भी प्रकार की क्षति या नुकसान के लिए प्रकाशक या लेखक उत्तरदायी नहीं होंगे और न ही कोई जिम्मेदारी लेंगे। तथ्य यह है कि इस पुस्तक में उद्धरण या अतिरिक्त सूचना के संभावित स्रोत के रूप में उल्लेखित संस्था या वेबसाइट का अर्थ यह नहीं है कि लेखक या प्रकाशक सूचना, संस्था या वेबसाइट का समर्थन या अनुशंसा करते हैं। साथ ही पाठकों को यह अवश्य ज्ञात रहे कि पुस्तक में उद्धरित इंटरनेट वेबसाइट्स, पुस्तक को लिखने और पढ़ने के समयांतराल में बदली अथवा लुप्त की जा सकती हैं।
इस पुस्तक में दर्शाए गए सभी मार्का, प्रतीक या अन्य कोई चिह्न; जैसे कि विबग्योर, यूएसपी, अमान्डा, गोल्डन बेल्स, फायरवॉल मीडिया, मरक्यूरी, ट्रिनिटी और लक्ष्मी सभी व्यापारिक चिह्न हैं और लक्ष्मी पब्लिकेशंज तथा इसके सहायक अथवा संबद्ध संस्थाओं की अपनी या अनुज्ञप्त बौद्धिक संपत्ति हैं। इस बात से भी इनकार नहीं किया जा सकता कि इस पुस्तक में वर्णित सभी नाम और चिह्न उनके निजी मालिकों के व्यापारिक नाम, मार्का या सेवा–चिह्न हैं।

शाखाएँ

©	कोचीन	0484-237 70 04,	405 13 03
©	कोलकाता	033-22 27 43 84	
©	गुवाहाटी	0361-254 36 69,	251 38 81
©	चेन्नई	044-24 34 47 26,	24 35 95 07
©	जालंधर	0181-222 12 72	
©	बेंगलुरु	080-26 75 69 30	
©	मुंबई	022-24 91 54 15,	24 92 78 69
©	राँची	0651-220 44 64	
©	लखनऊ	0522-220 99 16	
©	हैदराबाद	040-27 55 53 83,	27 55 53 93

भारत में प्रकाशित, द्वारा–

AMANDA
IMPRINT
(An Imprint of Laxmi Publications Pvt. Ltd.)
An ISO 9001:2008 Company

113, गोल्डन हाउस, दरियागंज,
नई दिल्ली–110002, इंडिया
फोन : 91-11-4353 2500, 4353 2501
फैक्स : 91-11-2325 2572, 4353 2528
www.laxmipublications.com info@laxmipublications.com

C—
मुद्रक :

प्रस्तावना

साक्षी हिंदी पाठमाला की श्रृंखला का निर्माण राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत एनसीईआरटी, सीबीएसई तथा राज्यों के बोर्डों द्वारा निर्धारित सतत एवं व्यापक मूल्यांकन **सीसीई** *(Continuous and Comprehensive Evaluation)* पद्धति के अनुसार किया गया है।

बच्चों में देखकर सीखने की प्रवृत्ति जन्म से ही होती है। किसी भी वस्तु को देखकर उसके बारे में जानने की इच्छा उनके मन में स्वतः ही उठ जाती है। बच्चों की इसी प्रवृत्ति को ध्यान में रखते हुए उनसे जुड़े खान-पान, रहन-सहन, आचार-विचार, रुचि आदि पर **साक्षी** हिंदी पाठमाला के पाठ तैयार किए गए हैं। रोचक पाठ बच्चों की जिज्ञासा एवं भाषा में रुचि बढ़ाने में सहायक सिद्ध होंगे।

इस पाठमाला को तैयार करते समय भाषा की सभी योग्यताओं– सुनना, बोलना, पढ़ना, लिखना, सोचना, समझना, समझकर करना आदि को सिखाने का प्रयास किया गया है।

यह पुस्तक श्रृंखला अभ्यास पुस्तिका सहित तैयार की गई है। पाठ के अंत में शब्दार्थ, मौखिक व लिखित प्रश्न, पाठ से संबंधित काल्पनिक प्रश्न, भाषा ज्ञान संबंधी प्रश्न, बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs), गतिविधियाँ तथा परियोजना निर्माण कार्य सम्मिलित किए गए हैं।

साक्षी हिंदी पाठमाला में साहित्य की सभी विधाओं– कविता, कहानी, चित्रकथा, लोककथा, डायरी लेखन, संस्मरण, जीवनी, लेख, निबंध, एकांकी, यात्रा वृत्तांत आदि का समावेश है। हिंदी निदेशालय भारत सरकार द्वारा संस्तुत वर्तनी के पारंपरिक व मानक दोनों रूपों से बच्चों को अवगत कराया गया है। इस पुस्तक श्रृंखला का उद्देश्य बच्चों की सृजनशीलता, मौलिकता, कल्पनाशीलता, जिज्ञासा एवं चारित्रिक विकास पर बल देना है। आशा है कि यह पुस्तक विद्यार्थियों के लिए उपयोगी सिद्ध होगी।

पुस्तक को और अधिक रोचक, स्तरीय एवं प्रामाणिक बनाने हेतु विद्वानों के सुझाव सादर आमंत्रित हैं।

—लेखिकाएँ

विषय-सूची

1. सीखो (कविता) 1
2. बहादुर बच्चे (कहानी) 6
3. दो बैलों की कथा (कहानी) 14
4. किस्म-किस्म के तोते (लेख) 22
   - क्या आप जानते हैं? 29
5. चरवाहे का बचपन (कविता) 31
6. बीरबल के उत्तर (हास्य कथा) 37
7. वायुमंडल (निबंध) 44
8. स्वतंत्रता दिवस (निबंध) 51
   - क्या आप जानते हैं? 58
9. होनहार बालक (कहानी) 60
10. कबीर के दोहे (दोहे) 68
11. कलाई घड़ी (पत्र) 72
12. छाते वाला बूढ़ा (लोककथा) 80
13. सभा का खेल (कविता) 88
    - क्या आप जानते हैं? 94
14. शेर का न्याय (एकांकी) 96
15. चंद्रशेखर वेंकटरमन (जीवनी) 106
16. रोमी की डायरी (डायरी) 111
17. बकासुर का वध (पौराणिक कथा) 116
18. बेपेंदी का लोटा (चित्रकथा) 123
    - क्या आप जानते हैं? 125
    - प्रश्न-पत्र–1 127
    - प्रश्न-पत्र–2 130

पाठ संबंधी गतिविधियाँ

पाठ संख्या व नाम	बोलना, सुनना और पढ़ना	लिखना	शैक्षिक गतिविधियाँ	जीवन मूल्य तथा पारिवारिक, सामाजिक व राष्ट्रीय चेतना
1. सीखो (कविता)	कविता को लय में पढ़ना, शब्दों का शुद्ध उच्चारण और मौखिक प्रश्नों के उत्तर देना।	प्रश्नों के उत्तर लिखना, मिलान करना, बहुविकल्पीय; प्रश्न समानार्थक, क्रिया, विशेषण।	चित्र-लेखन, जानकारी एकत्र करना, प्रोजेक्ट बनाना, काल्पनिक एवं नैतिक प्रश्नों के उत्तर देना।	प्रकृति का महत्त्व समझाना।
2. बहादुर बच्चे (आधुनिक कहानी)	कहानी का रोचक ढंग से पाठन, शब्दों का शुद्ध उच्चारण और मौखिक प्रश्नों के उत्तर देना।	प्रश्नों के उत्तर लिखना, बहुविकल्पीय प्रश्न, रिक्त स्थान, व्यक्तिवाचक संज्ञा, गिनती, मुहावरे, क्रियाविशेषण।	चित्र संग्रहण, चित्र लेखन, काल्पनिक एवं नैतिक प्रश्नों के उत्तर देना।	बहादुरी एवं सूझ-बूझ का भाव जगाना।
3. दो बैलों की कथा (कहानी)	कहानी को रोचक ढंग से पढ़ना, शब्दों का शुद्ध उच्चारण और मौखिक प्रश्नों के उत्तर देना।	प्रश्नों के उत्तर लिखना, बहुविकल्पीय प्रश्न, रिक्त स्थान, लिंग, शब्द युग्म, संज्ञा।	संवाद लेखन, जीवन परिचय, चित्र वर्णन, काल्पनिक एवं नैतिक प्रश्नों के उत्तर देना।	पशुओं के प्रति प्रेम भाव जगाना।
4. किस्म-किस्म के तोते (लेख)	लेख का रोचक ढंग से वाचन, शब्दों का शुद्ध उच्चारण और मौखिक प्रश्नों के उत्तर देना।	प्रश्नों के उत्तर लिखना, रिक्त स्थान, मिलान करना, बहुविकल्पीय प्रश्न, विशेषण, शब्द निर्माण, समानार्थी।	चित्र देखकर वाक्य लिखना, परियोजना निर्माण, सूची बनाना, काल्पनिक एवं नैतिक प्रश्नों के उत्तर देना।	पक्षियों की जानकारी देकर ज्ञान बढ़ाना।
• क्या आप जानते हैं?				सामान्य ज्ञान में वृद्धि करना।
5. चरवाहे का बचपन (कविता)	कविता का लयात्मक ढंग से वाचन, शब्दों का शुद्ध उच्चारण और मौखिक प्रश्नों के उत्तर देना।	प्रश्नों के उत्तर लिखना, पंक्तियाँ पूरी करना, बहुविकल्पीय प्रश्न, अनेक शब्दों के लिए एक शब्द, समानार्थक शब्द, विशेषण के भेद।	चित्र देखकर मुहावरे लिखना, समूह गान, कविता लेखन, काल्पनिक एवं नैतिक प्रश्नों के उत्तर लिखना।	आत्मसंतुष्टि का भाव जगाना।
6. बीरबल के उत्तर (हास्य कथा)	हास्य कथा का रोचक ढंग से पाठन, शब्दों का शुद्ध उच्चारण एवं मौखिक प्रश्नों के उत्तर देना।	प्रश्नों के उत्तर लिखना, सही-गलत, किसने कहा, बहुविकल्पीय प्रश्न, अनेकार्थी शब्द।	चित्र लेखन, मूक अभिनय प्रतियोगिता का आयोजन, काल्पनिक एवं नैतिक प्रश्नों के उत्तर देना।	हाज़िर जवाबी की क्षमता का विकास करना।
7. वायुमंडल (निबंध)	निबंध का रोचक ढंग से वाचन, शब्दों का शुद्ध उच्चारण एवं मौखिक प्रश्नों के उत्तर देना।	प्रश्नों के उत्तर देना, बहुविकल्पीय प्रश्न, रिक्त स्थान, मिलान, प्रत्यय, अनुस्वार, भाववाचक संज्ञा,	चित्र लेखन, चित्र बनाना, काल्पनिक एवं नैतिक प्रश्नों के उत्तर देना।	वायुमंडल संबंधी जानकारी द्वारा ज्ञान-वृद्धि करना।
8. स्वतंत्रता दिवस (निबंध)	निबंध का रोचक ढंग से वाचन, शब्दों का शुद्ध उच्चारण एवं मौखिक प्रश्नों के उत्तर देना।	प्रश्नों के उत्तर देना, बहुविकल्पीय प्रश्न, रिक्त स्थान, सही-गलत, विलोम शब्द, संयुक्त व्यंजन, प्रश्न निर्माण, वाक्य।	चित्र लेखन, जानकारी एकत्र करना, काल्पनिक एवं नैतिक प्रश्नों के उत्तर देना।	स्वतंत्रता का महत्त्व समझाना।
• क्या आप जानते हैं?				सामान्य ज्ञान में वृद्धि करना।
9. होनहार बालक (कहानी)	कहानी का प्रभावशाली ढंग से पाठन, शब्दों का शुद्ध उच्चारण एवं मौखिक प्रश्नों के उत्तर देना।	प्रश्नों के उत्तर लिखना, बहुविकल्पीय प्रश्न, किसने, किससे कहा, लिंग ज्ञान, सर्वनाम।	चित्र लेखन, सूची बनाना नाट्य लेखन एवं मंचन, काल्पनिक एवं नैतिक प्रश्नों के उत्तर देना।	दृढ़ निश्चय एवं निर्भीकता का भाव जगाना।

पाठ संख्या व नाम	बोलना, सुनना और पढ़ना	लिखना	शैक्षिक गतिविधियाँ	जीवन मूल्य तथा पारिवारिक, सामाजिक व राष्ट्रीय चेतना
10. कबीर के दोहे (दोहे)	दोहों का प्रभावशाली ढंग से पाठन, शब्दों का शुद्ध उच्चारण एवं मौखिक प्रश्नों के उत्तर देना।	दोहे लिखना, बहुविकल्पीय प्रश्न, मानक रूप, शुद्ध-अशुद्ध, वाक्य पूरे करना।	चित्र लेखन, कंठस्थ करना, चार्ट एवं फ़ीतियाँ बनाना, काल्पनिक एवं नैतिक प्रश्नों के उत्तर देना।	जीवन मूल्यों को समझने के लिए प्रेरित करना।
11. कलाई घड़ी (पत्र)	पत्र का रोचक ढंग से पाठन, शब्दों का शुद्ध उच्चारण एवं मौखिक प्रश्नों के उत्तर देना।	प्रश्नों के उत्तर लिखना, बहुविकल्पीय प्रश्न, मिलान करना, विशेष्य-विशेषण, कि तथा की का प्रयोग, काल।	चित्र देखकर पत्र लिखना, चार्ट बनाना, चित्र निर्माण, काल्पनिक एवं नैतिक प्रश्नों के उत्तर देना।	कलाई घड़ी संबंधी जानकारी द्वारा ज्ञान-वृद्धि करना।
12. छाते वाला बूढ़ा (लोककथा)	लोककथा का प्रभावशाली ढंग से वाचन, शब्दों का शुद्ध उच्चारण एवं मौखिक प्रश्नों के उत्तर देना।	प्रश्नों के उत्तर लिखना, बहुविकल्पीय प्रश्न, सही-गलत, सही क्रम में लगाना, विशेष्य-विशेषण, क्रिया, रिक्त स्थान।	अनुभव सुनाना, चित्र लेखन, काल्पनिक एवं नैतिक प्रश्नों के उत्तर देना।	लोककथाओं से परिचित करवाना, वृद्धों के प्रति सम्मान का भाव जगाना।
13. सभा का खेल (कविता)	कविता का रोचक ढंग से वाचन, शब्दों का शुद्ध उच्चारण एवं मौखिक प्रश्नों के उत्तर देना।	प्रश्नों के उत्तर लिखना, बहुविकल्पीय प्रश्न, लय-ताल, वर्ण-विच्छेद, प्रत्यय, विराम चिह्न।	चित्र वर्णन, सभा का आयोजन, काल्पनिक एवं नैतिक प्रश्नों के उत्तर देना।	शहीदों के प्रति आदर का भाव जागृत करना।
• क्या आप जानते हैं?				सामान्य ज्ञान में वृद्धि करना।
14. शेर का न्याय (एकांकी)	एकांकी का प्रभावशाली ढंग से वाचन, शब्दों का शुद्ध उच्चारण एवं मौखिक प्रश्नों के उत्तर देना।	प्रश्नों के उत्तर लिखना, बहुविकल्पीय, प्रश्न, रिक्त स्थान, किसने किससे कहा, विलोम शब्द, संज्ञा से विशेषण, संज्ञा एवं क्रिया, विराम चिह्न।	चार्ट बनाना, चित्र वर्णन, काल्पनिक एवं नैतिक प्रश्नों के उत्तर देना।	जीवों के प्रति दया का भाव जागृत करना।
15. चंद्रशेखर वेंकटरमन (जीवनी)	जीवनी का प्रभावशाली ढंग से वाचन, शब्दों का शुद्ध उच्चारण एवं मौखिक प्रश्नों के उत्तर देना।	प्रश्नों के उत्तर देना, रिक्त स्थान, मिलान करना, समानार्थी शब्द, विलोम शब्द।	चित्र लेखन, चित्र संग्रहण, प्रतियोगिता का आयोजन, काल्पनिक एवं नैतिक प्रश्नों के उत्तर देना।	जिज्ञासु बनने को प्रेरित करना।
16. रोमी की डायरी (डायरी लेखन)	डायरी का प्रभावशाली ढंग से पाठन, शब्दों का शुद्ध उच्चारण एवं मौखिक प्रश्नों के उत्तर देना।	प्रश्नों के उत्तर लिखना, सही-गलत, बहुविकल्पीय प्रश्न, सर्वनाम शब्द, वाक्य निर्माण।	चित्र लेखन, डायरी लेखन, ऑटोग्राफ लेना, काल्पनिक एवं नैतिक प्रश्नों के उत्तर देना।	देशाटन के लाभ बताना, भ्रमण द्वारा ज्ञान-वृद्धि करना।
17. बकासुर का वध (पौराणिक कथा)	पौराणिक कथा का वाचन, शब्दों का शुद्ध उच्चारण एवं मौखिक प्रश्नों के उत्तर देना।	प्रश्नों के उत्तर लिखना, किसने, किससे कहा, बहुविकल्पीय प्रश्न, पर्यायवाची शब्द, वर्ण विच्छेद, विलोम शब्द।	नाट्य मंचन, चित्र लेखन, काल्पनिक एवं नैतिक प्रश्नों के उत्तर देना।	पौराणिक कथाओं से परिचित करवाना
18. बेपेंदी का लोटा (चित्रकथा)	चित्रकथा का प्रभावशाली ढंग से वाचन।			अपने द्वारा कही गई बात पर अडिग रहने की सीख देना।
• क्या आप जानते हैं?				सामान्य ज्ञान में वृद्धि करना।

पाठ्यक्रम

तीसरी, चौथी और पाँचवीं कक्षा के लिए हिंदी पाठ्यक्रम–

तीसरी कक्षा के अंत तक विद्यार्थी परिचित शब्द और उनके योग से बनने वाले वाक्य आसानी से पढ़ सकेंगे और पढ़ने की कुशलताओं पर अधिकार प्राप्त कर सकेंगे। इन कक्षाओं में पिछली योग्यताओं का विकास करते हुए मातृभाषा की नई योग्यताओं का विकास करना है।

विश्व के सभी देशों की मातृभाषा के पाठ्यक्रम कुछ इस प्रकार तैयार किए जाते हैं कि विद्यार्थी अपने स्तर की कहानियाँ पढ़कर उनका आनंद ले सकें। वे प्रकृति के सौंदर्य, देश-प्रेम आदि की सरल और सहज कविताएँ पढ़कर अपने शब्दों में उनकी सराहना कर सकें। अपने स्तर के विषयों पर अनुच्छेद या छोटा-सा निबंध लिख सकें। विद्यार्थियों के भावी जीवन में भाषा से संबंधित जो भी आवश्यकताएँ होंगी उनकी तैयारी पाँचवीं कक्षा तक पूरी हो जानी चाहिए। पहली कक्षा से चौथी कक्षा तक उन्होंने जो कुछ भी सीखा है, उसका विस्तार पाँचवीं कक्षा में अपेक्षित होगा।

तीसरी, चौथी और पाँचवीं कक्षाओं में मातृभाषा शिक्षण के उद्देश्य–

- दूसरों के विचारों को सुनकर समझने की योग्यता का विकास करना।
- मौखिक अभिव्यक्ति का विकास करना।
- शिष्टाचार, धैर्य और ध्यानपूर्वक सुनने की योग्यता का विकास करना।
- अपने विचारों को लिखकर अभिव्यक्त करने की योग्यता का विकास करना।
- व्याकरण सम्मत भाषा का प्रयोग करने में समर्थ बनाना।
- अध्ययन की कुशलताओं का विकास करना।
- सौंदर्यानुभूति एवं सृजनशीलता का विकास करना।
- भाषा के सौंदर्य की सराहना करने की योग्यता का विकास करना।
- चिंतन की योग्यता का विकास करना।
- लेखन संबंधी योग्यताओं का विकास करना।
- भाषा के प्रमुख तत्वों से परिचित करवाना।
- विद्यार्थियों को भाषायी क्रियाकलापों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करना।
- सर्वधर्म समभाव का विकास करना। सभी धर्मों के प्रति आदर और वसुधैव कुटुंबकम् की भावना का विकास करना।
- अपने क्षेत्र विशेष तथा देश के प्रति प्रेम और गौरव की भावना का विकास करना।

तीसरी, चौथी और पाँचवीं कक्षा के विद्यार्थियों से मातृभाषा संबंधी अपेक्षित योग्यताएँ–

सुनने संबंधी अपेक्षित योग्यताएँ–

- मातृभाषा की ध्वनियों को सुनकर विभेदीकरण करना; जैसे– श- ष, स, ब-भ, क्ष-छ, च्छ, ड-द, र-ढ़, द्य-ध्य आदि।
- सुनने संबंधी शिष्टाचार का पालन करना।
- सुनी हुई बात के संबंध में प्रश्न करना।
- वार्तालाप, संवाद और विचार-विमर्श को सुनकर समझना।
- कहानियाँ, कविताएँ, पहेलियाँ, नाटक, चित्र वर्णन, संक्षिप्त भाषण, विवरण आदि को सुनकर समझना और उनका आनंद लेना।
- वक्ता के मनोभावों–हर्ष, क्रोध, आश्चर्य, घृणा, झिड़की, करुणा, व्यंग्य आदि को समझना।
- विभिन्न स्रोतों से जानकारी एकत्र कर उसे समझकर याद रखना।

बोलने संबंधी अपेक्षित योग्यताएँ–

- मातृभाषा की सभी ध्वनियों (स्वर, व्यंजन, मात्रा सहित व्यंजन, संयुक्ताक्षर, संयुक्त व्यंजन तथा परिचित एवं अपरिचित शब्दों) का शुद्ध उच्चारण करने में समर्थ होना।
- भाषा-संबंधी सभी सामूहिक क्रियाकलापों में सक्रिय रूप से भाग लेना।
- कविता का उचित हाव-भाव से पाठन करना।
- कहानी का प्रभावशाली ढंग से वाचन करना।
- अपनी बात आत्मविश्वास के साथ कहना।
- व्याकरण-सम्मत भाषा का प्रयोग करना।
- अपने विचारों को स्वतंत्र व क्रमबद्ध रूप से व्यक्त करना।
- वार्तालाप, नाटक, लघु भाषण आदि में सक्रिय रूप से भाग लेना।
- कहानियाँ सुनाने, पहेलियाँ बूझने, अंत्याक्षरी, लघु भाषण आदि का अभ्यस्त होना।
- बोलने संबंधी शिष्टाचार का पालन करना।

पढ़ने संबंधी अपेक्षित योग्यताएँ–

- परिचित और अपरिचित शब्दों का शुद्ध उच्चारण करना।
- गद्य और पद्य का उचित आरोह-अवरोह के साथ धारा प्रवाह में पढ़ना।
- शब्दों और मुहावरों का अर्थ समझकर वाक्यों में प्रयोग करना।

- पठित वस्तु के महत्त्वपूर्ण तथ्य, मुख्य विचार और केंद्रीय भाव को पहचानना।
- बाल-साहित्य आदि की उपलब्ध सामग्री को पढ़ना।
- पत्र, चार्ट, पोस्टर आदि की लिखित सामग्री को सहजता से पढ़ना।
- मौन पाठन द्वारा पाठ्यवस्तु का अर्थग्रहण करने की योग्यता प्राप्त करना।

लिखने संबंधी अपेक्षित योग्यताएँ–

- परिचित और अपरिचित शब्दों व वाक्यों को शुद्ध रूप से लिखना। लिखते हुए व्याकरण-सम्मत शुद्ध एवं प्रांजल भाषा का प्रयोग करना।
- लेखन संबंधी नियमों एवं कुशलताओं का ज्ञान होना।
- पूर्ण-विराम, अर्द्ध-विराम, प्रश्नवाचक एवं विस्मय बोधक चिह्नों का सही प्रयोग करना।
- औपचारिक एवं अनौपचारिक पत्रों को लिखने में समर्थ होना।
- अपने विचारों को लिखकर प्रकट करने में समर्थ होना।
- शब्दों एवं वाक्यों का अनुलेख और श्रुतलेख लिखना।
- चित्र वर्णन, यात्रा वर्णन, संवाद लेखन तथा सरल विषयों पर अनुच्छेद एवं निबंध लिखना।

चिंतन संबंधी अपेक्षित योग्यताएँ–

- अपने स्तर के अनुरूप किसी बात को सुनकर या पढ़कर समझना, उस विषय में प्रश्न करना तथा किए गए प्रश्नों के निःसंकोच उत्तर देना।
- सुनी हुई या पढ़ी हुई बातों में उचित-अनुचित का भेद करना।
- दो वस्तुओं या स्थानों की तुलना में समर्थ होना।
- पठित वस्तु के शीर्षक के आधार पर विषय-वस्तु को समझना, केंद्रीय भाव तथा सारांश बताना।
- यथार्थ और कल्पना में अंतर कर पाना।
- वर्णित घटना या दृश्यावलोकन के बारे में प्रतिक्रिया करना।
- मूर्त विषयों के बारे में अनुभूति और भाव व्यक्त करने के लिए सही शब्द चुनना।

तीसरी, चौथी और पाँचवीं कक्षा के लिए शैक्षिक क्रियाकलाप–

- विभिन्न विषयों पर आधारित– क्यों, कैसे, क्या वाले प्रश्नों को पूछना तथा कक्षा के सभी विद्यार्थियों की उसमें प्रतिभागिता सुनिश्चित करना।
- हिंदी वर्णमाला की सूक्ष्म अंतर वाली ध्वनियों में विभेदीकरण तथा शुद्ध उच्चारण का प्रशिक्षण देना।
- सामूहिक एवं व्यक्तिगत रूप से कविता, कहानी, घटना आदि को सुनाने के लिए प्रोत्साहित करना।
- वाद-विवाद तथा लघु भाषणों द्वारा आत्मविश्वास में बढ़ोतरी करना।
- विद्यालय के विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेने तथा उनका संचालन करने संबंधी कार्य करवाना।
- परिचित एवं अपरिचित विषयों पर संवादों का आयोजन करना।
- अधूरी कहानी को पूरा करवाना तथा अनुमान के आधार पर घटना या कहानी का वर्णन करवाना।
- पाठ्यपुस्तक तथा अतिरिक्त सामग्री को पढ़ते समय उच्चारण, विराम चिह्न, उचित स्थान पर बलाघात आदि पर ध्यान देते हुए पढ़वाना। उचित गति एवं प्रवाह के साथ पढ़ने पर बल देना।
- मौन वाचन करवाना, चित्र, चार्ट, मानचित्र, विज्ञापन, पत्र एवं सूचना पट से संबंधित लिखित सामग्री पर अनेक प्रश्न पूछना।
- शब्दों एवं वाक्यों का अनुलेख एवं श्रुतलेख करवाना।
- विभिन्न विषयों पर चित्र, मॉडल, चार्ट आदि तैयार करवाना तथा उनका विवरण लिखवाना।
- सरल विषयों पर अनुच्छेद या निबंध लिखना।
- चित्र देखकर वाक्य, कहानी, कविता, अनुच्छेद लिखवाना।

पाठ्य-सामग्री एवं विषय-वस्तु–

कक्षा 3, 4 और 5 के लिए पाठ्यपुस्तक अभ्यास पुस्तिका सहित तैयार की गई है। इन पुस्तकों के क्रमशः 112, 140 और 140 पृष्ठ तैयार किए गए हैं। पाठ्यपुस्तक की विषय-वस्तु उद्देश्यों, योग्यताओं और शैक्षिक क्रियाकलापों पर आधारित है। बच्चों के परिवेश से संबंधित सामग्री तथा भाषायी कुशलताओं और योग्यताओं को ध्यान में रखकर विषय सामग्री तैयार की गई है। निम्न बिंदुओं को ध्यान में रखकर पाठ्यपुस्तक का निर्माण किया गया है–

दर्शनीय स्थल, यात्रा वर्णन, खोज, महापुरुषों की जीवनियाँ, पत्र, डायरी, कविताएँ, एकांकी, निबंध, लेख, त्योहार, पर्यावरण, सर्वधर्म समभाव, नैतिक मूल्यपरक पाठ आदि।

1 सीखो

फूलों से नित हँसना सीखो
भौंरों से नित गाना,
तरु की झुकी डालियों से नित
सीखो शीश झुकाना।

सीख हवा के झोंकों से लो
कोमल भाव जगाना,
दूध और पानी से सीखो
मिलना और मिलाना।

सूरज की किरणों से सीखो
जगना और जगाना,
लता और पेड़ों से सीखो
सबको गले लगाना।

श्रीनाथ सिंह

शिक्षण संकेत

- बच्चों को हर पल मुसकराते रहने की सीख दें।
- प्रकृति हमें क्या-क्या प्रदान करती है जैसे प्रश्न पूछते हुए कविता पढ़ाएँ।
- प्रकृति के निःस्वार्थ भाव की जानकारी देते हुए बच्चों को सिखाएँ कि हमें दूसरों की सहायता बिना किसी लालच के करनी चाहिए।

शब्दार्थ

नित	–	सदैव	तरु	–	पेड़	शीश	–	सिर
सीख	–	शिक्षा	कोमल	–	मुलायम	लता	–	बेल

संकलनात्मक एवं रचनात्मक मूल्यांकन

मौखिक

1. पढ़िए और बोलिए–

फूलों हँसना भौंरों झोंकों किरणों

2. सोचकर बताइए–

(क) शीश झुकाने से आप क्या समझते हैं?

(ख) दूध और पानी से हमें क्या सीख मिलती है?

(ग) लता और पेड़ हमें क्या शिक्षा देते हैं?

लिखित

1. नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(क) फूल हमें क्या शिक्षा देते हैं?

....

....

(ख) भौंरों से हमें क्या सीखना चाहिए?

....

....

(ग) कोमल भाव जगाना कौन सिखाता है?

....

....

(घ) जगने और जगाने की शिक्षा हमें किससे मिलती है?

....

....

2. किससे क्या सीख मिलती है? मिलान कीजिए–

तरु की झुकी डालियों से	मिलना और मिलाना
हवा के झोंकों से	जगना और जगाना
दूध और पानी से	सबको गले लगाना
सूरज की किरणों से	शीश झुकाना
लता और पेड़ों से	कोमल भाव जगाना

3. नीचे दिए प्रश्नों के उपयुक्त उत्तर पर (✓) लगाइए–

(क) हर पल कौन मुसकराते रहते हैं?

(*i*) पेड़ ☐ (*ii*) फूल ☐ (*iii*) पत्ते ☐

(ख) सूरज से क्या निकलती हैं?

(*i*) हवाएँ ☐ (*ii*) धाराएँ ☐ (*iii*) किरणें ☐

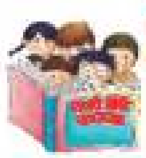

भाषा ज्ञान

1. समानार्थक शब्द लिखिए–

फूल .... पेड़ ....

हवा .... दूध ....

2. पाठ में आए क्रिया शब्द ढूँढ़कर लिखिए–

....

....

3. नीचे दिए शब्दों के लिए उचित विशेषण शब्द लिखिए–

....बड़ा.... पेड़ .... दूध .... पानी

कविता से आगे

- यदि सूरज और हवा अपना काम छोड़कर विश्राम करना आरंभ कर दें तो क्या होगा?

नन्हे हाथों से

- **अमेरिका में नियाग्रा जल-प्रपात एक प्रसिद्ध स्थल है। जहाँ ऊँचाई से गिरते झरने प्रकृति का मनोरम दृश्य प्रस्तुत करते हैं। इस चित्र को देखकर एक अनुच्छेद लिखिए–**

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

कुछ करने को

- सूखे फूलों से रंग किस प्रकार बनाए जाते हैं? जानकारी एकत्र करके उत्तर पुस्तिका में लिखिए
- विभिन्न प्रकार के फूल व पत्ते अपनी प्रोजेक्ट फाइल में लगाइए।
- प्रकृति से संबंधित चित्र बनाइए और उसमें रंग भरिए–

आप क्या करेंगे

- किसी सुंदर फूल को देखकर–

(क) चुपके से तोड़ लेंगे। ☐

(ख) दूर से ही खड़े होकर देखेंगे। ☐

(ग) फूल की ओर दोबारा देखेंगे ही नहीं। ☐

- कक्षा में आए नए बच्चे को देखकर–

(क) उसे तंग करेंगे। ☐

(ख) उससे बातचीत नहीं करेंगे। ☐

(ग) प्रेमपूर्वक उससे मित्रता कर लेंगे। ☐

2 बहादुर बच्चे

निक्की और आरव गरमी की छुट्टियाँ बिताने के लिए अपने चाचा के पास भिलाई से अभी-अभी दिल्ली पहुँचे। चाचा जी उन्हें लेने के लिए स्टेशन पर आए। उन्हें देखते ही निक्की का चेहरा खिल उठा। वह ज़ोर से चिल्लाई, "चाचू! देखा, हम दोनों अकेले ही आ गए आपके पास। आप तो बेकार ही डर रहे थे कि पता नहीं रास्ते में हमारे साथ क्या हो।" निक्की आरव से एक साल छोटी थी, पर थी बहुत तेज़। उसकी बात सुनकर चाचू झेंपी-सी हँसी हँसकर रह गए। फिर बोले, "निक्की गाड़ी में बैठकर आना आसान है, पर यहाँ कुछ गड़बड़ मत करना।"

अपना सामान कंधे पर उठाकर रेलगाड़ी से नीचे उतरते हुए आरव ने पूछा, "क्यों चाचू?"

चाचा जी ने गंभीर होकर कहा, "देखो, दिल्ली में हर प्रकार के लोग रहते हैं। तुम्हें बहुत सावधान रहना होगा। चलो, जल्दी करो अब। तुम दोनों को घर छोड़कर मुझे बहुत ज़रूरी काम से बाहर जाना है।"

चाचा जी उन दोनों को लेकर पुराने बस अड्डे पर आ गए। बस अड्डे की भीड़ देखकर निक्की चौंक गई। इतने

शिक्षण संकेत

- 26 जनवरी के अवसर पर जिन बहादुर बच्चों को राष्ट्रपति द्वारा पुरस्कृत किया जाता है उनके कारनामें बताते हुए बच्चों में बहादुरी की भावना जागृत करें।
- उदाहरण देते हुए बहादुरी की सच्ची घटनाएँ बच्चों को सुनाएँ।
- कठिन परिस्थितियों में बच्चे कैसे, क्या करेंगे आदि प्रश्न पूछें।

सारे लोग! इतनी सारी बसें! चाचा जी बस का टिकट लेने ही वाले थे कि उनके फोन की घंटी बज उठी। उन्होंने फोन उठाया और बातें करने लगे। उनके चेहरे से लग रहा था कि वे किसी बात से बहुत परेशान हैं। फोन रखने के बाद वे कुछ सोचते हुए बोले, "निक्की, आरव! मुझे अभी बहुत ज़रूरी काम से जाना पड़ रहा है, बस घंटेभर में आ जाऊँगा। तुम दोनों के खाने के लिए मैं कुछ चिप्स आदि ले आता हूँ। यहीं बैठकर मेरा इंतज़ार करना, कहीं जाना मत। ठीक है?" कोल्ड ड्रिंक व चिप्स देकर चाचा जी चले गए।

निक्की बड़े आराम से एक बेंच पर बैठकर आते-जाते लोगों को देखने लगी। उसे इतना बड़ा बस अड्डा एक अजूबा लग रहा था। 'कोल्ड ड्रिंक' खत्म करने के बाद वह अपनी जगह से उठी और बोली, "आरव, मैं ज़रा बस अड्डा देखना चाहती हूँ। तुम चलोगे?" आरव भी बैठे-बैठे ऊब रहा था इसलिए अपना बैग कंधे पर टाँग कर वह भी खड़ा हो गया। वैसे भी दोनों को नई-नई चीज़ें देखने का बहुत शौक था।

चलते-चलते दोनों बस अड्डे के पीछे सामान रखने के गोदाम तक जा पहुँचे। वहाँ बड़े-बड़े ट्रकों से सामान उतर रहा था। निक्की को सामने रखी एक बड़ी-सी लकड़ी की पेटी नज़र आई। वह तुरंत जाकर उसके ऊपर बैठ गई। अचानक उसे पेटी के अंदर से घों-घों की आवाज़ आई।

निक्की घबरा गई और उसने ज़ोर से आवाज़ दी, "भैया! ...." आरव दौड़ा आया। पेटी अब हिलने लगी थी। आरव ने बुदबुदाकर कहा, "पेटी में ज़रूर कुछ है।" उसने पेटी को धीरे से खोलकर देखा। अंदर उसी की उम्र का एक लड़का उकड़ूँ-सा लेटा था। उसके हाथ-पैर बँधे हुए थे और मुँह पर टेप चिपका था। निक्की ने आगे बढ़कर उसके मुँह से टेप हटाया, आरव ने उसके हाथ-पैर खोले।

वह लड़का हाँफते हुए बोला, "जल्दी से मुझे यहाँ से कहीं और ले चलो। मेरा नाम रिनीश है। कुछ लोग मेरा अपहरण करके यहाँ ले आए हैं। मैंने उनकी बातें सुनी हैं। जल्दी ही वे यहाँ एक ट्रक लेकर आएँगे और मुझे उसमें बैठाकर कहीं दूर ले जाएँगे।" निक्की और आरव ने उसका हाथ पकड़ा और तीनों दौड़ते हुए बस अड्डे की तरफ़ भागे। बस अड्डे पर बहुत भीड़ थी। वहीं एक कोने में खड़े होकर आरव ने उसे पीने के लिए 'कोल्ड ड्रिंक' दी। रिनीश की साँस में साँस आई, तब उसने बताना शुरू किया कि उसके पापा व्यवसायी हैं। उनके ऑफिस में सोनू नाम का एक लड़का काम करता था। पिछले महीने चोरी के आरोप में उसे काम से निकाल दिया गया था। आज सुबह जब वह क्रिकेट खेलने जा रहा था, तो सोनू और उसके दो साथियों ने उसे पकड़ लिया और मुँह पर टेप चिपकाकर तथा पेटी में बंद करके गाड़ी में बिठाकर यहाँ ले आए। रिनीश ने यह भी बताया कि वे लोग उसके पापा से एक करोड़ रुपये माँगने वाले हैं।

रिनीश की बात खत्म हुई ही थी कि सामने से दौड़ते हुए चाचा जी आ गए। आरव और निक्की को डाँटते हुए बोले, "तुम दोनों कहाँ चले गए थे? मैंने कहा था न कि अपनी जगह से मत हिलना।" निक्की धीरे से बोली, "चाचू, अगर हम अपनी जगह से नहीं हिलते, तो फिर रिनीश को अपहरणकर्ताओं से कैसे बचाते?"

चाचा जी ने रिनीश की बातें ध्यान से सुनीं और तुरंत फोन करके पुलिस व रिनीश के पापा को बस अड्डे पर बुलाया। दस मिनट में पुलिस आ गई और फिर रिनीश के पापा भी आ गए। पुलिस ने सोनू और उसके साथियों को रँगे हाथों पकड़ लिया। चाचा जी ने चैन की साँस लेते हुए कहा, "आरव, निक्की आओ, अब घर चलें।"

अगले ही दिन रिनीश के पापा ने आरव और निक्की को बुलाकर ढेर सारे उपहार दिए और पुलिस वाले अंकल ने सबके सामने दोनों की पीठ थपथपाई। उस समय निक्की ने धीरे से फुसफुसाते हुए चाचा जी के कान में कहा, "चाचू, हम दोनों ने दिल्ली जीत ली ना!"

शब्दार्थ

चेहरा खिल उठना – खुश होना
शौक – रुचि
व्यवसायी – व्यापारी
रँगे हाथों पकड़ना – गलत काम करते हुए पकड़ना
चैन की साँस लेना – राहत का अनुभव करना
पीठ थपथपाना – शाबाशी देना
अजूबा – अनोखा
अपहरण – किसी के द्वारा जबरन उठा लिया जाना
आरोप – इल्ज़ाम
उपहार – भेंट, तोहफ़ा

इन्हें ऐसे भी लिख सकते हैं–

गरमी – गर्मी   छुट्टियाँ – छुट्टियाँ   अड्डे – अड्डे

संकलनात्मक एवं रचनात्मक मूल्यांकन

मौखिक

1. पढ़िए और बोलिए–

इंतज़ार   क्रिकेट   ध्यान   थपथपाना   फुसफुसाना

2. सोचकर बताइए–

(क) चाचा जी बच्चों को कहाँ छोड़कर गए थे?

(ख) पेटी से आवाज़ें क्यों आ रही थीं?

(ग) रिनीश की बातें सुनकर चाचा जी ने क्या किया?

लिखित

1. नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(क) निक्की और आरव कहाँ से आए थे और क्यों?

....

(ख) निक्की बस अड्डे पर क्या देखकर चौंक गई?

....

....

(ग) रिनीश का अपहरण क्यों किया गया था?

....

....

(घ) इस कहानी से हमें क्या शिक्षा मिलती है?

....

....

2. नीचे दिए प्रश्नों के उपयुक्त उत्तर पर (✓) का चिह्न लगाइए–

(क) निक्की और आरव को स्टेशन पर कौन लेने आया था?

(*i*) मामा जी ☐ (*ii*) दादा जी ☐ (*iii*) चाचा जी ☐

(ख) बस अड्डे पर बच्चों ने क्या पिया?

(*i*) नींबू पानी ☐ (*ii*) शरबत ☐ (*iii*) कोल्ड ड्रिंक ☐

(ग) पेटी के अंदर से कैसी आवाज़ें आ रही थीं?

(*i*) घों-घों ☐ (*ii*) चों-चों ☐ (*iii*) टों-टों ☐

(घ) अपहरणकर्ता का क्या नाम था?

(*i*) निक्की ☐ (*ii*) रिनीश ☐ (*iii*) सोनू ☐

3. नीचे दिए शब्दों की सहायता से वाक्य पूरे कीजिए–

चेहरा, अपहरण, निक्की, पेटी

(क) चाचा जी को देखकर निक्की का .... खिल उठा।

(ख) .... आरव से एक साल छोटी थी।

(ग) निक्की की नज़र लकड़ी की एक .... पर पड़ी।

(घ) कुछ लोग रिनीश का .... करके ले जा रहे थे।

भाषा ज्ञान

1. पाठ में आए व्यक्तिवाचक संज्ञा शब्दों को ढूँढ़कर लिखिए–

....

....

....

जो संज्ञा शब्द किसी विशेष व्यक्ति, वस्तु या स्थान का बोध करवाएँ, वे व्यक्तिवाचक संज्ञा कहलाते हैं; जैसे– इंदिरा, रेखा, ताजमहल, मेरठ आदि।

2. आइए, हिंदी की गिनती सीखें–

21	22	23	24	25
इक्कीस	बाईस	तेईस	चौबीस	पच्चीस
26	27	28	29	30
छब्बीस	सत्ताईस	अट्ठाईस	उनतीस	तीस

3. अपनी जन्मतिथि को हिंदी संख्याओं में लिखिए–

....

4. अपने घर का फोन नंबर हिंदी संख्याओं में लिखिए–

....

5. नीचे दिए गए मुहावरों के अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

(क) चेहरा खिलना – ....

....

(ख) रँगे हाथों पकड़ना – ....

....

(ग) पीठ थपथपाना – ....

....

6. **नीचे दिए वाक्यों में क्रियाविशेषण शब्दों पर ◯ लगाइए–**

(क) निक्की ज़ोर से चिल्लाई।

(ख) उसने पेटी को धीरे से खोला।

(ग) दोनों हँस-हँसकर बातें कर रहे थे।

(घ) चाचा जी ने रिनीश की बातें ध्यान से सुनी।

> जो शब्द क्रिया की विशेषता बताए, उसे **क्रियाविशेषण** कहते हैं; जैसे- वह **धीरे-धीरे** चल रहा है, यहाँ 'धीरे-धीरे' शब्द **क्रियाविशेषण** है।

कहानी से आगे

- यदि निक्की और आरव रिनीश को न बचाते तो क्या होता?
- यदि आप निक्की और आरव की जगह होते तो क्या करते?
- नीचे लिखी पंक्तियों को पढ़िए। इन पंक्तियों के आधार पर बताइए कि आप निक्की और आरव के बारे में क्या सोचते हैं?

(क) मैं ज़रा बस अड्डा देखना चाहती हूँ।

ऐसा लगता है कि वह जिज्ञासु प्रवृत्ति की थी।

(ख) उसके मुँह से टेप हटाया और हाथ-पैर खोले।

ऐसा लगता है कि वे .... थे।

(ग) हम दोनों ने दिल्ली जीत ली ना!

ऐसा लगता है कि वे .... थे।

कुछ करने को

- प्रतिवर्ष छब्बीस जनवरी को राष्ट्रपति द्वारा साहसी बच्चों को पुरस्कृत किया जाता है। कुछ पुरस्कृत बहादुर बच्चों के चित्र अपनी अभ्यास पुस्तिका में चिपकाइए और उनकी बहादुरी की कहानियाँ इंटरनेट या समाचार पत्रों के माध्यम से जानकर लिखिए।

नन्हे हाथों से

• चित्र देखकर कुछ वाक्य लिखिए–

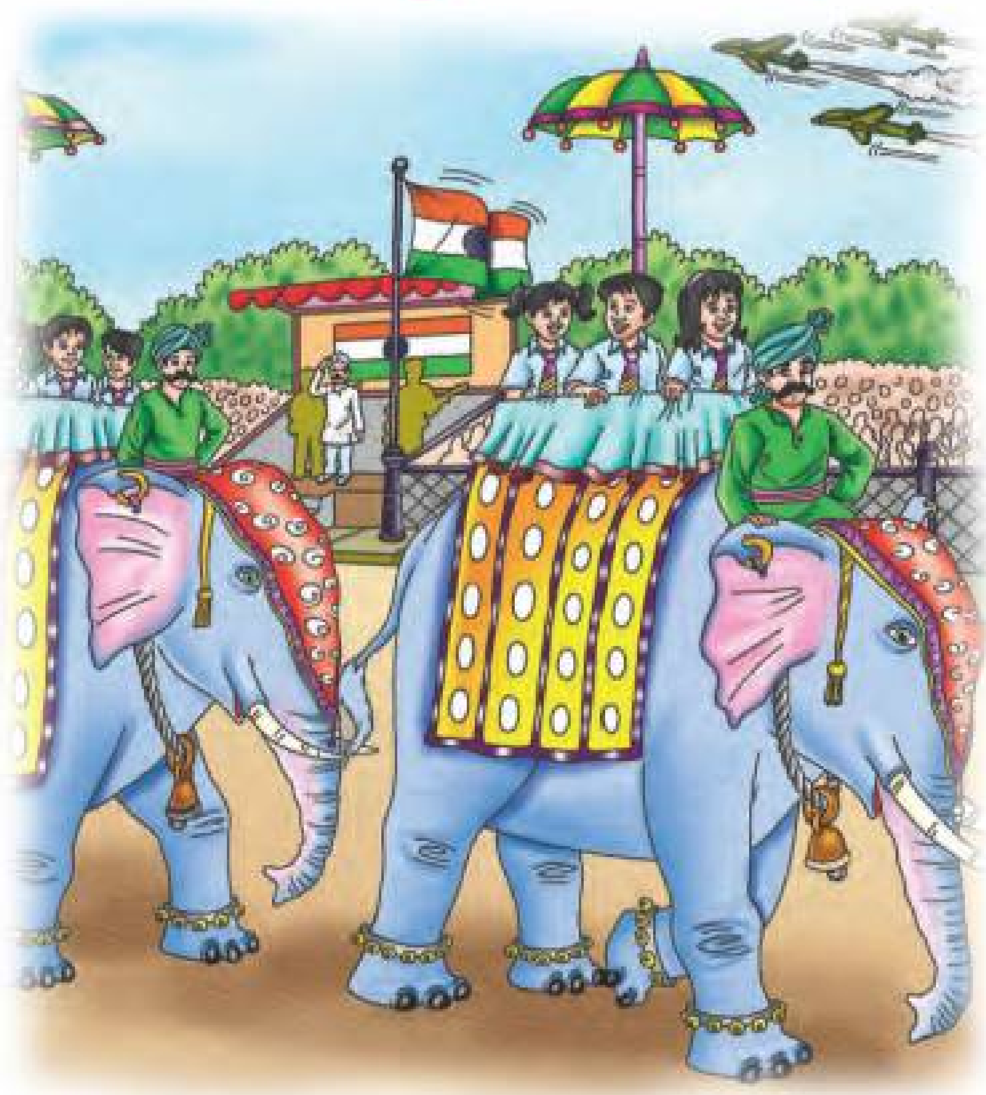

....
....
....
....
....
....
....
....
....
....
....
....

आप क्या करेंगे

• **अगर आपके सामने कोई व्यक्ति किसी बच्चे को बलपूर्वक गाड़ी में डालकर ले जाए तो–**

(क) गाड़ी के पीछे दौड़ लगाएँगे। ☐

(ख) गाड़ी का नंबर नोट करके किसी बड़े को बताएँगे। ☐

(ग) देखकर भी अनदेखा कर देंगे। ☐

• **यदि आपकी कक्षा में कोई अपाहिज बालक पढ़ने के लिए आए तो–**

(क) उससे कोई मतलब नहीं रखेंगे। ☐

(ख) उसका मज़ाक उड़ाएँगे। ☐

(ग) उसकी यथासंभव सहायता करेंगे। ☐

3 दो बैलों की कथा

झूरी के पास दो बैल थे। उनके नाम थे–हीरा और मोती। दोनों में बहुत प्रेम था। वे नाँद में एक साथ मुँह डालते और एक साथ ही हटाते। झूरी भी उनके चारे–पानी का बड़ा ध्यान रखता था। वह कभी भी उन्हें मारता–पीटता नहीं था। इस कारण दोनों बैल भी झूरी से बहुत प्रेम करते थे।

एक बार झूरी की पत्नी का भाई गया, दोनों बैलों को अपने गाँव ले जाने लगा। बैलों को बड़ा आश्चर्य हुआ कि वह उन्हें क्यों और कहाँ लिए जा रहा है? रास्ते में उन्होंने उसे बहुत तंग किया। मोती बाएँ भागता, तो हीरा दाएँ। इस बात पर गया ने उन्हें बहुत पीटा। घर पहुँचकर गया ने उनके सामने रूखा–सूखा भूसा डाल दिया, जिसे दोनों बैलों ने छुआ तक नहीं।

रात होने पर बैलों ने वहाँ से भाग जाने का निश्चय किया। उन्होंने ज़ोर लगाकर रस्सियाँ तोड़ डालीं और भाग निकले। सुबह उठकर जब झूरी ने उन्हें थान पर खड़े देखा तो सब कुछ समझ गया और प्रेम से उन पर हाथ फेरने लगा। परंतु यह देखकर झूरी की पत्नी जल–भुन गई। उसने उनके सामने रूखा–सूखा भूसा डाल दिया। फिर भी वे प्रसन्न थे।

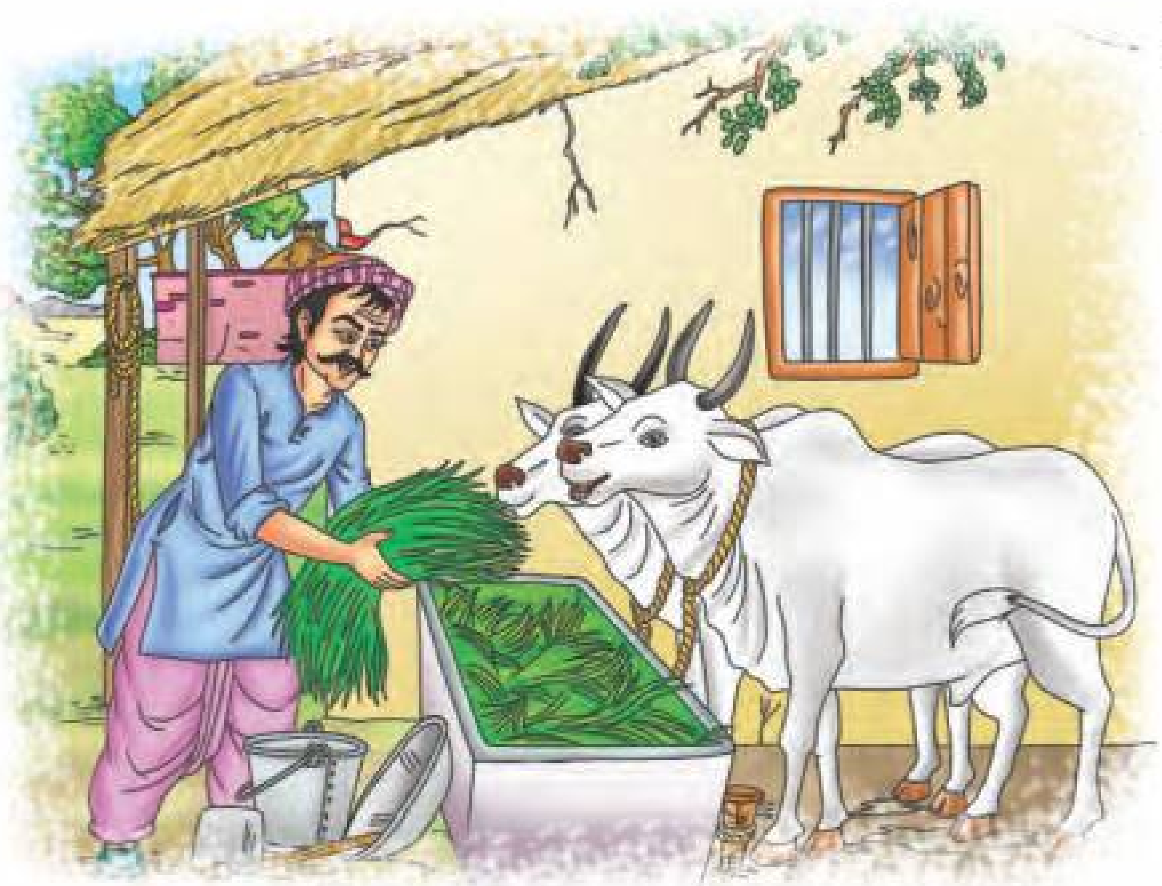

अगले दिन गया फिर आया। इस बार वह बैलों को गाड़ी में जोतकर ले जाने लगा। रास्ते में

शिक्षण संकेत

- बच्चों में प्रेम और सद्भावना का विकास करें तथा उपन्यास सम्राट मुंशी प्रेमचंद की कहानियाँ पढ़ने के लिए कहें।
- पशु भी प्रेम का भूखा होता है। बच्चों से उनके पालतु पशुओं के खान–पान व आदतों से संबंधित प्रश्न पूछें। बच्चों को पशुओं के गुणों से भी अवगत कराएँ; जैसे–कुत्ता वफ़ादारी, घोड़ा स्वामिभक्ति तथा गाय मातृत्व के लिए जानी जाती है।

मोती की इच्छा हुई कि गाड़ी को गड्ढे में ढकेल दे, पर हीरा समझदार था। उसने गाड़ी को सँभाल लिया और वे जैसे–तैसे गया के घर पहुँचे। अब गया ने उनसे बहुत सख्ती से काम लेना शुरू कर दिया। वह उन्हें दिनभर हल में जोतता और जब–तब मारता–पीटता रहता था। वे लाचार दृष्टि से एक–दूसरे को देखते रहते थे।

गया की एक छोटी बेटी थी। वह बैलों की दुर्दशा देखती, तो उसे बहुत बुरा लगता था। वह रात को चुपके से उन्हें रोटी खिलाती। दोनों बैल उसके प्रेम के आगे अपमान और मार भूल जाते। एक दिन मोती रस्सी तोड़ने का प्रयास कर रहा था कि वह लड़की वहाँ आ गई और उसने दोनों बैलों को खोल दिया। दोनों बैल वहाँ से भाग निकले।

रास्ते में उन्हें एक साँड़ मिला। वह उनकी ओर लपका, तो हीरा और मोती के होश उड़ गए। भागना बेकार था इसलिए दोनों ने साहस से काम लिया। साँड़ ने हीरा पर वार किया तो मोती ने साँड़ पर पीछे से सींगों से चोट की। साँड़ घबराया। वह एक का तो मार–मारकर कचूमर निकाल देता, पर यहाँ तो दो थे। इसलिए उसने भागने में ही भलाई समझी। मोती कुछ दूर तक उसके पीछे दौड़ा, पर हीरा ने उसे दूर न जाने दिया।

अब दोनों बड़े प्रसन्न थे। आगे चले तो रास्ते में मटर का खेत दिखाई दिया। भूख तो लग ही रही थी। हरी–भरी मटर देखकर उनकी भूख और भी तेज़ हो गई। वे खेत में घुस गए और मटर खाने लगे। अभी पेट भरा भी न था कि खेत के रखवाले ने उन्हें देख लिया। उन्हें चारों ओर से घेरकर पकड़ लिया गया और काँजी–हाउस में बंद कर दिया गया।

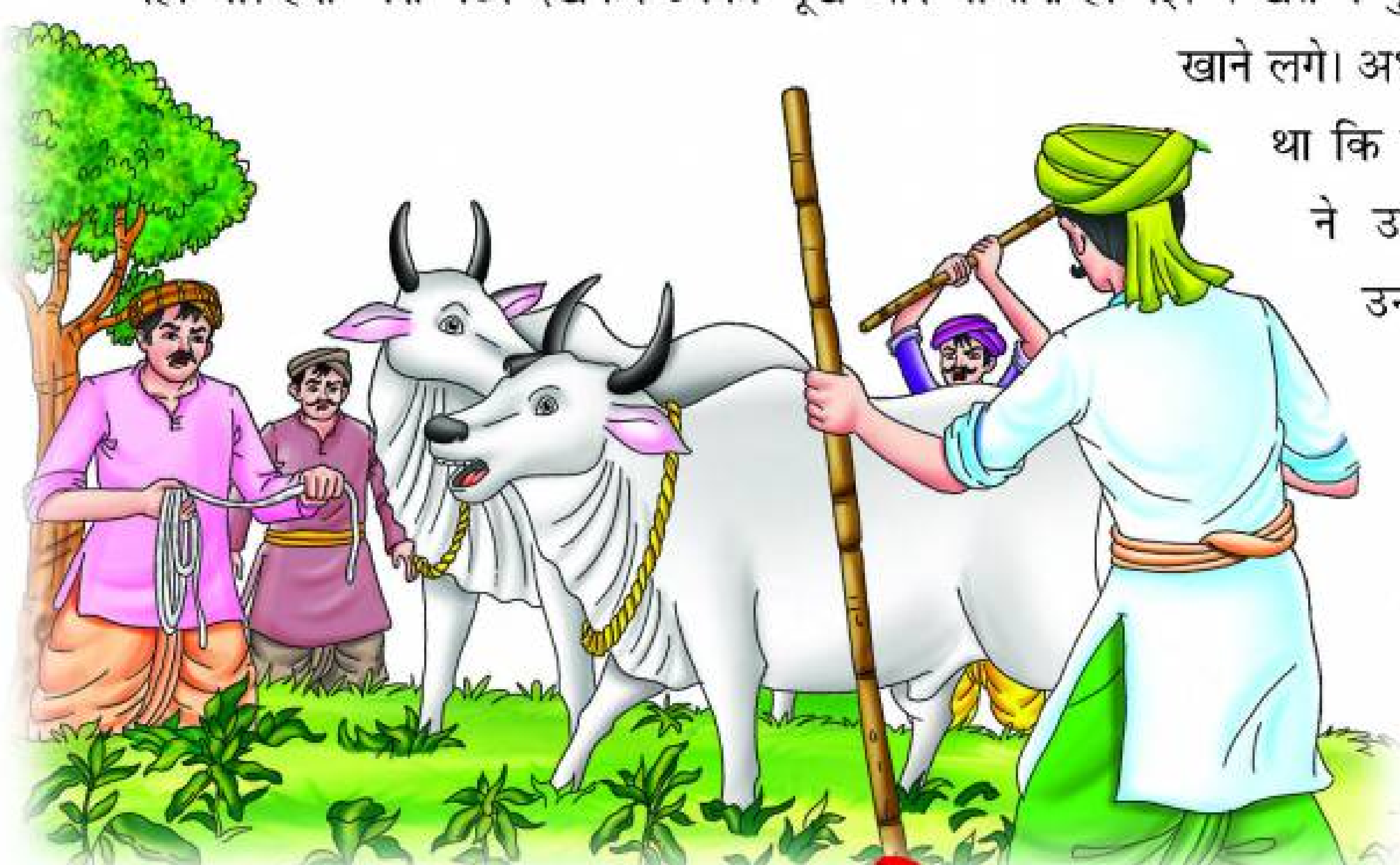

हीरा और मोती ने देखा कि काँजी-हाउस में और भी कई जानवर थे-भैंसें, घोड़े, बकरियाँ और गधे। सब-के-सब कमज़ोर और दुबले-पतले थे। वहाँ किसी के लिए न चारे का प्रबंध था न ही पानी का। उन्होंने सोचा-'यहाँ कहाँ आ फँसे?'। रात हुई तो मोती ने हीरा से कहा, "अगर दीवार तोड़ दी जाए तो बाहर निकलना आसान हो जाएगा।" फिर उसने सींगों से दीवार गिराने का प्रयत्न किया। दो-चार चोटों में ही थोड़ी-सी दीवार गिर गई। उसका उत्साह बढ़ा तो उसने और ज़ोर से चोटें मारनी शुरू कर दीं। दीवार में रास्ता बनते ही पहले तो घोड़ियाँ भागीं, फिर भैंसें और बकरियाँ। मोती ने गधों को भी सींग मार-मारकर भगा दिया। उसने हीरा से भी भाग चलने को कहा, परंतु हीरा ने मना कर दिया।

सुबह होने पर काँजी-हाउस वालों ने देखा तो उन्हें बड़ा आश्चर्य हुआ। उन्होंने हीरा और मोती को नीलाम कर दिया। नीलामी में एक व्यापारी ने उन्हें खरीद लिया। वह दोनों को अपने गाँव की ओर ले चला। मार खाते-खाते और भूख सहते-सहते दोनों बहुत कमज़ोर हो गए थे। उनकी हड्डियाँ निकल आई थीं। भूख-प्यास से व्याकुल बैलों में कुछ भी दम बाकी नहीं रह गया था। वे चुपचाप व्यापारी के साथ चलने लगे। रास्ता उन्हें जाना-पहचाना सा लगा तो उनमें न जाने

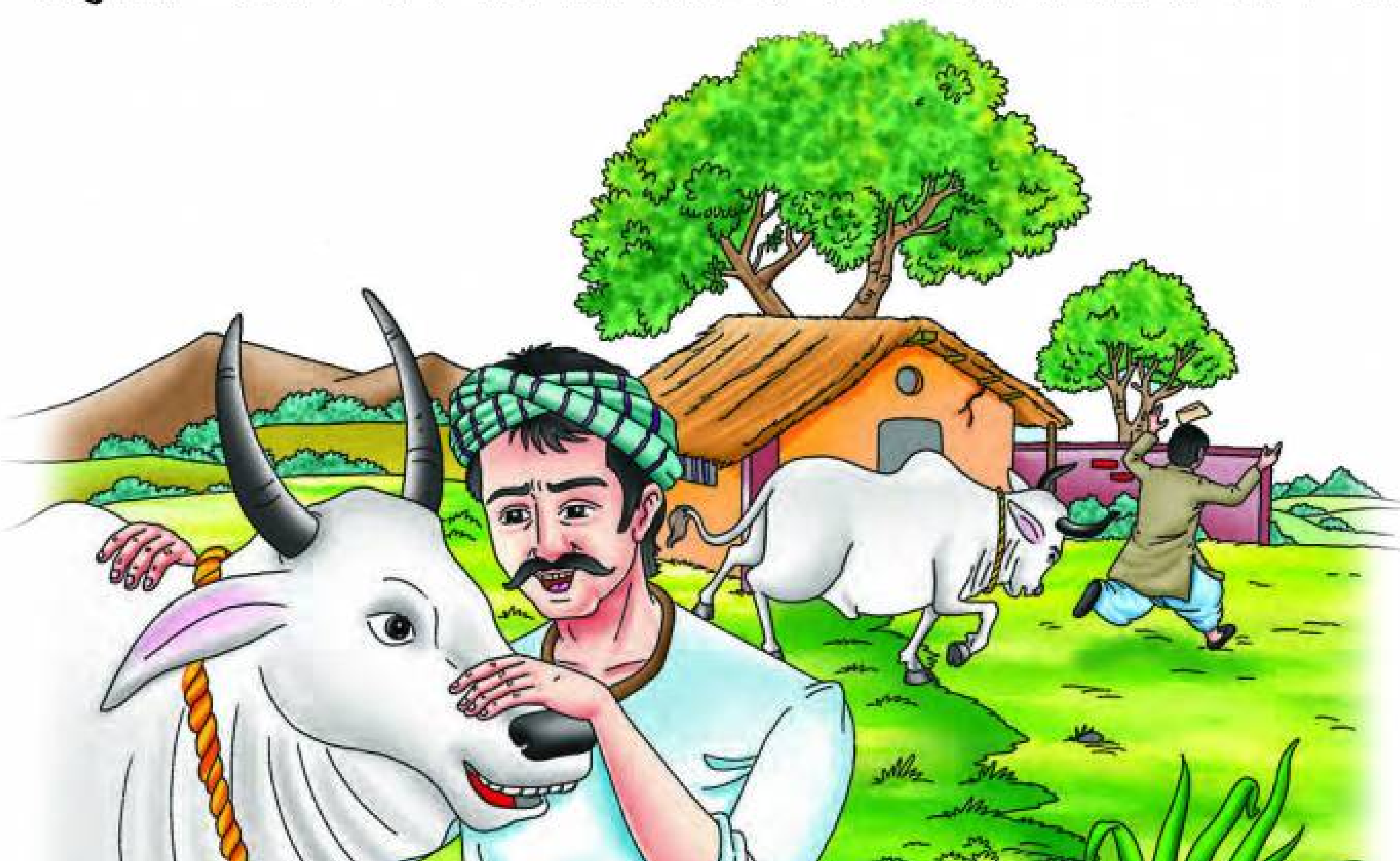

कहाँ से दम आ गया! वे दोनों तेज़ी से भागे। आगे-आगे बैल, पीछे-पीछे व्यापारी। पर जब तक वह उन्हें पकड़ता तब तक दोनों बैल झूरी के घर पहुँच चुके थे।

बैलों को वापस आया देखकर झूरी को बड़ी खुशी हुई। वह उनसे लिपट गया। इतने में व्यापारी भी वहाँ आ पहुँचा और उन्हें माँगने लगा। मोती ने आव देखा न ताव और व्यापारी पर झपट पड़ा। व्यापारी वहाँ से जान बचाकर भागा। झूरी की पत्नी ने दोनों बैलों के माथे चूम लिए।

शब्दार्थ

नाँद	-	मिट्टी या सीमेंट से बना पात्र जिसमें पालतू जानवर चारा खाते हैं।			
निश्चय	-	इरादा			
थान	-	वह स्थान जहाँ पर पालतू पशुओं को बाँधा जाता है।			
जल-भुन जाना	-	अत्यधिक क्रोध करना	लाचार	-	बेबस
दुर्दशा	-	बुरी दशा	प्रयास	-	कोशिश
वार	-	चोट			
काँजी-हाउस	-	जहाँ लावारिस पशुओं को पकड़कर रखा जाता है।			
प्रबंध	-	इंतजाम	नीलामी	-	बोली लगाकर बेचना

इन्हें ऐसे भी लिख सकते हैं–

गड्ढे - गड्ढे   प्रबंध - प्रबन्ध   हड्डियाँ - हड्डियाँ

संकलनात्मक एवं रचनात्मक मूल्यांकन

मौखिक

1. पढ़िए और बोलिए–

प्रबंध   रस्सियाँ   समझदार   सख्त   निगाहों   व्याकुल

2. सोचकर बताइए–

(क) बैल झूरी से क्यों प्रेम करते थे?

(ख) हीरा और मोती काँजी-हाउस कैसे पहुँचे?

(ग) व्यापारी हीरा और मोती को अपने घर क्यों नहीं ले जा सका?

लिखित

1. नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(क) झूरी हीरा और मोती का किस प्रकार ध्यान रखता था?

....

....

(ख) बैलों के साथ गया की बेटी का व्यवहार कैसा था?

....

....

(ग) काँजी-हाउस में पशुओं को किस प्रकार रखा गया था?

....

....

(घ) हीरा और मोती बार-बार झूरी के पास क्यों लौट आते थे?

....

....

2. नीचे दिए प्रश्नों के उपयुक्त उत्तर पर (✓) का चिह्न लगाइए–

(क) झूरी के बैलों का नाम क्या था?

(*i*) झूमरी-टूमरी ☐ (*ii*) हीरा-मोती ☐ (*iii*) हीरा-पन्ना ☐

(ख) दूसरी बार गया बैलों को कैसे लेकर गया था?

(*i*) गाड़ी में जोतकर ☐ (*ii*) भगाकर ☐

(*iii*) रस्सी से बाँधकर ☐

(ग) भागने में बैलों की मदद किसने की?

(*i*) झूरी की पत्नी ने ☐ (*ii*) गया ने ☐

(*iii*) गया की बेटी ने ☐

(घ) जानवरों को पकड़कर कहाँ रखा गया था?

(*i*) नाँद में ☐ (*ii*) पिंजरे में ☐ (*iii*) काँजी-हाउस में ☐

3. **उचित शब्दों से रिक्त स्थान भरिए–**

काँजी-हाउस, हरी-भरी, भूख-प्यास, दृष्टि, झूरी

(क) हीरा और मोती .... से बहुत प्रेम करते थे।

(ख) वे लाचार .... से एक-दूसरे को देख रहे थे।

(ग) .... मटर देखकर उनकी भूख और तेज़ हो गई।

(घ) खेत के रखवाले ने उन्हें .... में बंद करवा दिया।

(ङ) .... से व्याकुल बैलों में कुछ भी दम बाकी नहीं रह गया था।

भाषा ज्ञान

1. **नीचे दिए शब्दों के लिंग बदलकर लिखिए–**

लड़की	–	....	पत्नी	–	....
भैंस	–	....	घोड़ी	–	....
बकरी	–	....	गाय	–	....

2. **उदाहरण के अनुसार पाठ में आए शब्द युग्म लिखिए–**

जैसे – रूखा-सूखा, आगे-आगे।

.... – .... – ....

.... – .... – ....

3. **पाठ में आए जातिवाचक संज्ञा शब्दों को छाँटकर लिखिए–**

....

....

....

जिन संज्ञा शब्दों से एक ही जाति के प्राणी या वस्तुओं का बोध हो, उन्हें जातिवाचक संज्ञा कहते हैं; जैसे–लड़का, पहाड़, कार आदि।

4. नीचे दिए संज्ञा शब्दों को छाँटकर उचित स्थान पर लिखिए–

तारा, बीमारी, ऊँचाई, लक्ष्मण, घर,
चाँद, मोर, ताजमहल, बचपन

व्यक्तिवाचक संज्ञा	जातिवाचक संज्ञा	भाववाचक संज्ञा
....	....	....
....	....	....
....	....	....

कहानी से आगे

- यदि हीरा और मोती काँजी-हाउस से भाग जाते तो क्या होता?
- आपने 'दो बैलों की कथा' पढ़ी। इस कहानी में हीरा-मोती की बातों को वार्तालाप के रूप में लिखिए। शुरू हम करते हैं–

हीरा – चल मोती, यहाँ से भाग चलते हैं।

मोती – हाँ भई! गया हमें सारा दिन हल में जोतता है और खाने को भी रूखा-सूखा देता है।

हीरा – मैं तो न सहूँगा।

मोती – ....

हीरा – ....

मोती – ....

कुछ करने को

- प्रेमचंद हिंदी साहित्य के सर्वश्रेष्ठ कथाकार थे। पुस्तकालय में जाकर प्रेमचंद का जीवन-परिचय तथा उनके द्वारा लिखित कहानियों को पढ़िए तथा कक्षा में सुनाइए।

नन्हे हाथों से

- चित्र देखकर कुछ वाक्य लिखिए–

....

....

....

....

....

....

....

....

....

आप क्या करेंगे

- यदि आपका प्यारा टॉमी बीमार पड़ जाए और डॉक्टर उससे दूर रहने की सलाह दे तो–
  - (क) डॉक्टर की सलाह मानकर उससे दूर रहेंगे। ☐
  - (ख) बड़ों की नज़रों से बचकर उसके साथ खेलेंगे। ☐
  - (ग) डॉक्टर को भला–बुरा कहेंगे। ☐
- यदि आपका छोटा भाई या बहन आपके खिलौने से खेलने लगे तो–
  - (क) उसे चाँटा मारकर खिलौना छीन लेंगे। ☐
  - (ख) उसकी शिकायत माता जी से कर देंगे। ☐
  - (ग) आप भी उसके साथ खेलना शुरू कर देंगे। ☐

4 किस्म-किस्म के तोते

तोते से तो आप सभी परिचित होंगे, ये हमारे खेतों, बाग-बगीचों और कभी-कभी घरों में भी दिखाई पड़ते हैं। तोते का रंग चमकीला हरा होता है, चोंच लाल होती है और गरदन का ऊपरी भाग कंठनुमा लाल पट्टी जैसा होता है। गालों पर चंद्राकार धारियाँ होती हैं, आँख की पुतली हलकी बादामी होती है और चोंच टेढ़ी होती है।

भारत में तोते पालने का शौक सदियों पुराना है। बोली की नकल करने में ये पूरे उस्ताद होते हैं। तोते की अनेक प्रजातियाँ पाई जाती हैं। संसार में प्रायः एक सौ आठ प्रकार के तोते पाए जाते हैं। पहले प्रकार के तोते वे होते हैं, जिनके शरीर का रंग हरा, पंख पीले-हरे, चोंच लाल और ठोढ़ी पर काला धब्बा होता है। नर का रंग गुलाबी होता है। आँखों के बीचों-बीच काली धारी होती है। ये प्रायः 10 से 15 इंच तक लंबे होते हैं। दूसरे प्रकार के तोते वे होते हैं, जिन्हें 'लाल सिरा' कहते हैं। इनकी चोंच नारंगी और गरदन बैंगनी रंग की होती है। आँखें सफ़ेद व गुलाबी

शिक्षण संकेत

- पक्षियों के खाने-पीने से संबंधित प्रश्न पूछते हुए बच्चों में जीवों के प्रति दया की भावना जागृत करें।
- तोते नकलची होते हैं, विभिन्न प्रकार की आवाज़ें निकाल सकते हैं। यह जानकारी देते हुए उनसे फिल्मों में दिखाए जाने वाले तोतों के अभिनय से जुड़े प्रश्न पूछें।

होती हैं। पैरों का रंग गुलाबीपन लिए होता है। तीसरे प्रकार के तोते श्रीलंका, भूटान, म्यांमार आदि देशों में पाए जाते हैं। लंबाई में ये भारत के तोतों से बड़े होते हैं। इनके पंखों का रंग लाल होता है, जिनमें सफ़ेद धब्बे होते हैं। बंगाल में इन्हें 'चंदना' कहते हैं।

एक अन्य प्रकार का तोता होता है, जो प्रायः भारत के सभी भागों में पाया जाता है। इसका आकार छोटी मैना के जैसा और पूँछ काफी लंबी होती है। इसके डैनों पर लाल धब्बे होते हैं। ये अपने घोंसले वृक्षों के छेदों में बनाते हैं। सेमल के वृक्ष इन्हें अधिक पसंद होते हैं। मादा तोता अंडों को सेने का कार्य करती है। एक रोचक बात यह है कि ये सुबह-ही-सुबह खजूर के वृक्षों पर पहुँच जाते हैं और अवसर मिलते ही घड़ों को तोड़कर ताड़ी पी जाते हैं, फिर दिनभर पेड़ों के नीचे मदमस्त होकर पड़े रहते हैं।

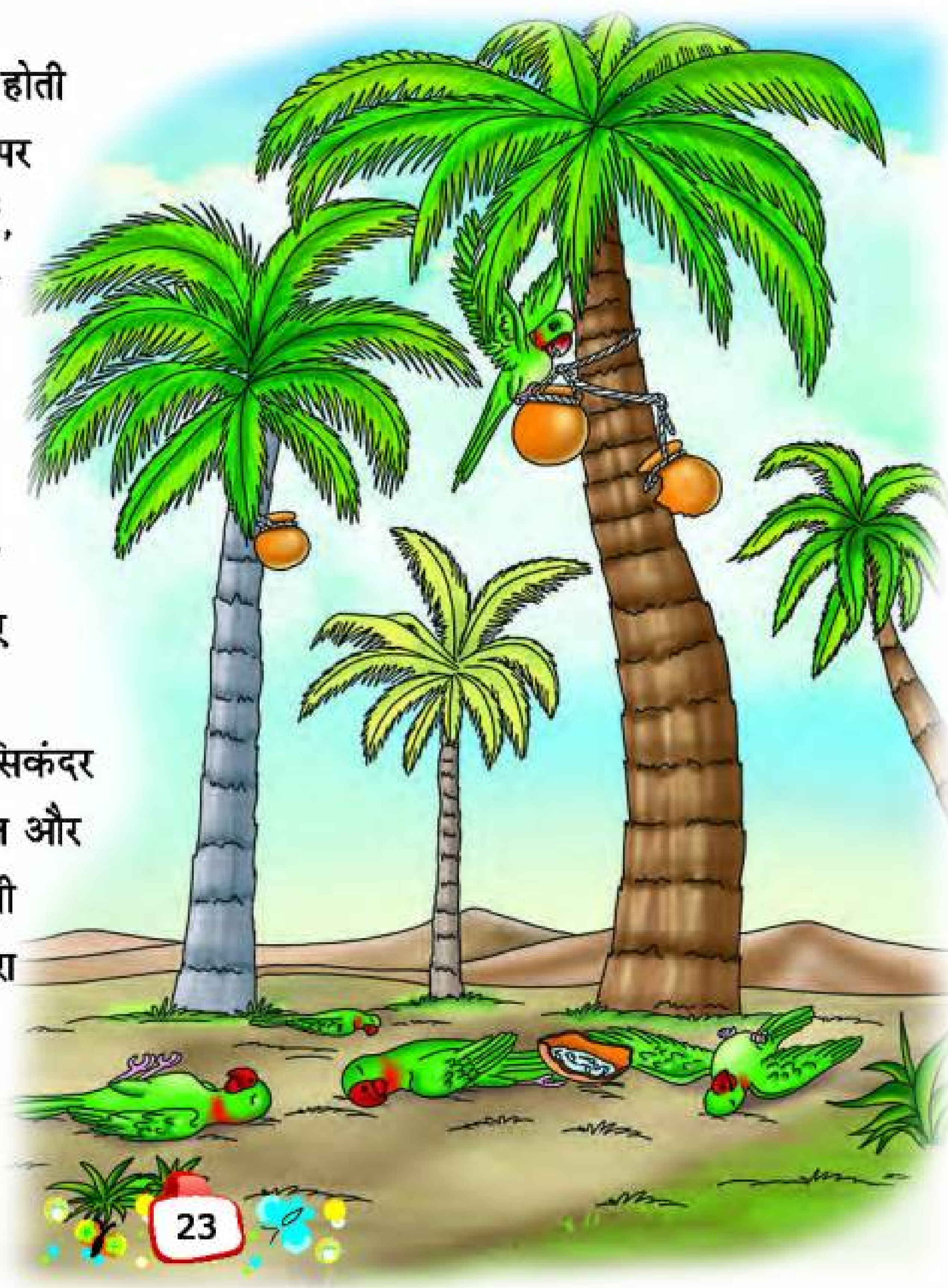

तोते की एक और प्रजाति होती है–'काकातुआ'। आमतौर पर इनकी पूँछ छोटी, सिर पर तुर्रा, चोटी सफ़ेद, लाल, काली तथा पीली होती है। 'काकातुआ' तोते की एक छोटी जाति भी है, जिसे हम 'कामनुई' के नाम से जानते हैं। यह रंग-बिरंगा होता है। तोते संसार के सभी गरम देशों में पाए जाते हैं।

यूरोप में तोते का आगमन सिकंदर बादशाह के समय में हुआ। यूनान और रोम में इनकी लोकप्रियता इतनी बढ़ी कि लोग इन्हें जहाज़ों द्वारा अपने-अपने देशों में ले गए।

शब्दार्थ

परिचित	–	जानकार	चमकीला	–	चमकदार
कंठनुमा	–	गले की तरह	चंद्राकार	–	चंद्रमा के आकार का
उस्ताद	–	प्रवीण, चालाक	प्रजातियाँ	–	जातियों के प्रकार
डैनों	–	पंखों	रोचक	–	रुचिकर, मनोरंजक
आगमन	–	आना	लोकप्रियता	–	प्रसिद्धि

इन्हें ऐसे भी लिख सकते हैं–

कंठ - कण्ठ पद्‌टी - पट्टी द्‌वारा - द्वारा गरम - गर्म

संकलनात्मक एवं रचनात्मक मूल्यांकन

मौखिक

1. पढ़िए और बोलिए–

कंठनुमा धारियाँ चंद्राकार प्रजातियाँ कामनुई

2. सोचकर बताइए–

(क) तोते कहाँ-कहाँ दिखाई पड़ते हैं?

(ख) 'लाल सिरा' तोते देखने में कैसे होते हैं?

(ग) तोते खजूर के वृक्षों पर क्यों जाते हैं?

लिखित

1. नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(क) तोते की शारीरिक बनावट कैसी होती है?

....

....

(ख) तोते किस कार्य को करने में उस्ताद होते हैं?

....

....

(ग) संसार में कितने प्रकार के तोते पाए जाते हैं?

....

....

(घ) चंदना तोते किस प्रकार के होते हैं? ये भारत के तोतों से किस प्रकार भिन्न हैं?

....

....

(ङ) यूरोप में तोतों का आगमन कब और कैसे हुआ?

....

....

2. नीचे दिए शब्दों की सहायता से रिक्त स्थान भरिए–

गुलाबीपन, भारत, सेमल, उस्ताद

(क) .... में तोते पालने का शौक सदियों पुराना है।

(ख) तोतों को .... के वृक्ष अधिक पसंद हैं।

(ग) तोते बोली की नकल करने में पूरे .... होते हैं।

(घ) 'लाल सिरा' तोते के पैरों का रंग .... लिए होता है।

3. उचित मिलान कीजिए–

(क) तोते	अंडों को सेने का कार्य करती है।
(ख) संसार	पेड़ों के नीचे मदमस्त होकर पड़े रहते हैं।
(ग) इनके डैनों	अपने घोंसले वृक्षों के छेदों में बनाते हैं।
(घ) तोते ताड़ी पीकर	में एक सौ आठ प्रकार के तोते पाए जाते हैं।
(ङ) मादा तोता	पर लाल धब्बे होते हैं।

4. **नीचे दिए प्रश्नों के उपयुक्त उत्तर पर (✓) का चिह्न लगाइए–**

(क) तोतों को कौन-से वृक्ष अधिक पसंद होते हैं?

(*i*) सेमल के ☐ (*ii*) पीपल के ☐ (*iii*) नीम के ☐

(ख) तोते ताड़ी पीने के लिए कौन-से वृक्ष पर जाते हैं?

(*i*) नारियल के ☐ (*ii*) खजूर के ☐ (*iii*) सेमल के ☐

(ग) 'काकातुआ' तोते की छोटी जाति को क्या कहते हैं?

(*i*) लाल सिरा ☐ (*ii*) हरा तोता ☐ (*iii*) कामनुई ☐

(घ) तोते कैसे देशों में पाए जाते हैं?

(*i*) गरम ☐ (*ii*) ठंडे ☐ (*iii*) रेगिस्तानी ☐

भाषा ज्ञान

जो शब्द संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताते हैं, विशेषण कहलाते हैं।

1. **नीचे दिए वाक्यों में से विशेषण शब्द छाँटकर लिखिए–**

(क) चोंच लाल होती है। ....लाल..........

(ख) तोते का रंग चमकीला हरा होता है। ....

(ग) पंख पीले-हरे होते हैं। ....

(घ) आँखें सफ़ेद व गुलाबी होती हैं। ....

(ङ) इनकी पूँछ लंबी होती है। ....

2. **नीचे दिए रेखांकित शब्दों से दो-दो शब्द बनाइए–**

(क) चंद्रा<u>कार</u> – ....वृत्ताकार.......... ....अधिकार..........

(ख) कंठ<u>नुमा</u> – ....

(ग) गुलाबी<u>पन</u> – ....

(घ) लोक<u>प्रिय</u> – ....

3. **निम्न शब्दों में से समानार्थी शब्दों को एक साथ लिखिए–**

गृह, निशा, कूल, दिवस, पेड़, नयन, तट, वार, सदन, यामिनी, तरु, चक्षु, वृक्ष, आँख, दिन, किनारा, रात, घर

....

....

....

4. गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

देहरादून की जेल में मैं काली चींटियों, सफ़ेद चींटियों और दूसरे कीड़े-मकोड़े को भी देखा करता था। छिपकलियाँ, जो इन कीड़ों की तलाश में शाम को निकलकर बाहर आ जाती थीं। अपने शिकार की तलाश में एक-दूसरे से भिड़ती थीं और इस प्रकार पूँछ हिलाया करती थीं जिसको देखकर मुझे बड़ा आनंद आता था।

(क) जेल में कौन-कौन से कीट थे?

(*i*) छिपकलियाँ, साँप और बिच्छू ☐

(*ii*) चींटियाँ, मकोड़े और छिपकलियाँ ☐

(*iii*) मच्छर, चींटियाँ, बिच्छू ☐

(ख) छिपकलियाँ कब बाहर आती थीं?

(*i*) सुबह ☐ (*ii*) दोपहर ☐ (*iii*) शाम ☐

(ग) लेखक को क्या देखकर बड़ा आनंद आता था?

(*i*) चींटियों का चलना ☐ (*ii*) छिपकलियों का लड़ना ☐

(*iii*) छिपकलियों का पूँछ हिलाना ☐

(घ) गद्यांश में से कोई दो विशेषण शब्द ढूँढ़कर लिखिए।

....

(ङ) गद्यांश में से कोई दो शब्द युग्म ढूँढ़कर लिखिए।

....

लेख से आगे

- पक्षियों को घोंसले बनाना कौन सिखाता है? यदि पक्षी घोंसले न बना पाते तो क्या होता?

नन्हे हाथों से

- चित्र देखकर कुछ वाक्य लिखिए–

....

....

....

....

....

....

कुछ करने को

- तोतों तथा अन्य पक्षियों; जैसे–बया, कबूतर, चिड़िया आदि के घोंसलों के चित्र तथा भूमि पर गिरे हुए पंखों को उत्तर पुस्तिका में चिपकाकर एक परियोजना तैयार कीजिए।
- आपके घर के आसपास कौन–कौन से पक्षी पाए जाते हैं, सूची बनाइए।

आप क्या करेंगे

- **पक्षियों को स्वतंत्र रहना अच्छा लगता है। यदि आपके घर कोई पिंजरे में बंद पक्षी को लेकर आए तो–**

(क) उस पक्षी के दाना–पानी का ध्यान रखेंगे। ☐

(ख) पिंजरा लाने वाले को समझाएँगे कि पक्षियों को कैद नहीं करना चाहिए। ☐

(ग) पिंजरा खोलकर पक्षी को उड़ा देंगे। ☐

- **आपके घर के किसी कोने में यदि चिड़िया ने घोंसला बनाकर, उसमें अंडे दे दिए हों तो–**

(क) घोंसले को अंडे सहित बाहर फेंक देंगे। ☐

(ख) अंडों से बच्चे निकलने का इंतज़ार करेंगे और घोंसले को यथावत रहने देंगे। ☐

(ग) अंडों को सावधानीपूर्वक उठाकर छत पर रख देंगे ताकि चिड़िया उन्हें लेकर कहीं और चली जाए। ☐

क्या आप जानते हैं?

(क) ओणम त्योहार किस राज्य में मनाया जाता है?

(*i*) महाराष्ट्र ☐ (*ii*) पंजाब ☐

(*iii*) तमिलनाडु ☐ (*iv*) केरल ☐

(ख) पोंगल किस राज्य का प्रमुख त्योहार है?

(*i*) हरियाणा ☐ (*ii*) तमिलनाडु ☐

(*iii*) केरल ☐ (*iv*) पंजाब ☐

(ग) ईसाई धर्म का प्रमुख त्योहार कौन–सा है?

(*i*) क्रिसमस ☐ (*ii*) ईद ☐

(*iii*) पोंगल ☐ (*iv*) बैसाखी ☐

(घ) गांधी जयंती कब मनाई जाती है?

(*i*) 15 अगस्त ☐ (*ii*) 2 अक्टूबर ☐

(*iii*) 14 नवंबर ☐ (*iv*) 30 जनवरी ☐

(ङ) बीहू नृत्य किस प्रदेश से संबंधित है?

(*i*) आसाम ☐ (*ii*) केरल ☐

(*iii*) महाराष्ट्र ☐ (*iv*) तमिलनाडु ☐

(च) डोगरी भाषा किस राज्य में बोली जाती है?

(*i*) केरल ☐ (*ii*) तमिलनाडु ☐

(*iii*) आंध्र प्रदेश ☐ (*iv*) कश्मीर ☐

(छ) कन्नड़ किस राज्य की भाषा है?

(*i*) दिल्ली ☐ (*ii*) पंजाब ☐

(*iii*) कर्नाटक ☐ (*iv*) महाराष्ट्र ☐

(ज) पंजाब राज्य में मुख्यत: कौन–सी भाषा बोली जाती है?

(*i*) उर्दू ☐ (*ii*) पंजाबी ☐
(*iii*) तमिल ☐ (*iv*) कन्नड़ ☐

(झ) भारत की प्रथम महिला राजदूत कौन थी?

(*i*) सरोजिनी नायडू ☐ (*ii*) विजयलक्ष्मी पंडित ☐
(*iii*) कस्तूरबा गांधी ☐ (*iv*) सुचेता कृपलानी ☐

(ञ) माउंट एवरेस्ट पर चढ़ने वाली प्रथम भारतीय महिला कौन थीं?

(*i*) कमला नेहरू ☐ (*ii*) इंदिरा गांधी ☐
(*iii*) बछेंद्री पाल ☐ (*iv*) अनीतासूद ☐

(ट) भारत की प्रथम महिला मुख्यमंत्री कौन थीं?

(*i*) इंदिरा गांधी ☐ (*ii*) सुषमा स्वराज ☐
(*iii*) सुचेता कृपलानी ☐ (*iv*) शीला दीक्षित ☐

(ठ) ज्ञानपीठ पुरस्कार पानेवाली प्रथम भारतीय महिला कौन थीं?

(*i*) महादेवी वर्मा ☐ (*ii*) मदर टेरेसा ☐
(*iii*) इंदिरा गांधी ☐ (*iv*) लता मंगेशकर ☐

(ड) नोबेल पुरस्कार प्राप्त करने वाली प्रथम भारतीय महिला थीं?

(*i*) लता मंगेशकर ☐ (*ii*) मदर टेरेसा ☐
(*iii*) महादेवी वर्मा ☐ (*iv*) कल्पना चावला ☐

(ढ) इंग्लिश चैनल तैरकर पार करने वाली प्रथम भारतीय महिला थीं?

(*i*) पी.टी. ऊषा ☐ (*ii*) आरती शाह ☐
(*iii*) अनिता सूद ☐ (*iv*) कल्पना चावला ☐

5 चरवाहे का बचपन

जब कुछ होश सँभाला मैंने,
अपने को वन में पाया।
हरी भूमि पर कहीं धूप थी,
और कहीं गहरी छाया।

एक भैंस, दो गायें लेकर,
दिनभर उन्हें चराता था।
घर आकर नाश्ते में माँ से,
दूध पावभर पाता था।

देख किसी का ठाठ न हमको,
ईर्ष्या कभी सताती थी।
और न अपनी दीन दशा पर,
लज्जा ही कुछ आती थी।

मानो उन्हें वही थोड़ा है,
और हमें है बहुत यही।
जो कुछ जो लिखवा लाया है,
पाएगा वह सदा वही।

शिक्षण संकेत

- कविता के माध्यम से बच्चों में आत्मसंतुष्टि की भावना जगाएँ तथा ईर्ष्या की भावना को त्यागने के लिए प्रेरित करें।
- बच्चों से पूछें कि उनको क्या-क्या करना अच्छा लगता है?

मुझसे ही मेरे साथी थे,
सब मिलकर खेला करते।
कभी चौकड़ी भरते वन में,
कभी दंड पेला करते।

मन निर्मल था, तन पर–
जो कुछ आ पड़ता, झेला करते।
गुंजारित करते जंगल को,
दुःख दूर ठेला करते।

बंदर सम पेड़ों पर चढ़ते,
डालें कभी हिलाते थे।
पके–पके फल तोड़–तोड़कर,
खाते और खिलाते थे।

शब्द विशेषों से पशुओं को,
चलते समय बुलाते थे।
कान उठाकर घर चलने को,
वे भी दौड़े आते थे।

लौटा दो, लौटा दो, कोई
मेरा बीता समय वही।
मैं न मरूँ, पाऊँ यदि उसको,
है जीवन का यत्न यही।

शब्दार्थ

ठाठ	-	समृद्धि, वैभव	ईर्ष्या	-	जलन
दीन दशा	-	बुरी स्थिति	लज्जा	-	शरम
निर्मल	-	साफ़, स्वच्छ	गुंजारित	-	गूँज से भरा हुआ

संकलनात्मक एवं रचनात्मक मूल्यांकन

मौखिक

1. पढ़िए और बोलिए—

सँभाला ईर्ष्या नाश्ता चौकड़ी गुंजारित

2. सोचकर बताइए—

(क) चरवाहा दिनभर क्या करता था?

(ख) चरवाहे का बचपन कैसा था?

(ग) बंदरों की तरह पेड़ पर कौन चढ़ते थे?

लिखित

1. नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

(क) वन का वातावरण कैसा था?

....

....

(ख) दूसरों के ठाठ देखकर चरवाहे के मन में क्या-क्या भाव उठते थे?

....

....

(ग) चरवाहा व उसके साथी वन में क्या-क्या करते थे?

....

....

(घ) चरवाहा अपने जीवन के किस समय को दोबारा पाना चाहता है और क्यों?

....

....

2. नीचे दी गई पंक्तियों को पूरा कीजिए–

(क) जब कुछ ....,

.... पाया।

(ख) देख किसी ....,

.... सताती थी।

(ग) जो कुछ ....,

.... वही।

(घ) मैं न ....,

.... यही।

3. नीचे दिए प्रश्नों के उपयुक्त उत्तर पर (✓) का चिह्न लगाइए–

(क) कवि चरवाहे के जीवन के कौन-से समय की बात कर रहा है?

(*i*) बुढ़ापा ☐ (*ii*) जवानी ☐ (*iii*) बचपन ☐

(ख) चरवाहे के पास कितनी भैंसें थीं?

(*i*) दो ☐ (*ii*) एक ☐ (*iii*) तीन ☐

(ग) 'लज्जा' का क्या अर्थ है?

(*i*) लाल ☐ (*ii*) हँसी ☐ (*iii*) शरम ☐

(घ) चरवाहे का मन कैसा था?

(*i*) निर्मल ☐ (*ii*) सुंदर ☐ (*iii*) मलिन ☐

भाषा ज्ञान

1. **नीचे दिए वाक्यों में रंगीन शब्दों के लिए एक शब्द देकर वाक्य पुनः लिखिए–**

जैसे–आज मुझे वहाँ जाना है जहाँ हर विषय की पुस्तकें होती हैं।

आज मुझे पुस्तकालय जाना है।

(क) कृष्णा एक पशु चराने वाला है। ....

(ख) चरवाहे का बचपन याद रखने योग्य था। ....

(ग) गाँव का जीवन देखने योग्य होता है। ....

(घ) बच्चे मीठा बोलते हैं। ....

(ङ) मेरी नानी पुराने विचारों की हैं। ....

2. **नीचे दिए समानार्थक शब्दों का सही मिलान कीजिए–**

(क)	(ख)
भूमि	कानन
दूध	साथी
जंगल	गोरस
मित्र	जननी
माँ	धरा

3. **नीचे दिए वाक्यों में संख्यावाचक विशेषण शब्दों को लाल ◯ और परिमाणवाचक विशेषण शब्दों को हरा ◯ लगाइए–**

(क) चरवाहे के पास दो गायें थीं।

(ख) माँ नाश्ते में पावभर दूध पिलाती थीं।

(ग) मैं छह तारीख को गाँव जाऊँगी।

(घ) मुझे कमीज़ के लिए दो मीटर कपड़ा चाहिए।

(ङ) इस टावर की लंबाई सौ मीटर है।

जो विशेषण शब्द विशेष्य की संख्या बताए, उसे संख्यावाचक विशेषण और जो विशेष्य की मात्रा को इंगित करे, उसे परिणामवाचक विशेषण कहते हैं।

कविता से आगे

- मान लीजिए, आपके मित्र के पास अच्छे-अच्छे खिलौने और कपड़े हैं। इस विषय में आप अपने माता-पिता से जाकर क्या कहेंगे और क्यों?

नन्हे हाथों से

- **चित्र देखकर मुहावरे पूरे कीजिए–**

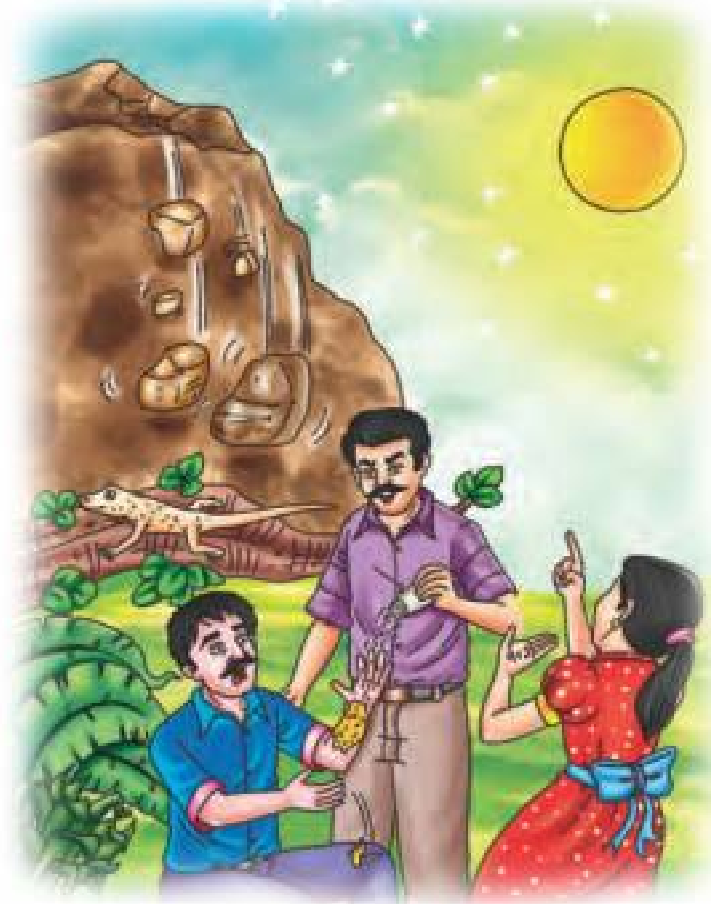

पहाड़ ....

जले पर ....

दिन में ....

नौ-दो ....

तारे ....

गिरगिट की ....

कुछ करने को

- कविता को कंठस्थ करके सस्वर समूह गान कीजिए।
- आप भी अपने बचपन को लेकर एक स्वरचित कविता अभ्यास-पुस्तिका में लिखिए।

आप क्या करेंगे

- **यदि आपका कोई रिश्तेदार उस समय आ जाए जब घर में कोई न हो तो–**

(क) उसे बाद में आने के लिए कहेंगे। ☐

(ख) उसे घर में बैठाकर बाहर खेलने चले जाएँगे। ☐

(ग) उसे पानी देकर तब तक उसके पास बैठे रहेंगे, जब तक माता जी न आ जाएँ। ☐

- **यदि आपकी माता जी बीमार पड़ जाएँ तो–**

(क) उनकी सेवा करेंगे और घर के कार्यों में हाथ बटाएँगे। ☐

(ख) उनकी बीमारी का लाभ उठाकर मनमानी करेंगे। ☐

(ग) गुमसुम होकर बैठे रहेंगे। ☐

6 बीरबल के उत्तर

अकबर के दरबार में नौ रत्न थे। उनमें बीरबल भी एक था। बादशाह अकबर बीरबल को बहुत पसंद करते थे। बीरबल की बुद्धि के आगे बड़े-बड़ों की भी नहीं चलती थी। इसी कारण कुछ दरबारी बीरबल से ईर्ष्या करते थे। वे सदैव बीरबल को फँसाने के तरीके सोचते रहते थे।

अकबर के एक खास दरबारी ख्वाजा सरा को अपनी बुद्धि पर बहुत अभिमान था। बीरबल को वे अपने सामने निरा मूर्ख समझते थे। लेकिन अपने ही मानने से तो कुछ नहीं होता क्योंकि दरबार में तो बीरबल की ही तूती बोलती थी और ख्वाजा साहब की बात ऐसी लगती थी; जैसे- नक्कारखाने में तूती की आवाज़। ख्वाजा साहब का बस चलता तो वे बीरबल को हिंदुस्तान से निकलवा देते लेकिन निकलवाते कैसे?

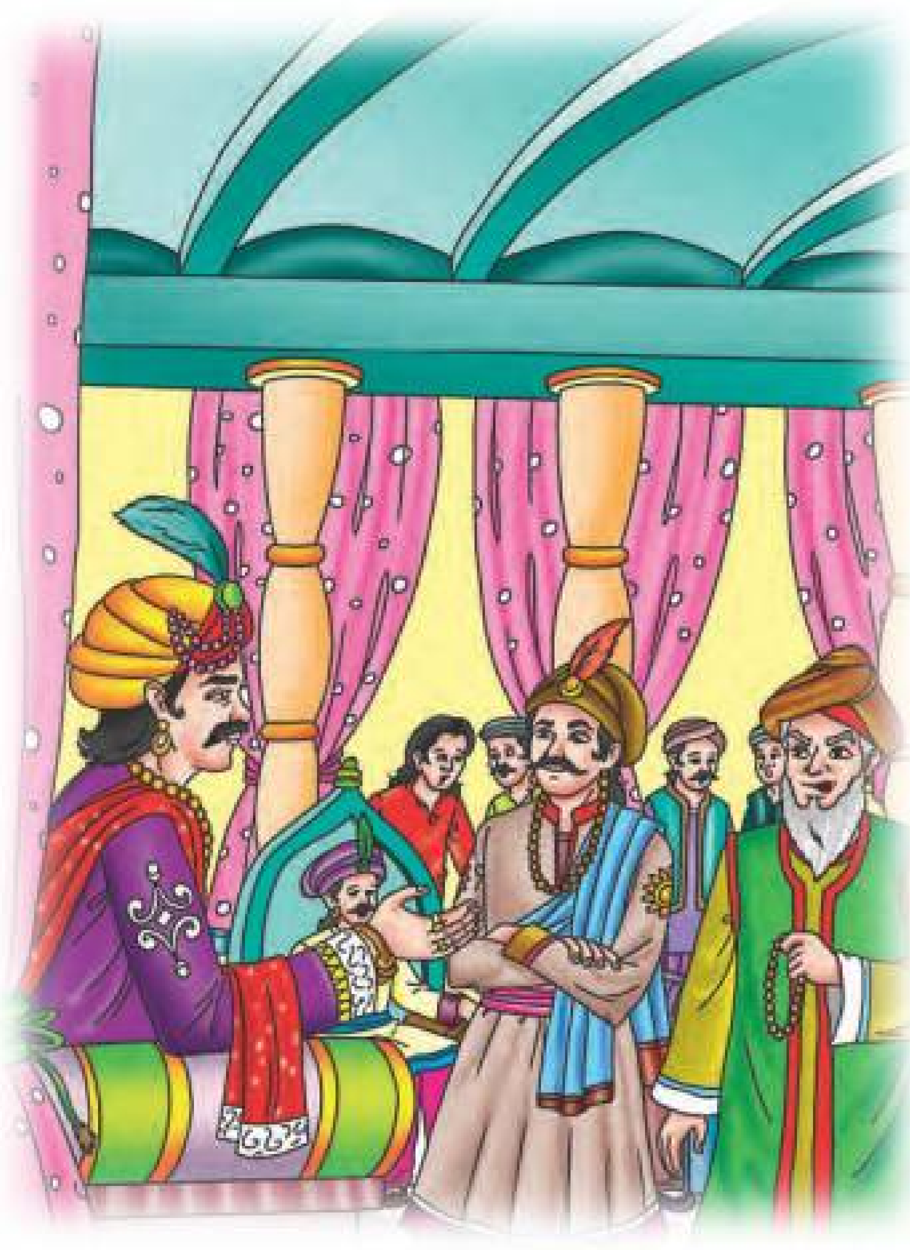

एक दिन ख्वाजा ने बीरबल को मूर्ख साबित करने के लिए कुछ कठिन प्रश्न सोचे। उन्हें विश्वास था कि इन प्रश्नों को सुनकर बीरबल के छक्के छूट जाएँगे और लाख कोशिश करके भी वह संतोषजनक उत्तर नहीं दे पाएगा। फिर बादशाह व दरबार के अन्य लोग मान लेंगे कि ख्वाजा सरा के आगे बीरबल कुछ भी नहीं है।

ख्वाजा साहब बन-ठनकर, मन-ही-मन हर्षित होते हुए अकबर के दरबार में पहुँचे

शिक्षण संकेत

- बीरबल की बुद्धिमत्ता व हाजिरजवाबी की जानकारी देते हुए बच्चों की बौद्धिक क्षमता का विकास करें।
- बच्चों को अकबर-बीरबल के कुछ अन्य किस्से सुनाएँ।

और सिर झुकाकर बोले, "महाराज! बीरबल स्वयं को बड़ा बुद्धिमान समझता है। आप भी उसकी लंबी-चौड़ी बातों के धोखे में आ जाते हैं। मैं चाहता हूँ कि वह मेरे तीन प्रश्नों के उत्तर दे। मेरे इन प्रश्नों से उस नकली अक्ल-बहादुर की कलई खुल जाएगी।"

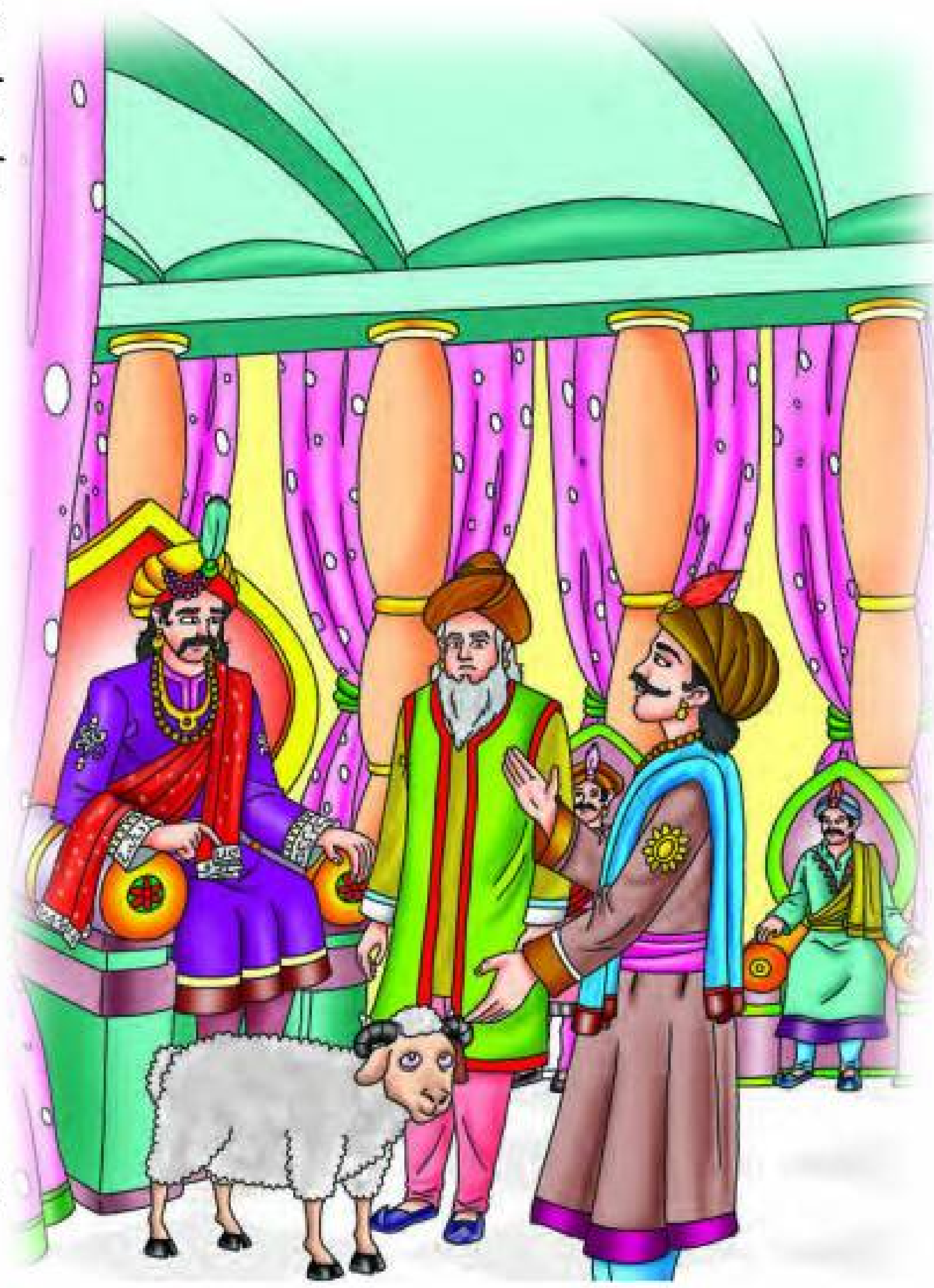

ख्वाजा के अनुरोध करने पर अकबर ने बीरबल को बुलाया और उससे कहा, "बीरबल! परम ज्ञानी ख्वाजा साहब तुमसे तीन प्रश्न पूछना चाहते हैं। क्या तुम उनके उत्तर दोगे?" बीरबल बोले, "जहाँपनाह! ज़रूर दूँगा। खुशी से पूछें।"

ख्वाजा ने बीरबल से पहला प्रश्न पूछा, "संसार का केंद्र कहाँ है?"

बीरबल ने तुरंत ज़मीन पर अपनी छड़ी गाड़कर उत्तर दिया, "यही स्थान चारों ओर से दुनिया के बीचों-बीच पड़ता है। यदि ख्वाजा साहब को विश्वास न हो तो वे फ़ीते से सारी दुनिया को नापकर दिखा दें कि मेरी बात गलत है।" ख्वाजा बीरबल का मुँह ताकते रह गए। ख्वाजा ने सँभलते हुए दूसरा प्रश्न किया, "आकाश में कितने तारे हैं?"

बीरबल ने एक भेड़ मँगवाकर कहा, "इस भेड़ के शरीर पर जितने बाल हैं, उतने ही आसमान में तारे हैं। यदि ख्वाजा साहब को इसमें संदेह हो तो वे बालों को गिनकर तारों की संख्या से तुलना करवा लें।"

बुझे मन से ख्वाजा ने तीसरा सवाल किया, "हमारे राज्य में कितने कौए हैं?"

बीरबल ने झट से कहा, "नौ सौ पचास।"

ख्वाजा चिढ़कर बोले, "कम हुए तो?"

बीरबल ने कहा, "यदि कम हुए तो समझ लेना कि हमारे राज्य के कुछ कौए पड़ोस के राज्य के भोज में गए हैं।"

अकबर ने बीच में चुटकी लेते हुए कहा, "यदि अधिक हुए तो?"

बीरबल ने हँसते हुए कहा, "तो समझ लेना कि पड़ोसी राज्य के कौए हमारे यहाँ भोज में आए हैं।" यह सुनते ही दरबार हँसी के ठहाकों से गूँज उठा और ख्वाजा अपना-सा मुँह लेकर रह गए।

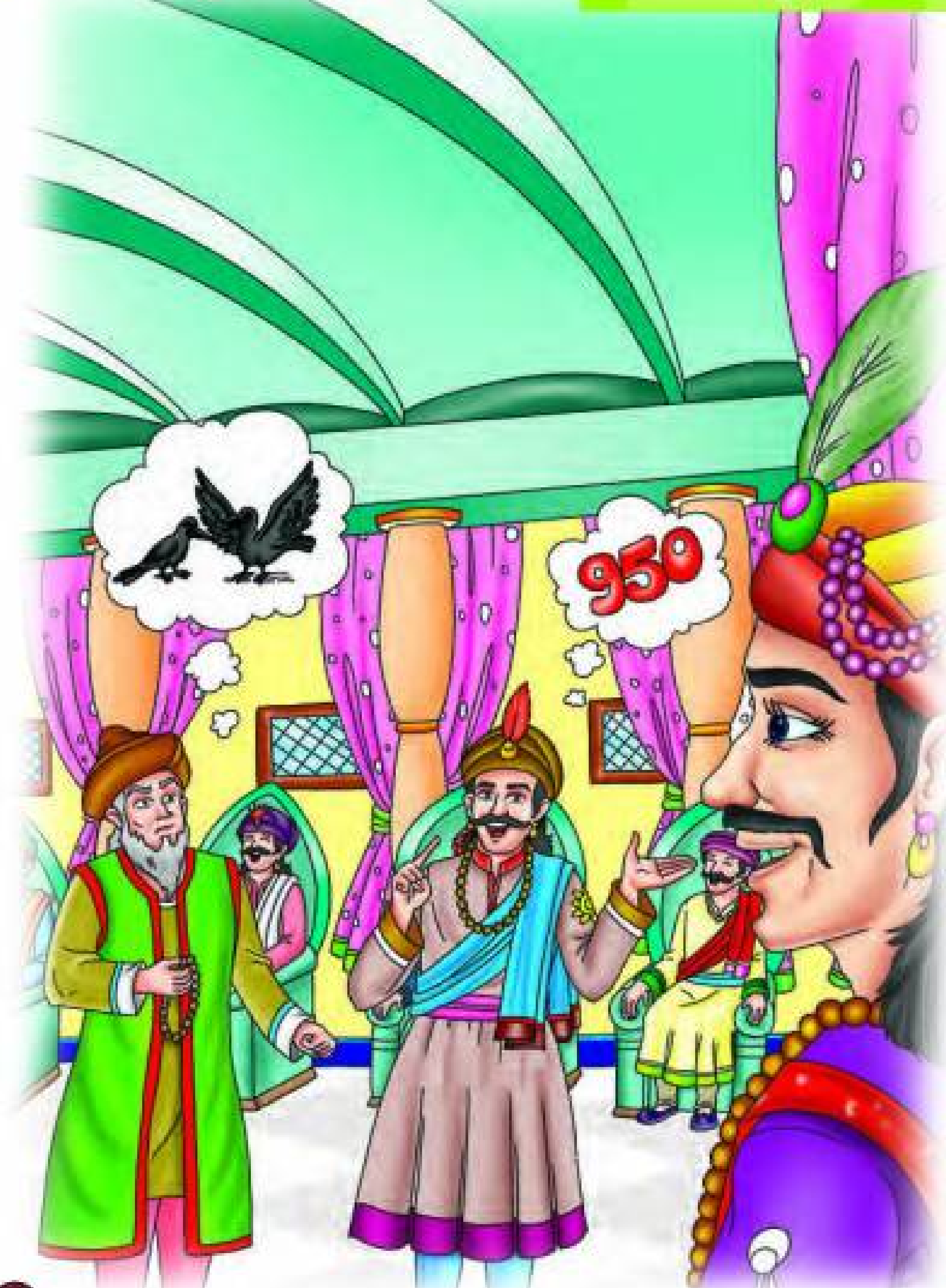

शब्दार्थ

अभिमान	–	घमंड	निरा	–	बिलकुल
छक्के छूटना	–	हिम्मत पस्त होना	कलई खुलना	–	भेद खुलना
अनुरोध	–	विनय	केंद्र	–	मध्य बिंदु
फ़ीता	–	इंच, सेंटीमीटर आदि के चिह्न बने हुए कपड़े आदि की पट्टी			
संदेह	–	शक			

अपना-सा मुँह लेकर रह जाना – लज्जित होना

इन्हें ऐसे भी लिख सकते हैं–

बुद्धि – बुद्‌धि   उत्तर – उत्तर   केन्द्र – केंद्र   तुरन्त – तुरंत

संकलनात्मक एवं रचनात्मक मूल्यांकन

मौखिक

1. पढ़िए और बोलिए–

रत्न बुद्धि हिंदुस्तान नक्कारखाना ख्वाजा

2. सोचकर बताइए–

(क) दरबारी बीरबल से ईर्ष्या क्यों करते थे?

(ख) ख्वाजा सरा ने बीरबल से कितने प्रश्न पूछे?

(ग) क्या कौए सचमुच दावत में गए थे?

लिखित

1. नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(क) ख्वाजा सरा कौन थे? वे क्या चाहते थे?

....

....

(ख) ख्वाजा सरा ने बीरबल को मूर्ख साबित करने के लिए क्या उपाय सोचा?

....

....

(ग) बीरबल से कौन-से तीन प्रश्न पूछे गए?

....

....

(घ) बीरबल ने ख्वाजा सरा के दूसरे प्रश्न का क्या उत्तर दिया?

....

....

(ङ) ख्वाजा सरा के तीनों प्रश्नों का क्या कोई और उत्तर हो सकता है? अपने मन से सोचकर लिखिए।

....

....

2. नीचे दिए वाक्यों के सामने सही (✓) अथवा गलत (✗) का चिह्न लगाइए–

(क) ख्वाजा सरा को अपनी बुद्धि पर बहुत अभिमान था। ☐

(ख) दरबार में ख्वाजा साहब की तूती बोलती थी। ☐

(ग) आसमान में इतने तारे हैं जितने भेड़ के शरीर पर बाल हैं। ☐

(घ) बादशाह अकबर, बीरबल को बहुत पसंद करते थे। ☐

3. किसने, किससे कहा–

	किसने कहा	किससे कहा
(क) "बीरबल स्वयं को बड़ा बुद्धिमान समझता है।"	....	....
(ख) "बीरबल! परम ज्ञानी ख्वाजा साहब तुमसे तीन प्रश्न पूछना चाहते हैं।"	....	....
(ग) "जहाँपनाह! ज़रूर दूँगा। खुशी से पूछें।"	....	....

4. नीचे दिए प्रश्नों के उपयुक्त उत्तर पर (✓) का चिह्न लगाइए–

(क) बादशाह अकबर किसको बहुत पसंद करते थे?

(*i*) ख्वाजा सराको ☐ (*ii*) बीरबल को ☐ (*iii*) तेनालीराम को ☐

(ख) अपनी बुद्धि पर किसको अभिमान था?

(*i*) बीरबल को ☐ (*ii*) ख्वाजा को ☐ (*iii*) अकबर को ☐

(ग) बीरबल ने तारों की तुलना किससे की?

(*i*) भालू के बालों से ☐ (*ii*) भेड़ के बालों से ☐

(*iii*) लोमड़ी के बालों से ☐

(घ) बीरबल के अनुसार राज्य में कितने कौए थे?

(*i*) एक हज़ार ☐ (*ii*) सात सौ तीस ☐ (*iii*) नौ सौ पचास ☐

भाषा ज्ञान

(क) ख्वाजा सरा का **बस** चलता तो वे बीरबल को हिंदुस्तान से निकलवा देते।

(ख) **बस!** अब रुक जाओ।

ऊपर लिखे वाक्यों में **बस** शब्द के अलग-अलग अर्थ हैं।

ऐसे शब्द जिनके एक से अधिक अर्थ होते हैं, **अनेकार्थी** शब्द कहलाते हैं।

1. नीचे दिए शब्दों के दो-दो वाक्य बनाइए जो अलग-अलग अर्थ दें–

(क) उत्तर – ....

....

(ख) लाल – ....

....

(ग) काल – ....

....

2. नीचे दिए रिक्त स्थानों को अनेकार्थी शब्दों से पूरा कीजिए–

(क) आम मीठा और रसीला .... है।

अच्छे कार्यों का .... भी अच्छा ही होता है।

(ख) मेरे पेट में .... हो रही है।

राधा जीत गई तो सीता को उससे .... हो रही थी।

कथा से आगे

- क्या ख्वाजा सरा भेड़ के बाल गिन सकते थे? सोचकर उत्तर दीजिए।
- ख्वाजा सरा का बस चलता तो वे बीरबल को हिंदुस्तान से निकलवा देते। अगर आपका बस चले तो आप अपनी कौन-कौन सी इच्छाएँ पूरी करना चाहेंगे?

नन्हे हाथों से

• चित्र देखकर बीरबल का प्रसिद्ध किस्सा लिखिए-

....
....
....
....
....
....
....
....

कुछ करने को

• अध्यापक/अध्यापिका की सहायता से कक्षा को दो समूहों में विभाजित करें। कुछ मुहावरों की पर्चियाँ बनाकर एक टोकरी में रखें। एक समूह के छात्र मुहावरे का मौन-पाठन तथा अभिनय करके अन्य छात्रों को दिखाएँ। दूसरे समूह के छात्र समझकर उस मुहावरे को बताएँ। सही उत्तर देने पर समूह को अंक दिया जाए। इसी प्रकार से खेल को आगे बढ़ाएँ।

आप क्या करेंगे

• यदि आपका साथी किसी से आपकी चुगली कर दे तो–
(क) उससे झगड़ा करेंगे। ☐
(ख) उससे बातचीत करना बंद कर देंगे। ☐
(ग) उसे समझाएँगे कि ऐसा करना अच्छी बात नहीं है। ☐

• यदि कोई आपका मज़ाक उड़ाए तो–
(क) उसके मज़ाक का जवाब मज़ाक से ही देंगे। ☐
(ख) अध्यापक से उसकी शिकायत करेंगे। ☐
(ग) उससे झगड़ा करेंगे। ☐

7 वायुमंडल

वायुमंडल ने पृथ्वी को इस प्रकार घेर रखा है, जिस प्रकार किसी वस्तु की रक्षा के लिए उसे किसी वस्तु से घेर या लपेट दिया जाए, जिससे कि उसे कोई हानि न पहुँचे। वायुमंडल एक प्रकार से पृथ्वी का सुरक्षा-कवच भी है। इससे सूर्य की तेज़ रोशनी और गरमी से पृथ्वीवासियों की रक्षा होती है। वायुमंडल में ओज़ोन नामक परत सूर्य की हानिकारक किरणों और उनके प्रभाव से हमारी रक्षा करती है। यदि वायुमंडल में यह परत न होती तो पृथ्वी पर जीवन समाप्त हो गया होता। वायुमंडल वायु की वह मोटी पट्टी है, जिसमें हम लिपटे हुए हैं।

प्रत्येक जीवधारी पर वायु का दबाव पड़ता है जिससे उसका संतुलन बना रहता है। जब वायुमंडल के दबाव या घेरे से हम बाहर जाते हैं तो हमारा संतुलन बिगड़ जाता है। उस समय वहाँ न तो पृथ्वी का गुरुत्वाकर्षण बल होता है और न ही वायुमंडल का दबाव, जिससे कि हम एक जगह पर टिके रह सकें। वायु के इसी दबाव को 'वायुमंडलीय दाब' कहते हैं।

वायुमंडल अनेक प्रकार की गैसों और पानी की वाष्प से मिलकर बना है। पृथ्वी से लगभग 50 कि०मी० ऊँचाई तक वातावरण में 78 प्रतिशत नाइट्रोजन और 21 प्रतिशत ऑक्सीजन है। इनके साथ ही आर्गन, कार्बन डाइऑक्साइड, नियोन, हीलियम, मीथेन आदि गैसों की थोड़ी-थोड़ी मात्रा भी मिली हुई है।

शिक्षण संकेत

- वायुमंडल से संबंधित जानकारी देते हुए बच्चों से पाठ का वाचन करवाएँ।
- वायुमंडल को प्रभावित करने वाले कारकों के बारे में बताएँ।
- वायुमंडल को कैसे सुरक्षित रखा जा सकता है? इसकी भी जानकारी दें।

पृथ्वी के वातावरण में पानी के कण मिले रहते हैं। इनकी अधिकतम मात्रा एक प्रतिशत तक होती है। भले ही यह मात्रा बहुत कम है परंतु वातावरण में पानी के कणों का होना बहुत महत्त्वपूर्ण है क्योंकि इनके बिना पृथ्वी पर पानी की कल्पना भी नहीं की जा सकती।

वायु में पानी के बहुत ही सूक्ष्म कण होते हैं। इन्हीं से बादल बनते हैं। ये कण इतने हलके होते हैं कि पृथ्वी पर स्वयं नहीं गिर सकते। पानी के कण वायुमंडल या हवा के रथ पर सवार होकर ही वर्षा के रूप में पृथ्वी पर बरसते हैं। धूल के कण इनके भार को बढ़ा देते हैं।

आकाश में चमकती बिजली पृथ्वी से तरंगित होती है और वायु के संयोग से चमकती है, अर्थात वायु से ही चमक पैदा होती है। इसी बिजली से वातावरण गरम होता है और थोड़ी देर बाद ठंडा होने पर उनके आपस में टकराने से आकाश में गड़गड़ाहट सुनाई देती है। यह वायु के गरम होकर फैलने और ठंडा होकर सिकुड़ने से उत्पन्न आवाज़ है।

वस्तुतः वायुमंडल तीन स्तरों में बँटा हुआ है। पृथ्वी के निकट की गरम वायुपट्टी को क्षोभमंडल कहते हैं। वायुमंडल की इस पट्टी के कारण ही मौसम बनते और बिगड़ते हैं। यह पट्टी जहाँ समाप्त होती है, उसे क्षोभसीमा कहते हैं। इसके ऊपर दो और पट्टियाँ हैं–

समतापमंडल और आयनमंडल। समतापमंडल के कारण ही आकाश का रंग गहरा नीला दिखाई देता है।

वायु के दबाव के कारण ही हम लोग पृथ्वी पर रह पाते हैं। परंतु ज्यों-ज्यों ऊपर जाते हैं, वायु का दबाव कम होता जाता है, क्योंकि जितना ऊपर जाते हैं, वायु उतनी ही हलकी होती जाती है; जैसे– चंद्रमा पर आदमी पृथ्वी की अपेक्षा कई गुना अधिक लंबे डग भर सकते हैं। ऐसा वायु के दबाव की कमी के कारण होता है।

वायु के दबाव के साथ-साथ इस बात पर भी ध्यान देना आवश्यक है कि पृथ्वी पर वायु सर्वत्र फैली हुई है, यहाँ तक कि हमारे शरीर में भी। यदि हमारे शरीर में वायु न होती और उसके दबाव से शरीर में रक्त घूम नहीं रहा होता तो संभवतः हम बाहर की वायु के दबाव को सहन न कर पाते और हमारा शरीर बाहर की वायु के दबाव से चूर-चूर हो जाता, परंतु शरीर के अंदर की वायु और उसके दबाव से प्रवाहित रक्त के कारण दबाव में संतुलन पैदा हो जाता है और हम बाहर के वायुमंडल के दबाव को सह पाते हैं।

सौरमंडल के पृथ्वी सहित आठ ग्रहों की जानकारी प्रायः सभी को है लेकिन पृथ्वी जैसा वायुमंडल अन्य किसी ग्रह पर नहीं है। इसलिए पृथ्वी की सबसे बड़ी विशेषता यहाँ का वायुमंडल ही है जिसके बिना जीवधारी जीवित नहीं रह सकते।

शब्दार्थ

हानिकारक	–	नुकसानदायक	जीवधारी	–	जिसमें जीवन हो
गुरुत्वाकर्षण	–	पिंडों की एक-दूसरे को आकृष्ट करने की शक्ति			
अधिकतम	–	सबसे अधिक	सूक्ष्म	–	बहुत छोटा
तरंगित	–	लहराता हुआ	संयोग	–	योग, जोड़
गड़गड़ाहट	–	बादलों की आवाज़	डग	–	कदम
सर्वत्र	–	सब जगह	प्रवाहित	–	बहाव, बहना

इन्हें ऐसे भी लिख सकते हैं–

मंडल – मण्डल   ठंडा – ठण्डा   संभवतः – सम्भवतः   संतुलन – सन्तुलन

संकलनात्मक एवं रचनात्मक मूल्यांकन

मौखिक

1. पढ़िए और बोलिए–

वायुमंडल ऑक्सीजन तरंगित प्रवाहित सौरमंडल

2. सोचकर बताइए–

(क) वायुमंडल किससे मिलकर बना है?

(ख) यदि हमारे शरीर में वायु न होती तो क्या होता?

(ग) पृथ्वी को सबसे अलग ग्रह क्यों माना गया है?

लिखित

1. नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(क) ओज़ोन परत का क्या महत्त्व है?

....

....

(ख) वायुमंडल में किन-किन गैसों का मिश्रण है?

....

....

(ग) वायुमंडल कौन-कौन से स्तरों में बँटा हुआ है?

....

....

(घ) चंद्रमा पर आदमी अधिक लंबे डग क्यों भर पाता है?

....

....

(ङ) हमारे शरीर में वायु क्या कार्य करती है?

....

....

2. नीचे दिए प्रश्नों के उपयुक्त उत्तर पर (✓) का चिह्न लगाइए–

(क) वायुमंडल में सबसे अधिक मात्रा में कौन-सी गैस पाई जाती है?

(*i*) मीथेन ☐ (*ii*) ऑक्सीजन ☐ (*iii*) नाइट्रोजन ☐

(ख) वायु के गरम होकर फैलने और ठंडा होकर सिकुड़ने की आवाज़ को क्या कहते हैं?

(*i*) सरसराहट ☐ (*ii*) घड़घड़ाहट ☐ (*iii*) गड़गड़ाहट ☐

(ग) किसके कारण आकाश का रंग गहरा नीला दिखाई देता है?

(*i*) क्षोभमंडल के कारण ☐ (*ii*) समतापमंडल के कारण ☐

(*iii*) आयनमंडल के कारण ☐

(घ) प्रत्येक जीवधारी पर किसका दबाव पड़ता है?

(*i*) वायुमंडल का ☐ (*ii*) पृथ्वी का ☐ (*iii*) सूरज का ☐

3. नीचे दिए शब्दों की सहायता से वाक्य पूरे कीजिए–

सुरक्षा-कवच, वायुमंडल, जीवधारी, गैसों, पानी, तरंगित

(क) .... ने पृथ्वी को घेरा हुआ है।

(ख) वायुमंडल एक प्रकार से पृथ्वी का .... है।

(ग) वायुमंडल अनेक ....और ....की वाष्प से बना है।

(घ) प्रत्येक .... पर वायुमंडल का दबाव पड़ता है।

(ङ) आकाश में चमकती बिजली पृथ्वी से .... होती है।

4. उचित मिलान कीजिए–

(क) क्षोभमंडल	के कारण ही आकाश का रंग गहरा नीला दिखाई देता है।
(ख) समतापमंडल	वायु का दबाव।
(ग) वायुमंडल	क्षोभमंडल की पट्टी जहाँ समाप्त होती है।
(घ) क्षोभसीमा	पृथ्वी के निकट की गरम वायुपट्टी।

भाषा ज्ञान

1. नीचे दिए शब्दों में 'इत' प्रत्यय लगाकर नए शब्द बनाइए–

सुरक्षा + इत – **सुरक्षित**	प्रवाह + इत – ....
प्रभाव + इत –	जीव + इत – ....
अपेक्षा + इत –	तरंग + इत – ....

2. नीचे दिए शब्दों में रंगीन वर्ण की जगह अनुस्वार लगाकर लिखिए–

वायुमण्डल – वायुमंडल	ठण्डा – ....
सम्भावना –	सुन्दर – ....
दिसम्बर –	इन्च – ....

3. नीचे दिए शब्दों से भाववाचक संज्ञा बनाइए–

आलसी – आलस्य	राष्ट्र – ....
भयानक –	मज़दूर – ....
लड़का –	दोस्त – ....

निबंध से आगे

- यदि ओज़ोन परत न होती तो क्या होता?
- ओज़ोन परत की सुरक्षा के लिए हमें क्या करना चाहिए?

नन्हे हाथों से

- **चित्र देखकर कुछ वाक्य लिखिए–**

....

....

....

....

कुछ करने को

- अपनी उत्तर पुस्तिका में वायुमंडल से संबंधित चित्र बनाइए तथा वायुमंडल में उपस्थित विभिन्न गैसों के नाम भी लिखिए।

आप क्या करेंगे

- **पृथ्वी का वायुमंडल विषैली गैसों से प्रभावित हो रहा है। इसे सुरक्षित रखने के लिए–**

(क) पर्यावरण सुरक्षा पर भाषण देंगे। ☐

(ख) प्रधानमंत्री को पत्र लिखेंगे। ☐

(ग) बच्चों के साथ मिलकर पेड़-पौधे लगाएँगे। ☐

- **यदि आपके घर के पास कहीं पानी एकत्र हो जाए और उसमें मच्छर, मक्खी आदि उत्पन्न हो रहे हों तो–**

(क) उस पानी में मिट्टी का तेल या अन्य कीटनाशक डाल देंगे। ☐

(ख) सफ़ाई कर्मचारी द्वारा साफ़ करने की प्रतीक्षा करेंगे। ☐

(ग) देखकर भी अनदेखा कर देंगे। ☐

8 स्वतंत्रता दिवस

भारत के वीर सपूतों के प्रयत्न से भारत माँ की परतंत्रता के बंधन टूटे। लगभग दो सौ वर्षों की गुलामी के पश्चात 15 अगस्त, सन 1947 को हमारा देश स्वतंत्र हुआ। तब से ही प्रतिवर्ष 15 अगस्त 'स्वतंत्रता दिवस' के रूप में मनाया जाने लगा। यह हमारा राष्ट्रीय पर्व है।

व्यापार करने की अनुमति लेकर आए अंग्रेज़ों ने चालाकी से भारतवासियों में फूट डालकर देश को गुलाम बना लिया। गुलामी से छुटकारा पाने के लिए भारतवासियों ने सन 1857 में पहली बार अंग्रेज़ों से लड़ाई लड़ी पर सफलता नहीं मिल सकी। अंग्रेज़ पहले से ज़्यादा अत्याचार करने लगे। यह देखकर अनेक देशप्रेमी आगे आए। अनेक लोगों के त्याग और बलिदान से लड़ी गई लंबी लड़ाई के बाद ही देश स्वतंत्र हुआ।

स्वतंत्रता दिवस समारोह का मुख्य आयोजन प्रतिवर्ष दिल्ली के लाल किले पर किया जाता है। 15 अगस्त के दिन प्रधानमंत्री लाल किले की प्राचीर पर तिरंगा फहराते हैं। तिरंगे को इक्कीस तोपों की सलामी दी जाती है। सभी सुरक्षाबल भी तिरंगे को सलामी देते हैं। इसके पश्चात प्रधानमंत्री लाल किले की प्राचीर से भाषण देते हैं। देश के सभी कार्यालयों एवं संस्थानों में अवकाश रहता है और पूरे देश में तिरंगे झंडे फहराए जाते हैं। स्वतंत्रता दिवस पर हम उन शहीदों को याद करते हैं, जिन्होंने देश की आज़ादी के लिए हँसते-हँसते अपने प्राण न्योछावर कर दिए।

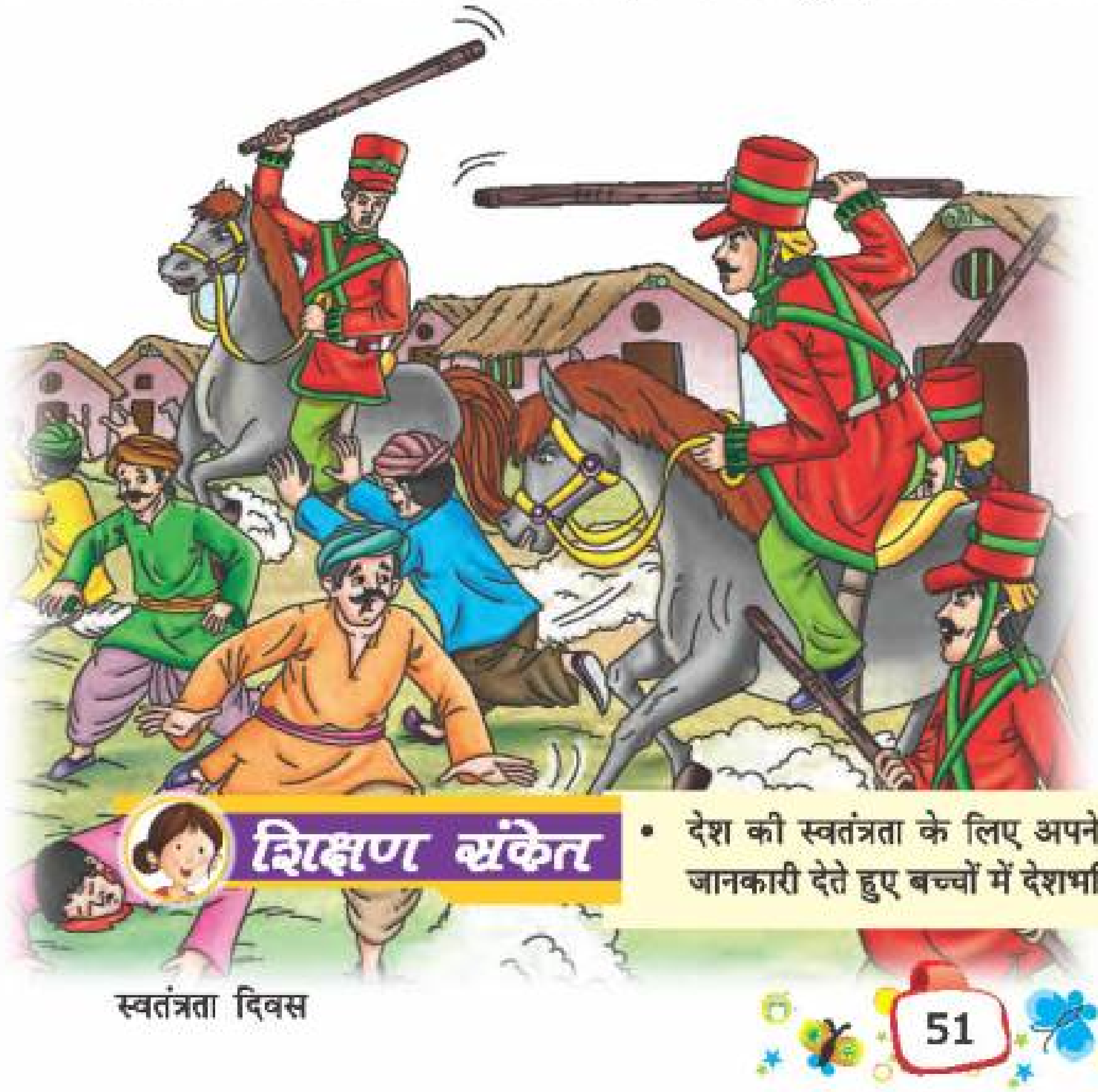

शिक्षण संकेत

- देश की स्वतंत्रता के लिए अपने प्राणों की बलि देने वाले क्रांतिकारियों के बारे में जानकारी देते हुए बच्चों में देशभक्ति की भावना जागृत करें।

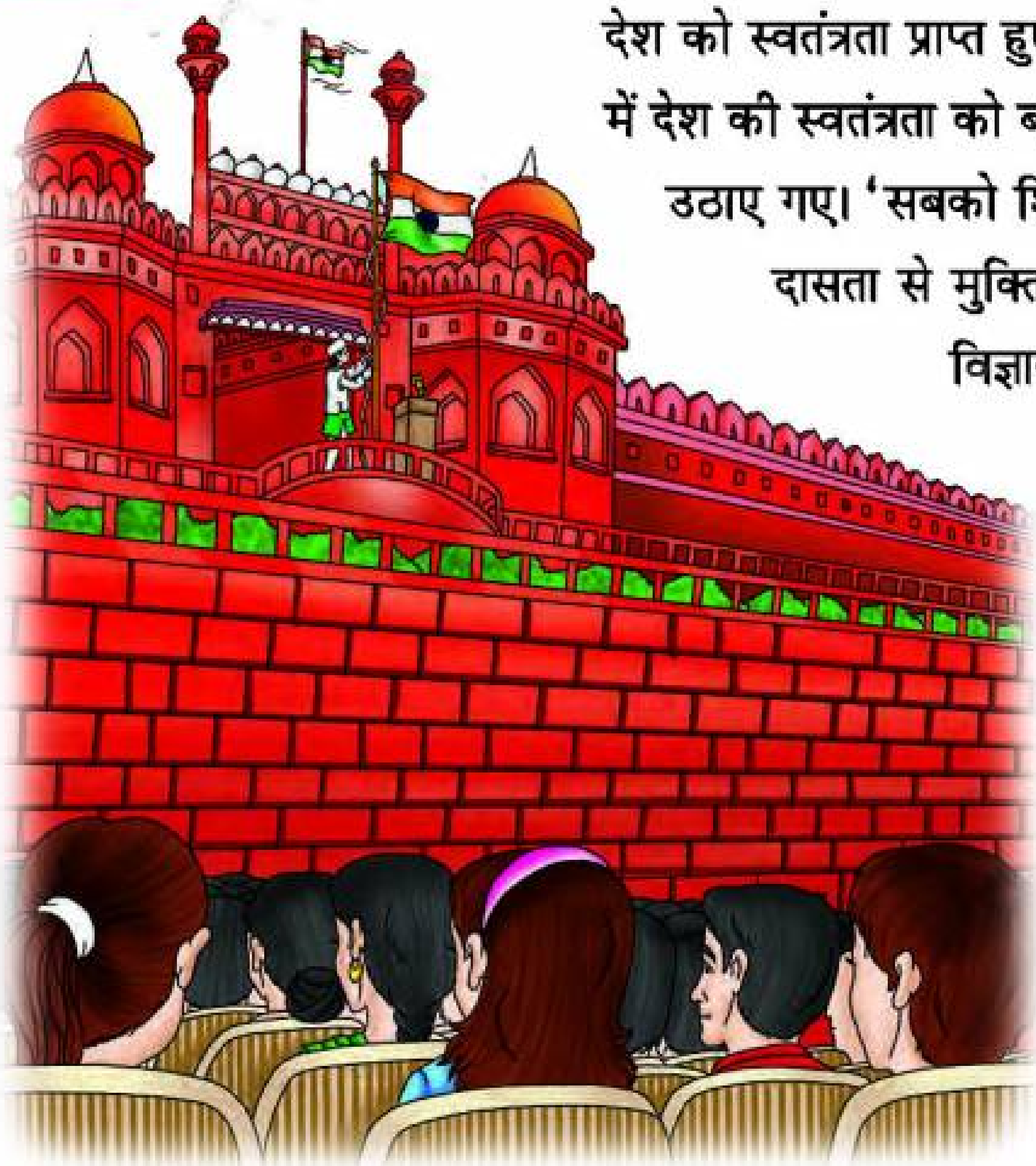

देश को स्वतंत्रता प्राप्त हुए पैंसठ से अधिक वर्ष हो गए हैं। इन वर्षों में देश की स्वतंत्रता को बनाए रखने के लिए अनेक सराहनीय कदम उठाए गए। 'सबको शिक्षा' जैसे कार्यक्रम चलाकर अज्ञानता की दासता से मुक्ति पाने का निरंतर प्रयास किया जा रहा है। विज्ञान, खेती, स्वास्थ्य और उद्‌योग, सभी क्षेत्रों में भारत ने उन्नति की है। हमें भारत की आज़ादी को बनाए रखने एवं देश के विकास के लिए निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर रहना होगा।

असंख्य लोगों के त्याग और बलिदान से देश को स्वतंत्रता मिली है। इसकी रक्षा करना सभी का कर्तव्य है। यह कर्तव्य शांति, प्रेम, भाईचारे और एकता से ही पूरा किया जा सकता है।

शब्दार्थ

प्रयत्न	–	कोशिश	परतंत्रता	–	गुलामी
स्वतंत्र	–	आज़ाद	प्रतिवर्ष	–	हर साल
पर्व	–	त्योहार	अवकाश	–	छुट्‌टी
न्योछावर	–	बलि, कुर्बान	सराहनीय	–	प्रशंसनीय
निरंतर	–	लगातार	अग्रसर होना	–	आगे बढ़ना

इन्हें ऐसे भी लिख सकते हैं–

स्वतंत्र – स्वतन्त्र   उद्‌योग – उद्योग   कर्तव्य – कर्त्तव्य

संकलनात्मक एवं रचनात्मक मूल्यांकन

मौखिक

1. पढ़िए और बोलिए–

स्वतंत्रता अत्याचार प्रधानमंत्री अज्ञानता प्रगति

2. सोचकर बताइए–

(क) भारत कितने वर्षों तक अंग्रेज़ों के अधीन रहा?

(ख) स्वतंत्रता दिवस पर शहीदों को क्यों याद किया जाता है?

(ग) अज्ञानता से मुक्ति कैसे प्राप्त की जा सकती है?

लिखित

1. नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(क) स्वतंत्रता दिवस कब और क्यों मनाया जाता है?

....

....

(ख) अंग्रेज़ों ने भारत को गुलाम कैसे बनाया?

....

....

(ग) प्रतिवर्ष स्वतंत्रता दिवस का मुख्य आयोजन कहाँ और कैसे होता है?

....

....

(घ) स्वतंत्रता के पश्चात भारत ने किन-किन क्षेत्रों में सराहनीय कार्य किया?

....

....

(ङ) देश की स्वतंत्रता को कैसे बनाए रखा जा सकता है?

....

....

2. नीचे दिए प्रश्नों के उपयुक्त उत्तर पर (✓) का चिह्न लगाइए–

(क) 15 अगस्त को हम कौन–से पर्व के रूप में मनाते हैं?

(*i*) हिंदू पर्व ☐ (*ii*) राष्ट्रीय पर्व ☐ (*iii*) जैन पर्व ☐

(ख) आज़ादी की पहली लड़ाई कब लड़ी गई?

(*i*) 1850 में ☐ (*ii*) 1757 में ☐ (*iii*) 1857 में ☐

(ग) स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर तिरंगे को कितनी तोपों की सलामी दी जाती है?

(*i*) 21 तोपों की ☐ (*ii*) 18 तोपों की ☐

(*iii*) 20 तोपों की ☐

(घ) स्वतंत्रता दिवस पर हम किसको याद करते हैं?

(*i*) नेताओं को ☐ (*ii*) शहीदों को ☐ (*iii*) पुरखों को ☐

3. उचित शब्दों की सहायता से रिक्त स्थान भरिए–

शहीदों, राष्ट्रीय, त्याग, कार्यालयों, तिरंगा

(क) स्वतंत्रता दिवस हमारा .... पर्व है।

(ख) अनेक लोगों के .... और बलिदान से लड़ी गई लंबी लड़ाई के बाद ही देश स्वतंत्र हुआ।

(ग) प्रधानमंत्री लाल किले की प्राचीर पर .... फहराते हैं।

(घ) देशभर के सभी .... एवं संस्थानों में अवकाश रहता है।

(ङ) स्वतंत्रता दिवस पर हम .... को याद करते हैं।

4. नीचे दिए वाक्यों के सामने सही (✓) अथवा गलत (✗) का चिह्न लगाइए–

(क) अंग्रेज़ भारत में व्यापार करने आए थे। ☐

(ख) 1904 में स्वतंत्रता की पहली लड़ाई लड़ी गई। ☐

(ग) स्वतंत्रता दिवस समारोह दिल्ली के लाल किले पर होता है। ☐

(घ) देश को स्वतंत्रता प्राप्त हुए पैंसठ से अधिक वर्ष हो गए हैं। ☐

भाषा ज्ञान

1. नीचे दिए शब्दों के सही विलोम शब्दों पर गोला लगाइए–

सपूत	–	पुत्र	कपूत	कुपुत्र
स्वतंत्र	–	परतंत्र	आज़ाद	गुलाम
अज्ञान	–	मूर्ख	विद्वान	ज्ञान
उन्नति	–	विकास	अवनति	प्रगति
एकता	–	अनेकता	एकत्र	समूह
शांति	–	संतुष्टि	अशांति	असंतोष
सराहनीय	–	आशाजनक	प्रशंसनीय	निंदनीय

2. 'त्र' एक संयुक्त व्यंजन है, जो दो व्यंजनों से मिलकर बना है–त् + र = त्र। सोचकर ऐसे पाँच शब्द लिखिए जिनमें त्र सयुंक्त व्यंजन का प्रयोग हुआ हो–

त्र – स्वतंत्र ....

....

> शब्दों के सार्थक समूह को वाक्य कहते हैं। वाक्यों को प्रश्नवाचक बनाने के लिए हम कौन, क्या, कहाँ, किधर, कितना, क्यों आदि प्रश्नवाचक शब्दों का प्रयोग करते हैं।

3. नीचे दिए वाक्यों में प्रश्नवाचक शब्द भरिए–

(क) .... वह आज दिनभर पढ़ता रहा?

(ख) वे आज .... जाएँगे?

(ग) वहाँ .... आया है?

(घ) आपको .... सामान चाहिए?

4. नीचे दिए शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

वीर – ....

बलिदान – ....

तिरंगा – ....

शिक्षा – ....

प्रगति – ....

निबंध से आगे

- देश को स्वतंत्र कराने के लिए कौन-कौन से आंदोलन चलाए गए?

नन्हे हाथों से

- **चित्र देखकर कविता की कुछ पंक्तियाँ लिखिए–**

....

....

....

....

....

....

....

....

कुछ करने को

- 'स्वतंत्रता दिवस' के अतिरिक्त 'गणतंत्र दिवस' तथा 'गांधी जयंती' भी हमारे राष्ट्रीय त्योहार हैं। इन त्योहारों के विषय में जानकारी एकत्र कीजिए तथा इनसे संबंधित चित्र अभ्यास पुस्तिका में लगाइए।

आप क्या करेंगे

- **यदि आप किसी समारोह में कुर्सी पर बैठे हों और राष्ट्रीय गान शुरू हो जाए तो–**

(क) कुर्सी पर बैठे रहेंगे। ☐

(ख) कुर्सी से उठकर कहीं और चले जाएँगे। ☐

(ग) राष्ट्रीय गान का सम्मान करते हुए सीधे खड़े हो जाएँगे। ☐

- **यदि आपके विद्यालय में कोई व्यक्ति सूटकेस, थैला, टिफिन आदि आपके सामने रखकर चला जाए तो–**

(क) उसे खोलकर देखेंगे। ☐

(ख) इसकी जानकारी विद्यालय के किसी कर्मचारी या अध्यापक को देंगे। ☐

(ग) देखकर भी अनदेखा कर देंगे। ☐

क्या आप जानते हैं?

(क) इनमें से स्वाधीनता संग्राम की प्रसिद्ध सेनानी कौन थीं?

(*i*) कस्तूरबा गांधी ☐ (*ii*) लक्ष्मी देवी ☐

(*iii*) लक्ष्मीबाई ☐ (*iv*) सुचेता कृपलानी ☐

(ख) नाइटिंगेल ऑफ इंडिया किसे कहा जाता है?

(*i*) सरोजिनी नायडू ☐ (*ii*) कस्तूरबा गांधी ☐

(*iii*) सुषमा स्वराज ☐ (*iv*) लता मंगेशकर ☐

(ग) अंतरिक्ष में जाने वाली भारतीय मूल की प्रथम महिला थीं?

(*i*) सुनीता विलियन ☐ (*ii*) कल्पना चावला ☐

(*iii*) थामस टैरी ☐ (*iv*) आरती शाह ☐

(घ) वह कौन-सा पक्षी है जो अपने अंडे को सेने के लिए दूसरे पक्षी के घोंसले में रख देता है?

(*i*) ☐ (*ii*) ☐

(*iii*) ☐ (*iv*) ☐

(ङ) प्राचीन समय में कौन-सा पक्षी संदेश-वाहक का काम करता था?

(*i*) ☐ (*ii*) ☐

(*iii*) ☐ (*iv*) ☐

(च) वह कौन-सा पक्षी है जो एक टाँग पर खड़ा रहकर अपने शिकार की प्रतीक्षा करता है?

(*i*) ☐ (*ii*) ☐

(*iii*) ☐ (*iv*) ☐

(छ) वह कौन-सा पक्षी है जो काली घटा को देखकर नाचने लगता है?

(*i*) 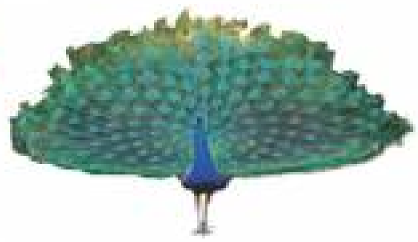 ☐ (*ii*) ☐

(*iii*) ☐ (*iv*) ☐

(ज) वह कौन-सा पक्षी है जो पानी मिले हुए दूध में से केवल दूध को पी लेता है और पानी को छोड़ देता है?

(*i*) ☐ (*ii*) ☐

(*iii*) ☐ (*iv*) ☐

(झ) चारों ओर से समुद्र जल से घिरे थलमार्ग को क्या कहते हैं?

(*i*) जलमंडल ☐ (*ii*) द्वीप ☐

(*iii*) रेगिस्तान ☐ (*iv*) भूमंडल ☐

9 होनहार बालक

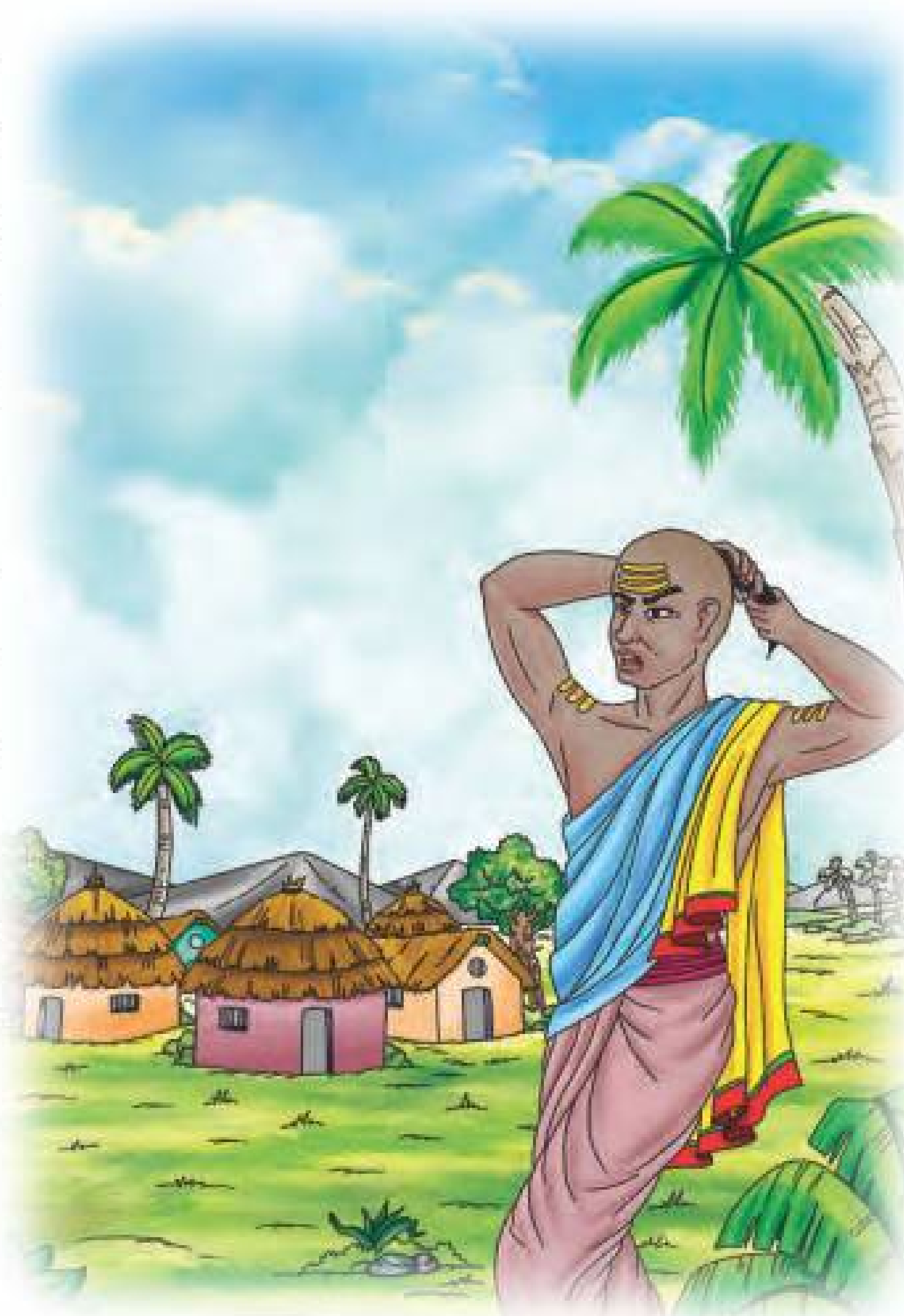

एक ब्राह्मण था– काला रंग, दुबला–पतला शरीर, सिर घुटा हुआ तथा सिर पर लंबी चोटी। नाम था चाणक्य। वह रास्ते पर बढ़ा जा रहा था और रह–रहकर क्रोध से काँप रहा था क्योंकि मगध के राजा धनानंद ने उसको अपमानित कर अपने राजदरबार से निकाल दिया था।

क्रोध की अधिकता में चाणक्य ने चलते–चलते ही अपनी चोटी खोली और प्रतिज्ञा की कि जब तक वह धनानंद को राजसिंहासन से उतार नहीं देगा, अपनी चोटी में फिर से गाँठ नहीं लगाएगा। ऐसा प्रण कर चाणक्य आगे बढ़ा। वह अभी कुछ ही डग आगे चला था कि उसकी दृष्टि कुछ बालकों पर पड़ी, जो आपस में 'राजा–प्रजा' का खेल खेल रहे थे। खेल में एक बालक सम्राट बना था, जो एक टीले पर विराजमान था। उसके सामने दो–तीन बालक हाथ जोड़कर खड़े थे। सम्राट बालक किसी को दंड दे रहा था तो किसी को पुरस्कार प्रदान कर रहा था। चाणक्य ने जब सम्राट बालक को देखा तो देखते ही उस पर मोहित हो गया। चाणक्य को उस बालक में अद्‌भुत तेज, अनोखी वीरता और आश्चर्यजनक सूझ–बूझ दिखाई दी।

शिक्षण संकेत

- चाणक्य अपनी कूटनीति के लिए जाने जाते हैं। चंद्रगुप्त मौर्य को सम्राट बनाने में चाणक्य के योगदान को बताते हुए बच्चों को चाणक्य की नीतियों की जानकारी दें।
- यह भी बताएँ कि चाणक्य का दूसरा नाम कौटिल्य है। उनका लिखा प्रसिद्ध ग्रंथ 'अर्थशास्त्र' वर्तमान में भी उपयोगी है।

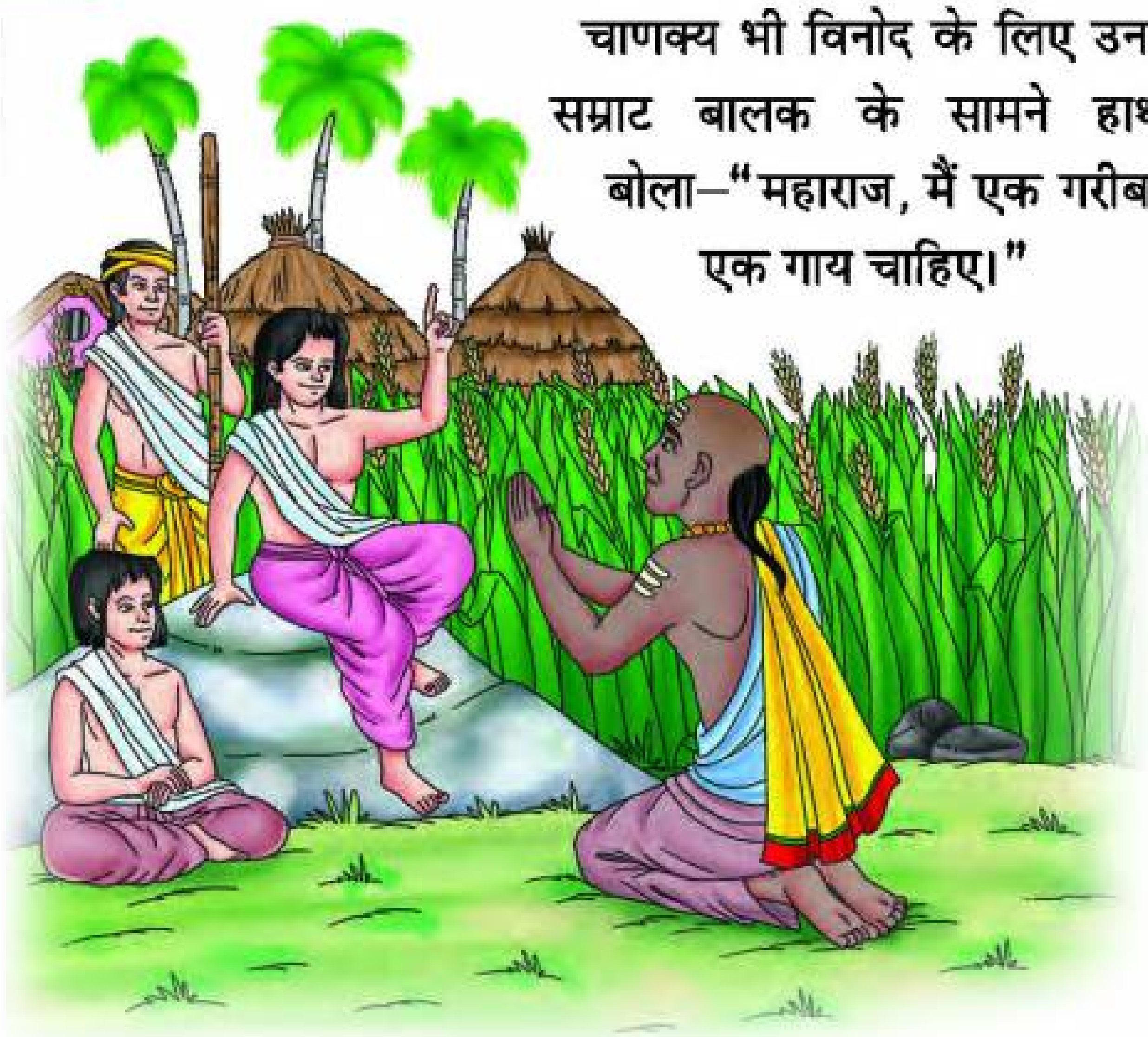

चाणक्य भी विनोद के लिए उनके खेल में सम्मिलित हो गया और सम्राट बालक के सामने हाथ जोड़कर बड़े दीन भाव से बोला–"महाराज, मैं एक गरीब ब्राह्मण हूँ। मुझे दूध पीने के लिए एक गाय चाहिए।"

सामने मैदान में बहुत-सी गायें चर रही थीं। बालक सम्राट ने चरती हुई गायों की ओर अँगुली से संकेत करते हुए कहा–"उन गायों में से जितनी गायें चाहिए, अपने साथ ले जाइए।"

चाणक्य ने निवेदन किया–"पर महाराज, ये गायें तो दूसरों की हैं। यदि इसके लिए मुझे कोई दंड देने लगे तो?"

बालक की आँखों में क्रोध नाच उठा। उसने क्रोधित स्वर में कहा–"किसमें साहस है जो आपको दंड दे? जानते नहीं, यह मेरा राज्य है?"

चाणक्य मौन हो गया। पर उसे यह समझने में देर न लगी कि यह बालक बड़ा होने पर बड़ा ही प्रतापी होगा। तत्पश्चात चाणक्य बालक की माँ के पास पहुँचा और उससे कहा–"इस बालक को ऐसी शिक्षा दिलाओ, जिससे कि बड़ा होने पर यह योग्य बन सके।"

बालक की माँ ने उदासी से कहा–"मैं इसको ऐसी शिक्षा किस प्रकार दिला सकती हूँ?" चाणक्य तुरंत बोला–"इसकी चिंता न करो। अपने बालक को लेकर नंद के पास जाओ। उनसे प्रार्थना करो कि वे इस बालक की शिक्षा का प्रबंध करें, अवश्य ही वे आपकी सहायता करेंगे।"

जिस समय बालक की माँ नंद की राजसभा में उपस्थित हुई, उस समय वहाँ बड़े-बड़े विद्‌वान और स्वयं नंद भी एक समस्या को लेकर सोच-विचार में मग्न थे। किसी राजा ने एक नकली सिंह को लोहे के पिंजरे में बंद करके संदेश भेजा था कि पिंजरे को खोले बिना सिंह को बाहर निकालें। राजा नंद इसी सोच-विचार में मग्न थे कि ऐसा कौन-सा उपाय किया जाए, जिससे पिंजरा खोले बिना सिंह बाहर निकल आए।

बालक ने पिंजरे में बंद सिंह को ध्यान से देखकर कुछ सोच-विचार किया। फिर वह निर्भीकता से बोला–"यदि मुझे अवसर दिया जाए तो मैं पिंजरे को खोले बिना सिंह को बाहर निकाल सकता हूँ।" यह सुनकर बालक की माँ भय से काँप उठी, पर बालक निर्भीकता से खड़ा रहा।

राजा नंद बालक का अद्‌भुत तेज देखकर आश्चर्य में पड़ गए। उन्होंने कहा–"यदि तू पिंजरे से सिंह को बाहर न निकाल सका तो किसी सिंह के साथ तुझे भी पिंजरे में बंद कर दिया जाएगा।"

बालक ने पहले जैसी निर्भीकता से उत्तर दिया–"मुझे स्वीकार है।" फिर क्या था, बालक को अनुमति मिल गई। बालक पिंजरे के पास जा पहुँचा। पहले उसने पिंजरे को देखा और फिर पिंजरे में बंद सिंह को। वह समझ गया कि उसे क्या करना है? बालक ने लोहे की लंबी-लंबी छड़ें लीं। वह लोहे की छड़ों को गरम करके सिंह को छुआने लगा। कुछ देर बाद मोम का बना हुआ सिंह पिघल गया और पिंजरा खाली हो गया।

राजा नंद और उनकी राजसभा के सभी विद्‌वान बालक की बुद्‌धि और चतुराई पर मुग्ध हो गए। राजा नंद बोले–"बुद्‌धिमान बालक, मैं तुमसे बहुत प्रसन्न हूँ। बोलो, तुम क्या चाहते हो?" बालक सोचने लगा, पर बालक की माँ बोल उठी–"महाराज, आप इसकी शिक्षा का प्रबंध कर दीजिए।"

नंद ने बालक को तक्षशिला के विश्वविद्‌यालय में पढ़ने के लिए भेज दिया। यही बालक बड़ा होकर चाणक्य की सहायता से सम्राट चंद्रगुप्त मौर्य बना। किसी ने सच ही कहा है– 'होनहार बिरवान के होत चीकने पात।'

शब्दार्थ

अपमानित करना	– निरादर करना	प्रतिज्ञा	– प्रण
डग	– कदम	सम्राट	– राजा
विराजमान	– बैठा हुआ	मोहित	– मुग्ध
अद्भुत	– अनोखा	निर्भीकता	– निडरता

इन्हें ऐसे भी लिख सकते हैं–

ब्राह्मण	– ब्राह्मण	विद्वान	– विद्वान
बुद्धिमान	– बुद्धिमान	विश्वविद्यालय	– विश्वविद्यालय

संकलनात्मक एवं रचनात्मक मूल्यांकन

मौखिक

1. पढ़िए और बोलिए–

चाणक्य प्रतिज्ञा दृष्टि सम्राट पुरस्कार उपस्थित

2. सोचकर बताइए–

(क) चाणक्य को क्रोध क्यों आ रहा था?

(ख) चाणक्य ने बालक से क्या कहा?

(ग) बालक की माँ नंद के पास क्यों गई?

लिखित

1. नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(क) चाणक्य कौन थे? उन्होंने क्या प्रतिज्ञा की थी?

....

....

(ख) चाणक्य को बालक में क्या दिखाई दिया?

....

....

(ग) राजसभा में किस समस्या पर विचार किया जा रहा था?

....

....

(घ) बालक ने सिंह को निकालने के लिए क्या किया?

....

....

2. नीचे दिए प्रश्नों के उपयुक्त उत्तर पर (✓) का चिह्न लगाइए–

(क) मगध के राजा कौन थे?

(*i*) धनानंद ☐ (*ii*) जनक ☐ (*iii*) चाणक्य ☐

(ख) पिंजरा खोले बिना शेर को बाहर किसने निकाला?

(*i*) चाणक्य ने ☐ (*ii*) राजा ने ☐ (*iii*) बालक ने ☐

(ग) बालक की माँ ने राजा से क्या माँगा?

(*i*) राज्य ☐ (*ii*) बालक की शिक्षा ☐ (*iii*) धन ☐

(घ) 'होनहार बिरवान के होत चीकने पात' का क्या अर्थ है?

(*i*) चतुर बालक के लक्षण बचपन में ही दिख जाते हैं। ☐

(*ii*) चतुर बालक के पैर चिकने होते हैं। ☐

(*iii*) चतुर बालक चिकने रास्ते पर चलता है। ☐

3. किसने, किससे कहा–

	किसने कहा	किससे कहा
(क) "महाराज, मैं एक गरीब ब्राह्मण हूँ।"	....	....
(ख) "मैं इसको ऐसी शिक्षा किस प्रकार दिला सकती हूँ?"	....	....

(ग) "यदि मुझे अवसर दिया जाए तो मैं पिंजरे को खोले बिना सिंह को बाहर निकाल सकता हूँ।" ....

(घ) "बुद्धिमान बालक, मैं तुमसे बहुत प्रसन्न हूँ।" ....

भाषा ज्ञान

1. नीचे दिए शब्दों के लिंग पहचानकर लिखिए–

मगध	....	लोटा	....	गंगा	....
पिंजरा	....	चोटी	....	हिंदी	....
आँखें	....	राजसभा	....	राजदरबार	....

2. नीचे दिए वाक्यों में रेखांकित शब्दों का लिंग बदलकर वाक्य दोबारा लिखिए–

(क) खेल में एक <u>बालक</u> सम्राट बना था।

....

(ख) एक <u>ब्राह्मण</u> नदी के किनारे रहता था।

....

(ग) बालक ने <u>सिंह</u> को ध्यान से देखा।

....

(घ) <u>कवि</u> राजा का आदर करते हैं।

....

3. नीचे दिए गद्यांश में सर्वनाम शब्दों को रेखांकित कीजिए–

बालक ने पिंजरे में बंद सिंह को ध्यान से देखकर कुछ सोच-विचार किया। फिर वह निर्भीकता से बोला–"यदि मुझे अवसर दिया जाए तो मैं पिंजरे को खोले बिना सिंह को बाहर निकाल सकता हूँ।"

4. **नीचे कुछ सर्वनाम शब्द दिए जा रहे हैं। इन सर्वनामों को उदाहरण के अनुसार बदलिए–**

जैसे–	आप	अपना	अपनी	अपने
	वह	....	....	....
	हम	....	....	....
	तुम	....	....	....

कहानी से आगे

- यदि बालक सिंह को पिंजरे से न निकाल पाता तो क्या होता?
- चाणक्य चंद्रगुप्त मौर्य के गुरु थे। ऐसे ही अन्य प्रसिद्ध गुरुओं के नाम बताइए।

नन्हे हाथों से

- **चित्र देखकर कहानी लिखिए–**

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

कुछ करने को

- चंद्रगुप्त मौर्य, पृथ्वीराज चौहान, चाणक्य जैसे महान व्यक्तियों के गुणों की सूची बनाइए। इन गुणों को अपने जीवन में ढालने का प्रयास कीजिए।
- अध्यापक/अध्यापिका की सहायता से इस कहानी को नाटक के रूप में लिखकर कक्षा में इसका मंचन कीजिए।

आप क्या करेंगे

- **यदि घर के कुछ लोग किसी समस्या पर बात कर रहे हों और आप उनके पास बैठकर पढ़ रहे हों तो–**

(क) बीच–बीच में अपने सुझाव देंगे। ☐

(ख) अपने कार्य में ध्यान लगाएँगे। ☐

(ग) वहाँ से उठकर कहीं और चले जाएँगे। ☐

- **कक्षा में अध्यापक के प्रश्न पूछने पर–**

(क) उत्तर जानते हुए भी आप नहीं बताएँगे। ☐

(ख) तुरंत खड़े होकर उत्तर बता देंगे। ☐

(ग) हाथ खड़ा करके अपनी बारी की प्रतीक्षा करेंगे। ☐

10 कबीर के दोहे

ऐसी बानी बोलिए, मन का आपा खोय।
औरन को सीतल करे, आपहु सीतल होय।।

काल करे सो आज कर, आज करे सो अब।
पल में परलय होएगी, बहूरी करोगे कब।।

गुरु गोबिंद दोउ खड़े, काके लागूँ पाँय।
बलिहारी गुरु आपने, गोबिंद दियो बताय।।

बुरा जो देखन मैं चला, बुरा न मिलया कोय।
जो दिल खोजा आपना, मुझसे बुरा न कोय।।

करत-करत अभ्यास के, जड़मति होत सुजान।
रसरी आवत जात ते, सिल पर परत निसान।।

शब्दार्थ

बानी	–	बोली	आपा	–	घमंड/अहंकार
सीतल	–	ठंडा	आपहु	–	स्वयं को
काल	–	कल	परलय	–	प्रलय/विनाश
दोउ	–	दोनों	काके	–	किसके
पाँय	–	पाँव	रसरी	–	रस्सी

शिक्षण संकेत

- कबीर के दोहों को कंठस्थ करवाते हुए दोहों में दी गई शिक्षा के बारे में बच्चों को बताएँ।

संकलनात्मक एवं रचनात्मक मूल्यांकन

मौखिक

1. **पढ़िए और बोलिए–**

गोविंद   बलिहारी   अभ्यास   प्रलय   जड़मति

2. **सोचकर बताइए–**

(क) हमें कैसी वाणी बोलनी चाहिए?

(ख) बार-बार अभ्यास करने से क्या होता है?

लिखित

1. **नीचे दिए अर्थ को व्यक्त करने वाले दोहे लिखिए–**

(क) किसी भी कार्य को तुरंत करो, कल पर मत छोड़ो।

....

....

(ख) बार-बार अभ्यास करने से मूर्ख व्यक्ति भी ज्ञानी बन जाते हैं।

....

....

(ग) अहंकार रहित मीठी वाणी बोलनी चाहिए।

....

....

2. **नीचे दिए प्रश्नों के उपयुक्त उत्तर पर (✓) का चिह्न लगाइए–**

(क) कबीर के अनुसार हमें किसे बड़ा मानना चाहिए?

(*i*) गुरु को ☐   (*ii*) गोविंद को ☐   (*iii*) शिष्य को ☐

(ख) बार-बार अभ्यास करने से इनमें से कौन बुद्धिमान बन सकता है?

(*i*) विद्वान ☐ (*ii*) जड़मति ☐ (*iii*) ज्ञानी ☐

(ग) मनुष्य की वाणी कैसी होनी चाहिए?

(*i*) अहंकार युक्त ☐ (*ii*) कड़वी ☐ (*iii*) मीठी ☐

3. लय-ताल मिलाइए–

खोय	....	अब	....
पाँय	....	सुजान	....

भाषा ज्ञान

1. नीचे दिए शब्दों के मानक रूप लिखिए–

बानी	–	......वाणी......	आपहु	–	....
परलय	–	....	सीतल	–	....
गुरु	–	....	पाँय	–	....
सुजान	–	....	रसरी	–	....

2. नीचे दिए अशुद्ध शब्दों के शुद्ध रूप लिखिए–

अतिथी	....	सनयासी	....	श्रीमति	....
कवित्री	....	हीरन	....	बिमारी	....
उज्जवल	....	आर्शीवाद	....	दिपावाली	....

3. सही शब्द भरकर वाक्य पूरे कीजिए–

(क) .... हमें दूध देती है। (गाए/गाय)

(ख) कल मेरे पिता जी विदेश से .... आए। (लौट/लोट)

(ग) मेरे घर के दायीं .... एक बगीचा है। (ओर/और)

(घ) आज बहुत तेज़ .... आने की संभावना है। (आंधी/आँधी)

दोहों से आगे

- कबीरदास जी के दोहों को पढ़कर आपके मन में कौन-कौन से विचार आए?

नन्हे हाथों से

- चित्र देखकर उपयुक्त दोहा पूरा लिखिए–

....

....

....

....

कुछ करने को

- कबीरदास जी के दोहों को कंठस्थ कीजिए।
- दोहों का सुंदर चार्ट या फीतियाँ बनाकर कक्षा में लगाइए।

आप क्या करेंगे

- यदि आपके कक्षा-अध्यापक समारोह में भाषण देने के लिए आपका नाम दे दें तो–

(क) आप अध्यापक से अपना नाम वापस लेने के लिए कहेंगे। ☐

(ख) भाषण की तैयारी में लग जाएँगे। ☐

(ग) उस दिन बीमारी का बहाना बनाकर छुट्टी कर लेंगे। ☐

- यदि किसी कारणवश आप विद्यालय का गृहकार्य न करके लाए हों तो–

(क) सही कारण बताकर अध्यापक से क्षमा माँग लेंगे। ☐

(ख) झूठ-मूठ के बहाने बनाएँगे। ☐

(ग) कक्षा से बाहर ही रहेंगे। ☐

11 कलाई घड़ी

591, सरोजिनी नगर
नई दिल्ली–110023
5 जून, 20.......

प्रिय आशु,
स्नेह!

हमेशा की भाँति इस बार भी तुम्हारा पत्र पढ़कर हृदय अत्यंत प्रसन्न हुआ। तुमने अपने पत्र में कलाई घड़ी के बारे में सविस्तार जानकारी प्राप्त करने की इच्छा प्रकट की है।

मेरी जानकारी के अनुसार, कलाई पर बाँधी जाने वाली घड़ी की खोज लगभग सौ साल पहले की गई थी। जब घड़ी की खोज हुई तब इसका आकार ऐसा नहीं था कि इसे कलाई पर बाँधा जा सके। उस समय इसे जेब में रखा जाता था और अंग्रेज़ी में इसे 'रिस्टवॉच' की बजाय 'रिस्टलेट' कहा जाता था। तुम्हें विश्वास नहीं होगा कि तब कलाई घड़ी को केवल नाज़ुक महिलाओं के कार्य की वस्तु माना जाता था और पुरुष इसे अपनी जेब में रखने से भी बचते थे।

19वीं सदी के अंत में सैनिकों को युद्ध के दौरान समय देखने के लिए घड़ी

शिक्षण संकेत

- पत्र लिखने की विधा सिखाते हुए बच्चों को अपने विचार पत्र के माध्यम से लिखने को प्रेरित करें।
- बच्चों को विभिन्न आविष्कारों से जुड़ी घटनाओं के बारे में जानकारी दें।

की आवश्यकता पड़ी। वास्तव में युद्ध के दौरान जब उनके पास खाली समय होता या वे रास्ते में कहीं भटक जाते तो उन्हें समय का सही अनुमान न होने के कारण काफ़ी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। फिर भी सैनिकों के लिए 'रिस्टलेट' को जेब में रखना सरल नहीं था, इसलिए उन्होंने मज़बूत चमड़े की सहायता से इसे हाथ पर बाँधना शुरू कर दिया।

जर्मनी के नाविक गिरार्ड पेरीगॉक्स ने 1880 में पहली कलाई घड़ी तैयार की, जो समुद्री आक्रमणों के दौरान नाविकों के काम आती थी। इसके लगभग दो दशक बाद 1906 में 'ब्रेसलेट' की खोज हुई, जिससे 'रिस्टवॉच' को नए स्वरूप में लाना सरल हो गया। प्रथम विश्वयुद्ध (1914–1918) के दौरान सैनिकों ने कलाई घड़ी का बहुत प्रयोग किया। कलाई घड़ी की खोज के बाद भी इसे महिलाओं के ही कार्य की वस्तु माना जाता रहा। विश्वयुद्ध के बाद जब लोगों ने बहादुर सैनिकों की कलाई पर घड़ी बँधी देखी तो उनकी यह मानसिकता बदली और उन्होंने भी कलाई पर घड़ी बाँधना शुरू कर दिया। 1930 तक रॉलेक्स सहित कई कंपनियाँ हाथघड़ी के निर्माण के क्षेत्र में उतर चुकी थीं। इसके बीस साल बाद अर्थात 1950 तक कलाई घड़ी दुनिया के सभी देशों तक पहुँच चुकी थी। पहले कलाई घड़ी काफ़ी भारी हुआ करती थी। लेकिन समय के साथ-साथ इसका वज़न बहुत हलका होता चला गया। अब ऐसी तमाम कलाई घड़ी बाज़ार में उपलब्ध हैं, जिन्हें बाँधने के बाद भी कलाई पर कोई दबाव महसूस नहीं होता।

पिछले एक दशक में मोबाइल फोन का तेज़ी से फैलाव होने के कारण लोगों में कलाई घड़ी पहनने का चलन कम हुआ है, लेकिन आज भी कलाई में खूबसूरत घड़ी पहनना शिक्षित और

संस्कारित होने की निशानी माना जाता है। उपहार के तौर पर कलाई घड़ी को लोगों की मनपसंद वस्तु भी माना जाता है।

आशा है, यह सब पढ़कर तुम्हें आवश्यक जानकारी मिल गई होगी। माता जी और पिता जी को मेरा प्रणाम कहना तथा तान्या को प्यार!

तुम्हारा बड़ा भाई

विकास

शब्दार्थ

भाँति	–	तरह	हृदय	–	मन, दिल
अत्यंत	–	बहुत अधिक	रिस्टवॉच	–	कलाई घड़ी
स्वरूप	–	रूप	मानसिकता	–	मन की सोच
तमाम	–	बहुत सारी	दशक	–	दस साल
शिक्षित	–	पढ़ा-लिखा	निशानी	–	पहचान का चिह्न

इन्हें ऐसे भी लिख सकते हैं–

युद्ध – युद्‌ध

संकलनात्मक एवं रचनात्मक मूल्यांकन

मौखिक

1. पढ़िए और बोलिए–

प्रसन्न सविस्तार हृदय ब्रेसलेट संस्कारित

2. सोचकर बताइए–

(क) पुरुष कलाई घड़ी को जेब में रखने से क्यों बचते थे?

(ख) कलाई घड़ी के विषय में लोगों की मानसिकता कैसे बदली?

(ग) आजकल लोगों में कलाई घड़ी पहनने का चलन कम क्यों हो गया है?

लिखित

1. नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(क) यह पत्र किसने, किसको और कहाँ से लिखा?

(ख) आरंभ में घड़ी का स्वरूप कैसा था?

(ग) सैनिकों को घड़ी की आवश्यकता क्यों पड़ी?

(घ) कलाई घड़ी का आविष्कार किसने और कब किया?

2. नीचे दिए प्रश्नों के उपयुक्त उत्तर पर (✓) का चिह्न लगाइए–

(क) सैनिकों ने घड़ी को हाथ पर बाँधने के लिए किस वस्तु का प्रयोग किया?

(*i*) चमड़े का ☐ (*ii*) धागे का ☐ (*iii*) कपड़े का ☐

(ख) प्रथम विश्वयुद्ध कब हुआ?

(*i*) 1911–1913 ☐ (*ii*) 1921–1924 ☐ (*iii*) 1914–1918 ☐

(ग) वर्तमान समय में घड़ी का स्थान किसने ले लिया है?

(*i*) मोबाइल फोन ने ☐ (*ii*) पेन ने ☐ (*iii*) केल्कुलेटर ने ☐

(घ) सबसे पहले किस कंपनी ने हाथघड़ी के निर्माण क्षेत्र में कार्य करना शुरू किया?

(*i*) रॉलेक्स ने ☐ (*ii*) टाइटन ने ☐ (*iii*) सोनाटा ने ☐

3. उचित मिलान कीजिए–

(क) कलाई पर बाँधी	मज़बूत चमड़े की सहायता से रिस्टलेट को हाथ पर बाँधना शुरू कर दिया।
(ख) कलाई घड़ी को	के दौरान सैनिकों ने कलाई घड़ी का बहुत प्रयोग किया।
(ग) सैनिकों ने	जाने वाली घड़ी की खोज लगभग सौ साल पहले की गई थी।
(घ) प्रथम विश्वयुद्ध	पहनना शिक्षित और संस्कारित होने की निशानी माना जाता है।
(ङ) कलाई में खूबसूरत घड़ी	केवल महिलाओं के कार्य की वस्तु माना जाता था।

भाषा ज्ञान

1. पाठ के अनुसार विशेषण शब्दों का उनके विशेष्य से मिलान कीजिए–

मज़बूत	घड़ी
पहली	सैनिक
बहादुर	चमड़ा
खूबसूरत	कलाई घड़ी

'कि' शब्द का प्रयोग दो वाक्यों को जोड़ने के लिए किया जाता है जबकि 'की' परसर्ग का प्रयोग वाक्य के बीच में किया जाता है।

2. नीचे दिए वाक्यों में 'कि' तथा 'की' का प्रयोग कीजिए–

(क) कलाई पर बाँधी जाने वाली घड़ी .... खोज सौ साल पहले की गई थी।

(ख) पहले घड़ी का आकार ऐसा नहीं था .... इसे कलाई पर बाँधा जा सके।

(ग) घड़ी .... आवश्यकता युद्ध के समय महसूस हुई।

(घ) तुम्हें विश्वास नहीं होगा .... तब कलाई घड़ी केवल महिलाओं के कार्य की वस्तु मानी जाती थी।

(ङ) सैनिकों ने मजबूत चमड़े .... सहायता से घड़ी को हाथ पर बाँधा।

(च) दो दशक बाद 1906 में ब्रेसलेट .... खोज हुई।

नोट—ध्यान रहे कि कार्य के बाद 'कि' और नाम के बाद 'की' लगाना है।

- क्रिया के जिस रूप से उसके काल या समय का बोध हो, उसे काल कहते हैं।
- जब क्रिया हो चुकी हो तो उसे भूतकाल कहते हैं; जैसे—बड़ी बहन ने छोटी बहन को पत्र लिखा था।
- जब क्रिया हो रही हो तो उसे वर्तमान काल कहते हैं; जैसे—बड़ी बहन छोटी बहन को पत्र लिख रही है।
- जब वाक्य से यह पता चले कि क्रिया आने वाले समय में होगी अर्थात कार्य होगा तो उसे भविष्यत काल कहते हैं; जैसे—बड़ी बहन छोटी बहन को पत्र लिखेगी।

3. नीचे दी पंक्तियों को पढ़कर उचित काल पर सही (✓) का चिह्न लगाइए—

(क) तुमने कलाई घड़ी के बारे में जानने की इच्छा प्रकट की है। (भूत/भविष्य/वर्तमान)

(ख) कलाई घड़ी की खोज सौ साल पहले की गई थी। (वर्तमान/भूत/भविष्य)

(ग) वर्तमान समय में घड़ी को उत्तम उपहार माना जाता है। (भूत/वर्तमान/भविष्य)

(घ) कलाई घड़ी के नए-नए डिज़ाइनों की खोज की जाएगी। (भविष्य/भूत/वर्तमान)

(ङ) तुम मेरा पत्र ध्यान से पढ़ोगी। (वर्तमान/भूत/भविष्य)

पत्र से आगे

- यदि घड़ी न होती तो क्या होता?
- आज बाज़ार में विभिन्न प्रकार की घड़ियाँ उपलब्ध हैं। उनके नाम तथा उनके बारे में बताइए।

नन्हे हाथों से

- चित्र देखकर जन्मदिन की पार्टी का वर्णन करते हुए अपने मित्र को पत्र लिखिए–

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

कुछ करने को

- अपने अध्ययन कक्ष में लगाने के लिए रंगीन कागज़ की एक खूबसूरत घड़ी बनाइए। उस घड़ी के नीचे चार्ट पर अपनी दिनचर्या लिखिए तथा उसके अनुसार समय का पालन कीजिए।
- अपने मनपसंद केक का चित्र बनाइए और उसे सुंदर ढंग से सजाइए–

आप क्या करेंगे

- यदि आपको विद्यालय में कहीं कुछ रुपए पड़े हुए मिलें तो–
  (क) उन्हें उठाकर अपने पास रख लेंगे। ☐
  (ख) बच्चों से पूछकर जिसके हैं, उसे लौटा देंगे। ☐
  (ग) उठाकर अध्यापक को दे देंगे। ☐
- यदि आपकी गलती पर आपके बड़े भाई/बहन आपको डाँटे तो–
  (क) ज़ोर-ज़ोर से चिल्लाना शुरू कर देंगे। ☐
  (ख) अपनी गलती के लिए क्षमा माँगेंगे। ☐
  (ग) उनकी बातों को अनसुना कर देंगे। ☐

12 छाते वाला बूढ़ा

एक बूढ़ा आदमी था। वह एक छोटे-से शहर में अकेला रहता था। पहले वह अकेला नहीं था, पर धीरे-धीरे सब उसे छोड़कर चले गए थे। वह एक पुराने, टूटे-फूटे और छोटे-से मकान में रहता था। उसके घर में सब वस्तुएँ उसी की तरह पुरानी थीं, घर की पुरानी वस्तुओं को वह फेंकता नहीं था; बल्कि उन्हें इस्तेमाल करता रहता था, जैसे–उसका छाता। छाता फट गया था। बारिश में जब बूढ़ा छाता खोलकर बाहर निकलता तो छाते के छेदों से पानी टपकता रहता था।

उसे देखकर मोहल्ले वाले कहते, "बाबा, नया छाता ले लो न।" बूढ़ा कहता, "मेरी तरह मेरा छाता भी बूढ़ा हो गया है। यह मेरा दोस्त है। इसे कैसे फेंक दूँ?" बूढ़े ने छेदों पर कपड़े के टुकड़े लगा दिए थे–कहीं हरा, कहीं लाल तो कहीं नीला। ऐसा विचित्र छाता शहर में किसी के पास नहीं था। लोग उसे देखकर कहते, "लो आ गया बूढ़े छाते वाला बूढ़ा!" सब उस पर हँसते तो बदले में बूढ़ा भी हँस देता और कहता, "हँसते रहा करो। हँसने से सेहत ठीक रहती है।"

एक दिन की बात है। बारिश हो रही थी। बूढ़ा छाता लेकर घर से बाहर निकला। छाते में से बारिश की बूँदें टप-टप टपक रही थीं। वह भीग गया। "एकदम बेकार!" बूढ़े ने कहा और गुस्से

शिक्षण संकेत

- वृद्धों का सम्मान करने की सीख देते हुए बच्चों से पाठ का वाचन करवाएँ।
- बच्चों से पूछें कि क्या उनके घर में वृद्ध हैं। यदि हैं तो उनके साथ परिवार के अन्य सदस्य कैसा व्यवहार करते हैं और उनका ध्यान कैसे रखते हैं?

से छाते को एक झाड़ी में फेंक दिया। फिर बारिश में भीगता हुआ ही रास्ते पर चल दिया। लेकिन अधिक दूर नहीं जा सका क्योंकि भीगने से उसका शरीर काँपने लगा था। वह एक बरामदे में बैठ गया। अब वह सोच रहा था, "छेद वाला ही सही पर छाते से कुछ बचाव तो होता ही था। मैंने छाते को क्यों फेंक दिया?"

बूढ़ा उस ओर वापस चल दिया, जहाँ उसने छाते को फेंका था पर छाता वहाँ नहीं मिला। 'न जाने कौन उठाकर ले गया?' यह सोचते हुए किसी प्रकार लड़खड़ाता हुआ वह घर पहुँचा। उसे छाता खो जाने का बहुत दुख था। वह ज़ोर-ज़ोर से चिल्लाने लगा, "चोर को भी मेरा ही छाता मिला था, चुराने के लिए। अरे, वह तो मेरी तरह किसी काम का नहीं था।"

एकाएक बूढ़े को लगा जैसे कोई हँसा हो। वह चिल्लाया, "यह कौन हँस रहा है? हिम्मत है तो सामने आओ और मुझसे बात करो।" वास्तव में, बूढ़ा एकदम अकेला था। उससे कोई भी बात नहीं करता था। हाँ, सब लोग उसका मज़ाक अवश्य उड़ाया करते थे ।

हँसी फिर सुनाई दी, पर कोई दिखाई नहीं दिया। सोच-सोचकर बूढ़ा परेशान हो गया। फिर न जाने कब उसे नींद आ गई। सपने में उसे अपना छाता हवा में उड़ता हुआ दिखाई दिया, तो नींद टूट गई। उसे अपने छाते का ध्यान आया। जैसे छाता नहीं, उसका कोई प्यारा मित्र खो गया था।

बूढ़ा घर से बाहर आया। बारिश तेज़ हो रही थी। तभी वह चौंक उठा क्योंकि उसका छाता दरवाज़े के पास ही रखा था। हाँ-हाँ, उसी का छाता था। भला अपने प्यारे छाते को पहचानने में वह गलती कैसे कर सकता था? बूढ़े ने लपककर छाते को उठा लिया। लेकिन यह क्या! छाते में

बड़े-बड़े छेद थे। उसने हरे, लाल और नीले कपड़ों के जो पैबंद लगाए थे, उन सभी को किसी ने उखाड़कर फेंक दिया था।

'आखिर क्या मिला होगा चोर को ऐसा करके' घर के बाहर खड़ा बूढ़ा यही सब सोचकर दुखी हो रहा था। बारिश में खड़े-खड़े ही उसने छाते को कई बार खोला और बंद किया। उस पर हाथ फिराया। तब उसे महसूस हुआ कि छाते के छेदों से पानी नहीं टपक रहा था।

'कैसी अजीब बात है!' बूढ़े ने जैसे अपने-आप से कहा, फिर तेज़ बारिश में अपना छेदों वाला छाता खोलकर खड़ा हो गया। अरे सच! जगह-जगह छेद होने पर भी पानी की एक बूँद नहीं टपक रही थी; जैसे किसी ने छेदों पर ऐसा जादुई कपड़ा चिपका दिया था, जिसके आरपार देखा जा सकता था।

बारिश में छेदों वाला छाता लगाए खड़े बूढ़े को कई लोगों ने देखा। सबने यही समझा कि बूढ़ा सचमुच पागल हो गया है। तभी बूढ़ा चिल्लाया, "यह मेरा छाता नहीं है, इसमें भूत घुस गया है।" और उसने छाते को उछालकर दूर फेंक दिया और घर के अंदर चला गया। वह रो रहा था कि आखिर यह हो क्या रहा है उसके साथ?

वास्तव में, यह करामात एक बौने की थी। वह उसी झाड़ी के नीचे ज़मीन में रहता था, जहाँ बूढ़े ने छाता फेंका था। वही बौना छाते की मरम्मत करने के बाद उसे बूढ़े के दरवाज़े पर रख गया था। बौने ने छाते के छेदों पर एक जादुई लेप लगा दिया था। इसी कारण पानी छेदों के ऊपर ही रुक जाता था। वह छिपकर बूढ़े को देख रहा था। बूढ़े को अदृश्य बौने की ही हँसी रह-रहकर सुनाई दे रही थी।

बौने ने बूढ़े द्वारा फेंके गए छाते को उठा लिया। उसके मुँह से निकला, "विचित्र बूढ़ा है। मैं भला इसकी सहायता कैसे कर सकता हूँ? मैं तो सोचता था कि इसके मकान की छत पर भी वही जादुई लेप लगा दूँ जिससे बरसात में पानी अंदर न गिरे। लेकिन नहीं, अगर मैंने ऐसा किया तो यह बूढ़ा घर को भी 'भूतघर' समझकर कहीं चला जाएगा।"

बौने ने छाते के छेदों पर लगा जादुई लेप हटा दिया। फिर लाल, हरे, नीले और पीले कपड़ों के पुराने पैबंद वैसे ही लगा दिए जैसे बूढ़े ने लगा रखे थे। इसके बाद वह छाते को दरवाज़े के बाहर रखकर वहाँ से चला गया।

दिन निकला, बारिश अब भी हो रही थी। बूढ़े की नींद टूटी। वह आँखें मलता हुआ घर से बाहर निकला। उसने छाते को देखा तो लपककर उठा लिया। "हाँ, यही मेरा छाता है। पहले वाला तो पता नहीं किसका था? ज़रूर किसी भूत का होगा। तभी तो उसके छेदों में से बारिश का पानी नहीं टपकता था।" कहते हुए बूढ़े ने छाता खोला और रास्ते के बीचों-बीच खड़ा हो गया। छाते के छेदों से होकर पानी उसके सिर और शरीर को भिगोने लगा। लेकिन इस बार बूढ़े ने छाते को बेकार नहीं कहा। उसे फेंका भी नहीं, वह खुशी से चीख रहा था–"मेरा छाता मिल गया, मेरा छाता मिल गया।"

–ताइवान की लोककथा

शब्दार्थ

इस्तेमाल	–	प्रयोग	विचित्र	–	अनोखा
पैबंद	–	फटे वस्त्र को सिलने के लिए लगाए गए कपड़े के टुकड़े			
करामात	–	चमत्कार	बौना	–	छोटा, ठिगना
जादुई लेप	–	जादू का लेप	अदृश्य	–	जो दिखाई न दे

संकलनात्मक एवं रचनात्मक मूल्यांकन

मौखिक

1. पढ़िए और बोलिए–

मोहल्ला लड़खड़ाना हिम्मत जादुई बौना

2. सोचकर बताइए–

(क) बूढ़ा अकेला क्यों रहता था?

(ख) छाते के छेदों से पानी क्यों नहीं टपक रहा था?

(ग) बौने ने छाते पर लगा जादुई लेप क्यों हटा दिया?

लिखित

1. नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(क) बूढ़े का छाता कैसा था?

....

....

(ख) बूढ़े ने छाता झाड़ियों में क्यों फेंक दिया?

....

....

(ग) छाते को किसने ठीक किया था और कैसे?

....

....

(घ) बूढ़े ने क्यों कहा कि यह मेरा छाता नहीं है?

....

....

2. नीचे दिए प्रश्नों के उपयुक्त उत्तर पर (✓) का चिह्न लगाइए–

(क) लोग बूढ़े को क्या कहकर बुलाते थे?

(i) बूढ़ा आदमी ☐ (ii) बूढ़े छाते वाला बूढ़ा ☐ (iii) अंकल ☐

(ख) बूढ़े का क्या खो गया था?

(i) घर ☐ (ii) छाता ☐ (iii) बालटी ☐

(ग) बूढ़े के छाते को किसने ठीक किया था?

(i) बौने ने ☐ (ii) मित्र ने ☐ (iii) बेटे ने ☐

(घ) बौने ने छाते के छेदों में क्या लगाया था?

(i) जादुई लेप ☐ (ii) गोंद ☐ (iii) पैबंद ☐

3. नीचे दिए वाक्यों के सामने सही (✓) अथवा गलत (✗) का चिह्न लगाइए–

(क) छाते में से बारिश की बूँदें टप-टप टपक रही थीं। ☐

(ख) चोर ने छाते के छेदों में नीले और पीले रंगों के पैबंद लगा दिए थे। ☐

(ग) एक लड़की ने बूढ़े द्वारा फेंके गए छाते को उठा लिया। ☐

(घ) बौने ने छाते के छेदों पर एक जादुई लेप लगा दिया था। ☐

4. नीचे दिए वाक्यों को पाठ के अनुसार सही क्रम में लगाइए–

☐ बारिश में जब बूढ़ा छाता लेकर निकलता तो छाते के छेदों से पानी टपकता रहता था।

☐ चोर को भी मेरा ही छाता मिला था।

☐ बूढ़ा एक छोटे-से शहर में अकेला रहता था।

☐ बौने ने छाते के छेदों पर एक जादुई लेप लगा दिया था।

☐ छाते के छेदों से पानी की एक बूँद भी नहीं टपक रही थी।

☐ बौने ने छाते के छेदों पर लगा जादुई लेप हटा दिया।

☐ बूढ़ा खुशी से चीख रहा था–"मेरा छाता मिल गया, मेरा छाता मिल गया।"

☐ बूढ़े को लगा कि छाते में कोई भूत घुस गया है।

भाषा ज्ञान

1. पाठ में आए विशेषण शब्दों को विशेष्य के सामने लिखिए–

विशेषण	विशेष्य	विशेषण	विशेष्य
(क)	आदमी	(ख)	कपड़े
(ग)	मकान	(घ)	लेप
(ङ)	छाता	(च)	पैबंद

2. नीचे दिए गए शब्दों में क्रिया शब्दों पर ◯ लगाइए–

बूढ़ा	रहता	निकलता	हँसता
बारिश	दिया	पहुँचा	उड़ाया
नींद	छाता	फिराया	घर

3. उपयुक्त क्रिया शब्द लिखकर वाक्य पूरे कीजिए–

(क) सब उसे छोड़कर दूर-दूर चले .... थे।

(ख) छाते के छेदों से पानी .... था।

(ग) सब उस पर हँसते तो बदले में बूढ़ा भी ....।

(घ) वह घर को 'भूतघर' समझकर कहीं चला ....।

लोककथा से आगे

- यदि बौना बूढ़े के छाते से जादुई लेप न हटाता तो क्या होता?
- बारिश से बचने के लिए आप किन-किन वस्तुओं का प्रयोग करते हैं?

कुछ करने को

- जब मनुष्य बूढ़ा हो जाता है तो लोग उसके पास बैठना व्यर्थ समझते हैं। परंतु वास्तविकता यह है कि हम उनके अनुभवों से बहुत कुछ सीख सकते हैं। आप भी वृद्धों के साथ कुछ समय बिताइए और अपना अनुभव कक्षा में सुनाइए।

नन्हे हाथों से

- चित्र देखकर कविता की पंक्तियाँ या वाक्य लिखिए–

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

आप क्या करेंगे

- आपके घर में कोई वृद्ध बीमार हों तो–

(क) उनके पास नहीं जाएँगे। ☐

(ख) उन्हें तंग करेंगे। ☐

(ग) बातचीत करके उनका मन बहलाएँगे। ☐

- टी॰वी॰ पर आप अपना मनपसंद कार्टून कार्यक्रम देखना चाहते हैं। उसी समय आपके पिता जी समाचार देखकर विश्व का हाल जानना चाहते हैं तो–

(क) पिता जी को समाचार नहीं देखने देंगे। ☐

(ख) पिता जी को समाचार तो देखने देंगे पर उनसे रूठ जाएँगे। ☐

(ग) अपना कार्टून कार्यक्रम पुनः प्रसारित होने पर देख लेंगे, यह सोचकर रिमोट पिता जी के हाथ में दे देंगे। ☐

13 सभा का खेल

सभा–सभा का खेल आज खेलेंगे जीजी आओ,
मैं गांधी जी, छोटे नेहरू, तुम सरोजिनी बन जाओ।

मेरा तो सब काम लँगोटी, गमछे में चल जाएगा,
छोटे भी खद्दर का कुरता पेटी से ले आएगा।

लेकिन जीजी तुम्हें चाहिए, एक बहुत बढ़िया साड़ी,
वह तुम माँ से ही ले लेना, आज सभा होगी भारी।

मोहन, लल्ली पुलिस बनेंगे, हम भाषण करने वाले,
वे लाठियाँ चलाने वाले, हम घायल मरने वाले।

छोटे बोला– देखो भैया मैं तो मार न खाऊँगा,
मुझको मारा अगर किसी ने, मैं भी मार लगाऊँगा।

शिक्षण संकेत

- विभिन्न स्वतंत्रता सेनानियों के बारे में प्रश्न पूछते हुए बच्चों से कविता का समूहगान करवाएँ।

कहा बड़े ने– दें छोटे जब तुम नेहरू जी बन जाओगे,
गांधी जी की बात मानकर, क्या तुम मार न खाओगे?

खेल–खेल में छोटे भैया होगी झूठ–मूठ की मार,
चोट न आएगी नेहरू जी, अब तुम हो जाओ तैयार।

हुई सभा प्रारंभ कहा गांधी जी ने, चरखा चलवाओ,
नेहरू जी भी बोले– दें भाई, खद्दर पहनो, पहनाओ।

उठकर फिर देवी सरोजिनी धीरे से बोली– दें बहनो,
हिंदू, मुसलिम मेल बढ़ाओ, सभी शुद्ध खद्दर पहनो।

छोड़ सब विदेशी चीज़ें, लो देशी सूई-धागा,
इतने में लौटे काका जी, नेहरू सीट छोड़कर भागा।

काका आए, काका आए, चलो सिनेमा जाएँगे,
'घोरी दीक्षित' को देखेंगे, केक–मिठाई खाएँगे।

जीजी, चलो सभा फिर होगी, अभी सिनेमा है जाना,
आओ खेल बहुत अच्छा है, फिर सरोजिनी बन जाना।

चलो चलें अब ज़रा देर को, 'घोरी दीक्षित' बन जाएँ,
उछलें, कूदें, धूम मचाएँ, मोटरगाड़ी दौड़ाएँ।

–सुभद्रा कुमारी चौहान

शब्दार्थ

लँगोटी	-	धोती की तरह पहना जाने वाला छोटा लँगोट			
गमछा	-	अँगोछा	घायल	-	जख्मी
प्रारंभ	-	शुरू	चरखा	-	सूत कातने का यंत्र

संकलनात्मक एवं रचनात्मक मूल्यांकन

मौखिक

1. **पढ़िए और बोलिए–**

लँगोटी　　लाठियाँ　　खद्दर　　प्रारंभ　　नेहरू

2. **सोचकर बताइए–**

(क) नेहरू जी क्या पहनते थे?

(ख) स्वदेशी वस्तुओं को अपनाने के लिए क्यों कहा गया है?

(ग) नेहरू बना छोटे सीट छोड़कर क्यों भागा?

लिखित

1. **नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–**

(क) बच्चे कौन-सा खेल खेलने की बात कर रहे हैं?

....

(ख) जीजी को सरोजिनी बनने के लिए क्या चाहिए था?

....

(ग) सभा प्रारंभ हुई तो गांधी जी और नेहरू जी ने क्या कहा?

....

(घ) सरोजिनी जी ने अपने भाषण में क्या-क्या कहा?

....

2. नीचे दिए प्रश्नों के उपयुक्त उत्तर पर (✓) का चिह्न लगाइए–

(क) गांधी जी क्या पहनते थे?

(*i*) पैंट-कमीज़ ☐ (*ii*) कुर्ता-पाजामा ☐ (*iii*) लँगोटी-गमछा ☐

(ख) खेल में मोहन व लल्ली क्या बनने वाले थे?

(*i*) पुलिस ☐ (*ii*) नेता ☐ (*iii*) खिलाड़ी ☐

(ग) यह कविता किस काल को दर्शाती है?

(*i*) स्वतंत्रता संग्राम के ☐ (*ii*) मुगल साम्राज्य के ☐ (*iii*) स्वतंत्र भारत के ☐

3. लय-ताल मिलाइए–

खाऊँगा	जाओगे	चलवाओ ....
बहनो!	धागा	मचाएँ ....

भाषा ज्ञान

1. नीचे दिए शब्दों का वर्ण-विच्छेद कीजिए–

सभा – स् + अ + भ् + आ ....

गमछे – ....

पुलिस – ....

साड़ी – ....

मिठाई – ....

2. नीचे दिए शब्दों में 'गाड़ी' प्रत्यय लगाकर शब्द बनाइए–

जैसे – मोटर + गाड़ी = मोटरगाड़ी

घोड़ा + गाड़ी = ... बैल + गाड़ी = ...

रेल + गाड़ी = ... माल + गाड़ी = ...

डाक + गाड़ी = ... हाथ + गाड़ी = ...

3. **उचित विराम चिह्न लगाइए–**

> वाक्यों में विराम को प्रकट करने के लिए प्रयोग किए जाने वाले निश्चित चिह्नों को **विराम-चिह्न** कहते हैं; जैसे– पूर्ण विराम (।), प्रश्न वाचक चिह्न (?) आदि।

(क) लल्ली क्या तुम पुलिसवाली न बनोगी

(ख) नेहरू जी ने पूछा तुम क्या पहनोगे

(ग) अरे मोहन तुम झूठ-मूठ की मार खा लेना

(घ) सूत से धागा बनता है धागे से कपड़ा बनता है

(ङ) गांधी जी नेहरू जी सरोजिनी आदि की सभा हो रही थी

4. **काव्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए–**

बापू जी की बकरी मुझको कहते सारे लोग,
जो भी दूध पिएगा मेरा भाग जाएँगे रोग।
घास-पात या चना-चबैना जो मिल जाए खाऊँ,
चिकनी-चुपड़ी देख किसी की कभी न जी ललचाऊँ।

(क) किसकी बकरी है?

(*i*) पिता जी की ☐ (*ii*) बापू जी की ☐ (*iii*) गड़रिए की ☐

(ख) बकरी का दूध पीने से क्या होगा?

(*i*) रोग भाग जाएँगे ☐ (*ii*) बीमार हो जाएँगे ☐ (*iii*) मोटे हो जाएँगे ☐

(ग) बकरी का स्वभाव कैसा है?

(*i*) लालची ☐ (*ii*) स्वार्थी ☐ (*iii*) संतोषी ☐

(घ) काव्यांश से कोई तीन शब्द-युग्म ढूँढ़कर लिखिए–

....

(ङ) काव्यांश से कोई दो सर्वनाम शब्द ढूँढ़कर लिखिए–

....

कविता से आगे

- जब बच्चे सिनेमा देखकर आए तब क्या हुआ होगा?
- आपके विद्यालय में वेशभूषा प्रतियोगिता होती होगी। इस कविता को पढ़कर आप किस प्रसिद्ध व्यक्ति की वेशभूषा पहनना चाहेंगे? आपको उसके लिए क्या-क्या चाहिए?

नन्हे हाथों से

- चित्र देखकर 'फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता' का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए–

....

....

....

....

....

....

....

....

कुछ करने को

- अध्यापक/अध्यापिका की सहायता से कक्षा के सभी छात्र एक सभा का आयोजन करें। सभा में बच्चे वर्तमान समय के प्रसिद्ध नेताओं और मंत्रियों का रूप धारण करें तथा वर्तमान समय की समस्याओं पर विचार करके समाधान निकालें।

आप क्या करेंगे

- यदि कक्षा में किसी छात्र से आपका झगड़ा हो जाए और उसकी कॉपी गलती से आपके पास छूट जाए तो–

(क) उसकी कॉपी कहीं और छिपा देंगे। ☐

(ख) उसकी कॉपी फाड़ देंगे। ☐

(ग) उसकी कॉपी उसे लौटा देंगे। ☐

क्या आप जानते हैं?

(क) पृथ्वी का व्यास कितना है?

(*i*) 13 हजार किमी. ☐ (*ii*) 15 हजार किमी. ☐

(*iii*) 50 हजार किमी. ☐ (*iv*) 75 हजार किमी. ☐

(ख) पृथ्वी के कितने उपग्रह हैं?

(*i*) एक ☐ (*ii*) दो ☐

(*iii*) तीन ☐ (*iv*) चार ☐

(ग) जब सूर्य और चंद्रमा के बीच पृथ्वी आ जाती है तब कौन-सा ग्रहण लगता है?

(*i*) सूर्य ग्रहण ☐ (*ii*) चंद्र ग्रहण ☐

(*iii*) मंगल ग्रहण ☐ (*iv*) बुध ग्रहण ☐

(घ) पृथ्वी अपनी धुरी पर किस दिशा में घूमती है?

(*i*) पश्चिम से पूर्व ☐ (*ii*) पूर्व से पश्चिम ☐

(*iii*) उत्तर से पूर्व ☐ (*iv*) दक्षिण से पश्चिम ☐

(ङ) किस जानवर के काटने से रेबीज़ नामक रोग होता है?

(*i*) कुत्ता ☐ (*ii*) बिल्ली ☐

(*iii*) घोड़ा ☐ (*iv*) गधा ☐

(च) तपेदिक से बचाव हेतु कौन-सा टीका लगाया जाता है?

(*i*) बी॰सी॰जी॰ ☐ (*ii*) बी॰बी॰सी॰ ☐

(*iii*) ई॰सी॰जी॰ ☐ (*iv*) डी॰टी॰पी॰ ☐

(छ) स्कर्वी नामक रोग किस विटामिन की कमी से होता है?

(*i*) विटामिन ए ☐ (*ii*) विटामिन बी ☐

(*iii*) विटामिन सी ☐ (*iv*) विटामिन डी ☐

(ज) विटामिन 'ए' की कमी से होने वाला रोग जिसके कारण रात में स्पष्ट दिखाई नहीं देता कौन-सा है?

(*i*) रतौंधी ☐ (*ii*) स्कर्वी ☐

(*iii*) टाइफाइड ☐ (*iv*) पोलियो ☐

(झ) थर्मामीटर में कौन-सी धातु का प्रयोग होता है?

(*i*) पारा ☐ (*ii*) तांबा ☐

(*iii*) निकल ☐ (*iv*) लौह ☐

(ञ) दूध में कौन-सा पोषक तत्व प्रचूर मात्रा में पाया जाता है?

(*i*) मैग्निशियम ☐ (*ii*) कैल्शियम ☐

(*iii*) आयरन ☐ (*iv*) कॉपर ☐

(ट) समुद्र के जल को उबालकर सुखा दें तो शेष क्या बचेगा?

(*i*) ठोस जल ☐ (*ii*) मिट्टी ☐

(*iii*) नमक ☐ (*iv*) पारा ☐

(ठ) जीव विज्ञान की कौन-सी शाखा के अंतर्गत जीव-जंतुओं का अध्ययन किया जाता है?

(*i*) बोटनी ☐ (*ii*) जूलोजी ☐

(*iii*) फ्रेनोलोजी ☐ (*iv*) सीस्मोलोजी ☐

(ड) छोटी वस्तु को बड़ा करके दिखाने वाला यंत्र कौन-सा है?

(*i*) राडार ☐ (*ii*) टांसफार्मर ☐

(*iii*) सूक्ष्मदर्शी ☐ (*iv*) कैलकुलेटर ☐

(ढ) अंतरिक्ष से कौन-सी मानव निमित कृति स्पष्ट दिखाई देती है?

(*i*) कुतुबमीनार ☐ (*ii*) चीन की दीवार ☐

(*iii*) पीसा की मीनार ☐ (*iv*) ताजमहल ☐

14 शेर का न्याय

(दृश्य : एक)

पर्दे पर जंगल का दृश्य

शेर : मैं जंगल का राजा हूँ। हा! हा! हा!

(सभी जानवर डरकर पीछे हो जाते हैं। सामने शेर अकेला दिखाई देता है। अचानक गोली चलने की आवाज़ आती है। शेर गिरकर बेहोश हो जाता है। सभी जानवर डरकर भाग जाते हैं। दो शिकारी मंच पर आते हैं। एक के हाथ में बंदूक और दूसरे के हाथ में जाल है।)

बंदूक वाला शिकारी : लगता है, शेर बेहोश हो गया।

जाल वाला शिकारी : मैं इस पर जाल डाल देता हूँ, ताकि यह उठकर भाग न सके।

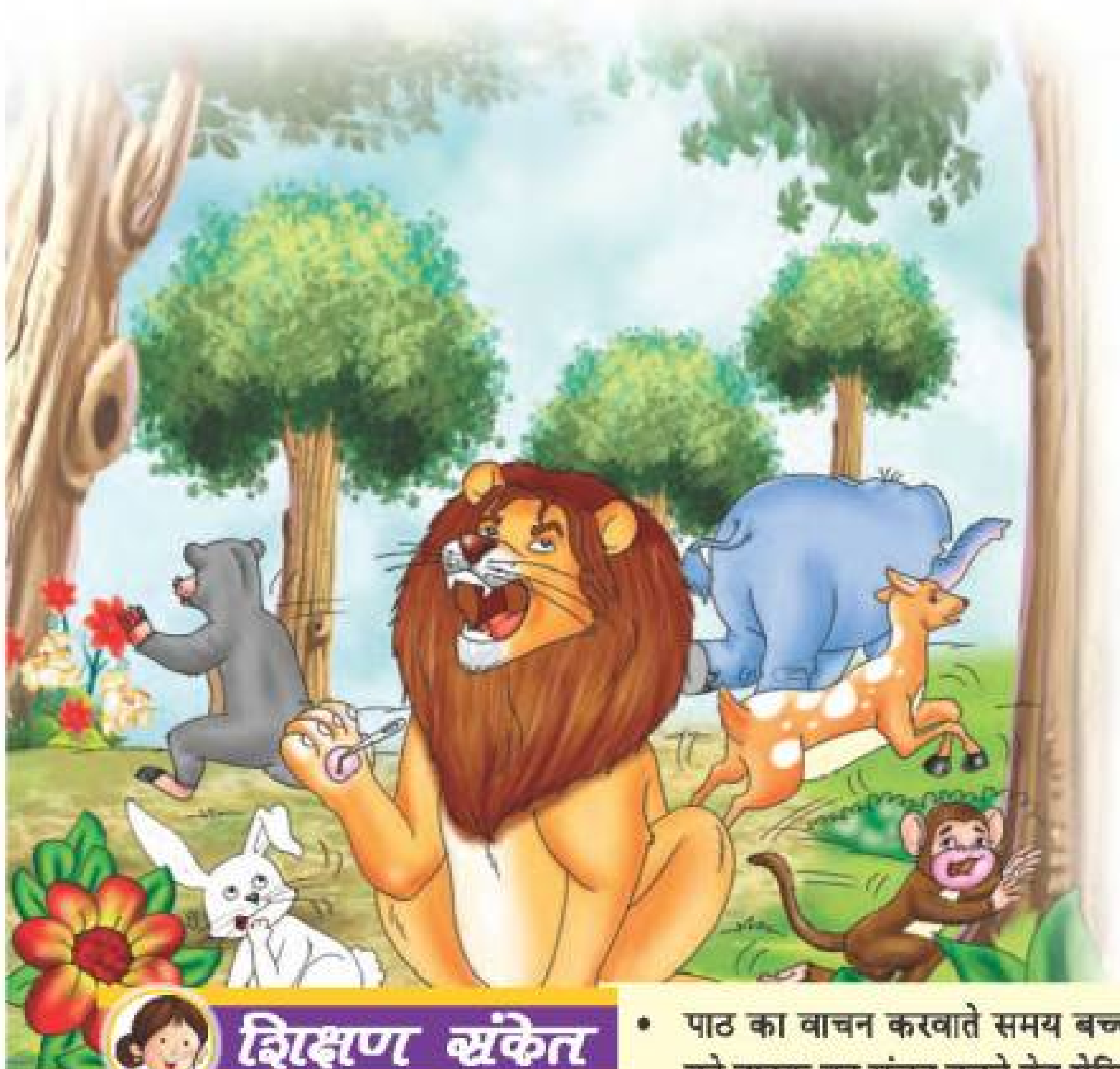

बंदूक वाला शिकारी : सुबह से शेर के शिकार के लिए भूखे-प्यासे जंगल में भटक रहे हैं। मुझे तो बहुत ज़ोर से भूख लगी है। थकान भी बहुत हो रही है। चलो, कुछ खा-पी आएँ। शेर तो बेहोश हो गया है, अब यह दो घंटे तक नहीं उठेगा।

जाल वाला शिकारी : हाँ-हाँ, चलो।

(दोनों शिकारी शेर को जाल में लपेटकर चले जाते हैं।)

शिक्षण संकेत

- पाठ का वाचन करवाते समय बच्चों को प्रकृति के असंतुलन के बारे में बताएँ। बच्चों को नाटक का मंचन करने हेतु प्रेरित करें।
- बच्चों को प्रकृति को हानि पहुँचाने वाले क्रियाकलापों के बारे में बताएँ।

(दृश्य : दो)

पर्दे पर बगीचे का दृश्य

(कुछ बच्चे तीन अध्यापकों के साथ आते हैं।)

अध्यापक : आज हम जंगल के समीप वाले पार्क में पिकनिक मनाने आए हैं। आप सब यहीं खेलो और हाँ! देखो, ज़्यादा दूर नहीं जाना। यहाँ पास में ही घना जंगल है, वहाँ बड़े खूँखार जानवर हैं। मयंक! ध्यान रखना, कोई बच्चा अकेला कहीं न जाए, समझे? *(यह कहकर अध्यापक अन्य साथियों के साथ घूमने चले जाते हैं।)*

छवि : चलो-चलो, आँख-मिचौली खेलते हैं।

अपर्णा : नहीं-नहीं, हम खज़ाना खोजने वाला खेल खेलेंगे।

मयंक : हाँ-हाँ, यही ठीक है।

(मयंक को एक कोने में खड़ा करके बच्चे कुछ कागज़ इधर-उधर छिपा देते हैं और स्वयं छिप जाते हैं। फिर मयंक को बुलाते हैं।)

छवि : *(घने जंगल को देखकर डरती हुई)* हम तो बहुत दूर आ गए।

अपर्णा : हाँ! लगता है, जंगल शुरू हो गया है।

(दृश्य : तीन)

पर्दे पर जंगल का दृश्य

छवि : अपर्णा! गुरु जी ने कहा था न, यहाँ बड़े-बड़े जानवर ... मुझे तो डर लग रहा है।

पारस : डरपोक कहीं की ......!

छवि : डरने की बात तो है ही।

अपर्णा : कहीं शेर आ गया तो ...?

पारस : अरे, मैं तो उसे छेड़ूँगा और कहूँगा– शेर भाई, शेरनी भाभी ने आपके लिए पिज़्ज़ा बनाया है; वह भी बटर-चिकन के साथ और आप यहाँ घूम रहे हैं? वह हमें खाने का विचार छोड़कर अपने घर की ओर दौड़ा चला जाएगा।

(लड़के सीना तानकर चलते हैं और लड़कियाँ उनके पीछे-पीछे डरती हुई चलती हैं।)

लड़के	:	वीर तुम बढ़े चलो, धीर तुम बढ़े चलो, सामने पहाड़ हो, सिंह की दहाड़ हो।
छवि	:	*(डरती हुई)* अरे! उधर देखो, सामने तो सचमुच सिंह है। *(अपर्णा डरकर छवि के पीछे छिप जाती है।)*
पारस	:	शेर ...? सचमुच का ...? *(डरता है।)*
मयंक	:	लेकिन यह तो जाल में फँसा है। लगता है, बेहोश है। (यह देखकर बच्चों को कुछ राहत मिलती है।)

छवि	:	*(दुख प्रकट करती हुई)* बेचारा! जंगल का राजा।
मयंक	:	चलो, इसका जाल खोल देते हैं। हमें इसकी रक्षा करनी चाहिए।
अपर्णा	:	नहीं-नहीं, शेर हमें ही खा जाएगा।
पारस	:	अरे! यह तो बेहोश है। (कैसे खा सकता है?)
सभी बच्चे	:	चलो, ठीक है। *(सभी जाल खोलने में एक-दूसरे की मदद करते हैं।)*
छवि	:	ज़रा सँभल के......।
अपर्णा	:	कहीं शेर जाग न जाए......। *(लड़के जाल खोल देते हैं। जाल खुलते ही शेर करवट लेने लगता है और धीरे-धीरे उठ जाता है। शेर दहाड़ता है और बच्चे डर जाते हैं।)*
शेर	:	अरे, ये तो मनुष्य के बच्चे हैं। उस मनुष्य जाति के जो हमारी जान की दुश्मन है। मैं इन्हें नहीं छोड़ूँगा। *(शेर दहाड़ता है। सभी बच्चे डरकर पीछे हट जाते हैं। शेर की दहाड़ सुनकर सभी जानवर मंच पर दौड़े-दौड़े आते हैं।)*

खरगोश : महाराज! ये तो मनुष्य के बच्चे हैं।

हिरन : मनुष्य तो अपने शौक और चंद पैसों के लिए हमें मार डालते हैं। हमारे बच्चों को अनाथ कर देते हैं और हमें संतानहीन।

हाथी : केवल हमारे दाँतों को पाने के लिए ये हमें मार डालते हैं। कुछ मनुष्य तो हमें गुलाम बनाकर हमसे भारी-भरकम गट्ठर भी उठवाते हैं।

बंदर : हमारे पूर्वजों ने इन मनुष्यों की कितनी सहायता की है, यह तो सारा जग जानता है।

शेर : तुम ठीक कहते हो। ये जानते हैं कि हम नरभक्षी हैं, फिर भी हमसे नहीं डरते! हमारी खाल के लिए हमें मार डालते हैं, हमें प्रदर्शन की वस्तु बनाकर चिड़ियाघर में कैद करके रखते हैं। हमारी स्वतंत्रता के शत्रु हैं ये मनुष्य।

खरगोश : महाराज, ये मनुष्य बहुत क्रूर होते हैं। इन्हें तो हम नन्हे-नन्हे कोमल खरगोशों पर भी दया नहीं आती। जब इनके बच्चों को हम मार डालेंगे, तब इन मनुष्यों को पता चलेगा कि कैसी होती है संतान की मृत्यु की पीड़ा?

वृक्ष : ईश्वर की संतानो! तुम ठीक ही कह रहे हो। इन मनुष्यों को ईश्वर ने थोड़ी-सी बुद्धि क्या दे दी, इन्होंने ईश्वर द्वारा रचित प्रकृति को भी नहीं छोड़ा। क्या धरती, क्या आकाश, क्या जल, क्या वायु, क्या पेड़-पौधे, सबको अपनी क्रूरता का शिकार बना लिया।

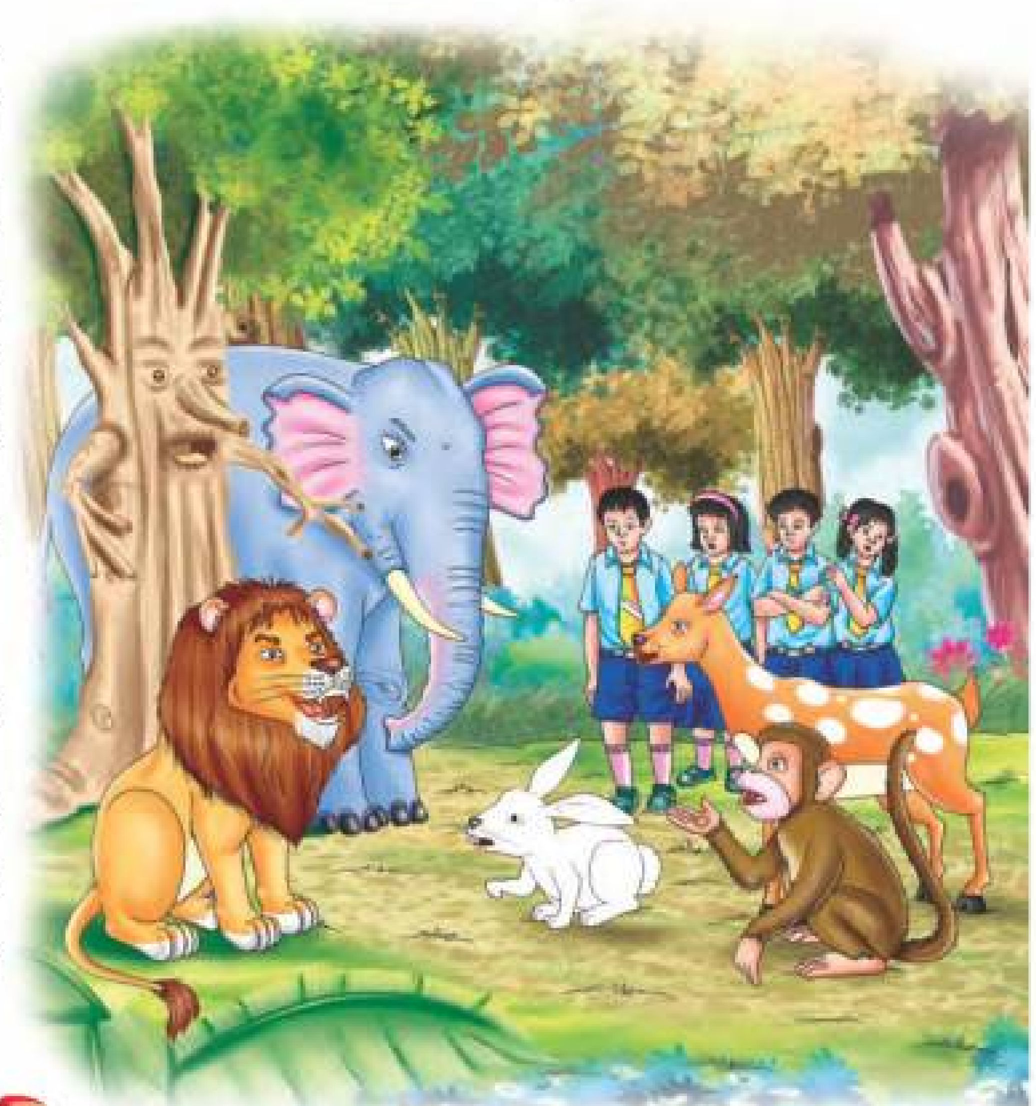

शेर : क्या आप लोगों को भी? आप तो इनके मित्र हैं, इनके पास रहकर अनेक प्रकार से इनकी सहायता करते हैं, फिर भी...?

वृक्ष : इसी बात का तो रोना है, वनराज! हम इन्हें जीने के लिए शुद्ध वायु देते हैं, फल-फूल देते हैं, कपड़ों के लिए रुई देते हैं, भवन के लिए लकड़ी देते हैं, ईंधन देते हैं, जड़ी-बूटी देते हैं, लेकिन ये कृतघ्न मनुष्य......।

हाथी : महाराज! ऐसे मनुष्यों के बच्चों को कदापि नहीं छोड़ना चाहिए।

हिरन : हाँ-हाँ, महाराज! इन्हें मार डालिए।

खरगोश : महाराज! ऐसा मौका फिर कभी हाथ नहीं आएगा, इन्हें मत छोड़िए।

वृक्ष : नहीं, वनराज! आप जंगल के राजा हैं। राजा कभी अन्याय नहीं करता। ये मनुष्य तो अत्याचारी हैं, हिंसक हैं, निर्दोष पशु-पक्षियों एवं वृक्षों पर अत्याचार करते हैं, लेकिन आप ऐसे न बनिए, वरना आप में और इस मनुष्य जाति में क्या अंतर रह जाएगा?

हिरन : लेकिन हमें तो मनुष्य जाति से बदला लेना है। इससे अच्छा मौका और कब मिलेगा?

शेर : आप सब शांत हो जाइए। मैं जंगल का राजा हूँ, मुझे शत्रुता-मित्रता की भावना को त्यागकर न्याय करना होगा। मैंने उचित-अनुचित पर बहुत सोच-विचारकर यह निर्णय लिया है कि बच्चों को छोड़ दिया जाए। ये छोटे-छोटे निश्छल बच्चे हैं। ये अपने घर और विद्यालय जाकर हमारी दुख भरी कहानी सुनाएँगे। शायद कुछ लोगों तक हमारी पीड़ा पहुँच जाए और वे अपने अत्याचारी स्वभाव को बदल दें।

वृक्ष : धन्य हैं आप वनराज! आप न्यायकुशल हैं, इसलिए तो सदा-सदा से आप ही जंगल के राजा माने जाते हैं।

सभी जानवर : महाराज की जय हो! वनराज की जय हो! *(सभी बच्चे वापस चले जाते हैं।)*

शब्दार्थ

खूँखार	–	हिंसक, निर्दयी	संतानहीन	–	बिना संतान/औलाद के
प्रदर्शन	–	दिखावा	क्रूर	–	कठोर
कृतघ्न	–	किए गए उपकार को न मानने वाला			
अत्याचार	–	जुल्म	अनुचित	–	बुरा
निश्छल	–	छल के बिना			

इन्हें ऐसे भी लिख सकते हैं–

गद्ठर – गट्ठर   बुद्धि – बुद्धि   द्वारा – द्वारा

संकलनात्मक एवं रचनात्मक मूल्यांकन

मौखिक

1. पढ़िए और बोलिए–

पूर्वज   ध्यान   मनुष्य   गद्ठर   प्रदर्शन   निर्दोष

2. सोचकर बताइए–

(क) शेर बेहोश क्यों हो गया था?

(ख) बच्चे शेर के पास कैसे पहुँचे?

(ग) वृक्ष ने शेर को क्या समझाया?

लिखित

1. नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(क) अध्यापक बच्चों को पिकनिक मनाने के लिए कहाँ लेकर गए थे?

....

....

(ख) बच्चों द्वारा शेर का जाल खोलने पर क्या हुआ?

....

....

(ग) जानवर मनुष्यों के बारे में क्या कह रहे थे और क्यों?

....

....

(घ) वृक्षों से हमें क्या-क्या मिलता है?

....

....

(ङ) शेर ने बच्चों को क्यों छोड़ दिया?

....

....

2. नीचे दिए प्रश्नों के उपयुक्त उत्तर पर (✓) का चिह्न लगाइए–

(क) बच्चों ने कौन-सा खेल खेलने का निश्चय किया?

(*i*) आँख-मिचौली ☐ (*ii*) खज़ाना खोज ☐ (*iii*) पिट्ठू ☐

(ख) मनुष्य जानवरों को बंदी बनाकर कहाँ रखता है?

(*i*) चिड़ियाघर में ☐ (*ii*) जंगल में ☐ (*iii*) पार्क में ☐

(ग) मनुष्य ने अपने स्वार्थ के लिए किसको नहीं छोड़ा?

(*i*) आकृति को ☐ (*ii*) प्रकृति को ☐ (*iii*) विकृति को ☐

(घ) वृक्ष ने मनुष्य को क्या माना?

(*i*) परोपकारी ☐ (*ii*) कृतज्ञ ☐ (*iii*) कृतघ्न ☐

(ङ) हिरन मनुष्यों से क्या लेना चाहता था?

(*i*) अधिकार ☐ (*ii*) बदला ☐ (*iii*) भोजन ☐

3. नीचे दिए शब्दों की सहायता से रिक्त स्थान भरिए–

अन्याय, भूखे-प्यासे, स्वतंत्रता, ईश्वर, चंद पैसों

(क) शिकारी शेर के शिकार के लिए .... जंगल में भटकते रहे।

(ख) मनुष्य .... के लिए जानवरों को मार डालते हैं।

(ग) मनुष्य जानवरों की .... के शत्रु हैं।

(घ) मनुष्य ने .... द्वारा रचित प्रकृति को भी नहीं छोड़ा।

(ङ) जंगल का राजा कभी .... नहीं करता।

4. किसने, किससे कहा–

	किसने कहा	किससे कहा
(क) "महाराज! ये तो मनुष्य के बच्चे हैं।"	....	....
(ख) "ईश्वर की संतानो! तुम ठीक ही कह रहे हो।"	....	....
(ग) "महाराज! ऐसे मनुष्य के बच्चों को कदापि नहीं छोड़ना चाहिए।"	....	....
(घ) "आप सब शांत हो जाइए।"	....	....

भाषा ज्ञान

1. नीचे दिए शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

शत्रुता	–	अनाथ	– ....
उचित	–	क्रूर	– ....
उपकार	–	अन्याय	– ....
निश्छल	–	निर्दोष	– ....

2. भाववाचक संज्ञा से विशेषण शब्द बनाइए–

भूख	– भूखा	अत्याचार	– ....
दुख	–	बुढ़ापा	– ....
डर	–	मधुरता	– ....

3. **नीचे दिए वाक्यों में संज्ञा शब्दों पर ◯ लगाइए तथा क्रिया शब्दों को रेखांकित कीजिए–**

(क) शेर तो बेहोश हो गया।

(ख) आज हम पिकनिक मनाने आए हैं।

(ग) मयंक को सभी बच्चे बुलाते हैं।

(घ) लड़के सीना तानकर चलते हैं।

(ङ) जानवरों को चिड़ियाघर में कैद कर देते हैं।

(च) राजा कभी अन्याय नहीं करता।

4. **नीचे दिए वाक्यों में विराम चिह्न लगाइए–**

आज हम जंगल के समीप वाले पार्क में पिकनिक मनाने आए हैं ☐ आप सब यहीं खेलो और हाँ ☐ देखो ☐ ज़्यादा दूर नहीं जाना ☐ यहाँ पास में ही घना जंगल है ☐ वहाँ बड़े खूँखार जानवर हैं ☐

एकांकी से आगे

- यदि शेर मनुष्य के बच्चों को नहीं छोड़ता तो क्या होता?
- आप भी अपने विद्यालय की ओर से पिकनिक पर जाते होंगे। कुछ प्रसिद्ध पिकनिक स्थलों के नाम बताइए।

कुछ करने को

- हमारे देश में पशु-पक्षियों को संरक्षित करने के लिए कई अभ्यारण्य हैं। ऐसे अभ्यारण्यों की सूची रंगीन कागज़ पर बनाकर कक्षा में लगाइए।
- विभिन्न पशु-पक्षियों के आचार-व्यवहार की जानकारी एकत्र करके एक प्रोजेक्ट तैयार कीजिए।

नन्हे हाथों से

- क्या-क्या गलत हो रहा है, चित्र देखकर लिखिए–

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

आप क्या करेंगे

- यदि पड़ोसी का पिल्ला गलती से आपके घर आ जाए तो–
  (क) उसे अपने घर में छिपा लेंगे। ☐
  (ख) उसे पड़ोसी के घर छोड़ आएँगे। ☐
  (ग) उसके साथ तब तक खेलेंगे जब तक पड़ोसी उसे ढूँढ़ते हुए स्वयं आपके घर न आ जाए। ☐
- यदि पड़ोसी का कुत्ता आप पर भौंके तो–
  (क) उससे डरकर रहेंगे। ☐
  (ख) उसकी परवाह नहीं करेंगे। ☐
  (ग) बंधे होने पर उसे तंग करेंगे। ☐

15 चंद्रशेखर वेंकटरमन

चंद्रशेखर वेंकटरमन का जन्म 7 नवंबर, 1888 को तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली जिले के अय्यनपेटै गाँव में हुआ था। उनके पिता चंद्रशेखर अय्यर थे। माँ का नाम पार्वती अय्यर था, वह एक गृहिणी थी। रमन बचपन से ही पढ़ाई में सर्वश्रेष्ठ थे। कक्षा में उनके द्वारा पूछे गए प्रश्नों पर अध्यापक चकित रह जाते थे। 1930 में उन्हें नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया। नोबेल पुरस्कार पाने वाले रमन पहले भारतीय एवं पहले एशियाई वैज्ञानिक थे।

विद्यार्थी जीवन से ही रमन अत्यधिक जिज्ञासु प्रवृत्ति के थे। मात्र सोलह वर्ष की अवस्था में ही उन्होंने भौतिक विज्ञान में नई खोज कर ली थी। जब प्रकाश के गुणों से संबंधित उनका लेख लंदन से प्रकाशित हुआ तो उनकी कीर्ति चारों ओर फैल गई।

सन 1921 में रमन को शिकागो में हुई विश्वविद्यालय कॉन्फ्रेंस में कोलकाता विश्वविद्यालय के प्रतिनिधि के रूप में भेजा गया था। कॉन्फ्रेंस से लौटते समय रमन का ध्यान समुद्र के पानी की ओर गया। उन्होंने प्रिज़्म से झाँककर देखा तो पाया कि समुद्र का रंग आकाश के प्रभाव से नीला नहीं है, अपितु पानी के भीतर से नीलिमा झलकती है।

वहाँ से लौटकर रमन ने प्रकाश के प्रभावों पर विचार करना शुरू कर दिया। निरंतर अनुसंधान करके उन्होंने इस बात को सिद्ध कर दिया कि अलग–अलग माध्यमों से गुजरने पर प्रकाश की

शिक्षण संकेत

- बच्चों को चंद्रशेखर वेंकटरमन के बारे में बताएँ। जिज्ञासु प्रवृत्ति के कारण ही वेंकटरमन इतने बड़े वैज्ञानिक बन सके। बच्चों को जिज्ञासु बनने के लिए उत्साहित करें।
- बच्चों से आसपास की वस्तुओं से जुड़े क्या, क्यों, कैसे आदि प्रश्न पूछें। बच्चों के मस्तिष्क में यदि ऐसे प्रश्न स्वतः ही उठेंगे तभी वे कुछ नया कर सकेंगे, ऐसा उन्हें समझाएँ।

किरणों का रूप बदल जाता है। नेचर पत्रिका में 'प्रकाश के प्रभाव' पर छपे लेख से दुनियाभर में इस खोज की धूम मच गई। इसके लिए उन्हें 1930 में विश्व के सर्वोच्च सम्मान 'नोबेल पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। प्रकाश प्रभाव को 'रमन प्रभाव' के नाम से भी जाना जाता है।

रमन को भारतीय होने पर गर्व था। उन्होंने नवीनतम खोजों के लिए भारत के युवा वैज्ञानिकों को प्रेरित करने और उनका मार्गदर्शन करने में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया। सन 1954 में उन्हें 'भारत रत्न' की उपाधि से सम्मानित किया गया। भारतीय युवा वैज्ञानिकों के प्रेरणा-स्रोत रमन 21 नवंबर, 1970 को दुनिया को अलविदा कह सदा के लिए अमर हो गए।

शब्दार्थ

सर्वश्रेष्ठ	-	सबसे अच्छा	सम्मानित करना	-	आदर प्रदान करना
जिज्ञासु	-	जानने का इच्छुक	कीर्ति	-	ख्याति, प्रसिद्धि
सर्वोच्च	-	सबसे ऊँचा	प्रेरित करना	-	प्रोत्साहित करना
मार्गदर्शन करना	-	राह दिखाना			

संकलनात्मक एवं रचनात्मक मूल्यांकन

मौखिक

1. पढ़िए और बोलिए–

तिरुचिरापल्ली अय्यनपेटै वैज्ञानिक प्रवृत्ति कॉन्फ्रेंस

2. सोचकर बताइए–

(क) वेंकटरमन किस प्रवृत्ति के थे?

(ख) कोलकाता विश्वविद्यालय की ओर से रमन को कहाँ भेजा गया था?

(ग) विश्व का सर्वोच्च सम्मान कौन-सा है?

लिखित

1. नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(क) चंद्रशेखर वेंकटरमन का जन्म कब और कहाँ हुआ था?

....

....

(ख) चंद्रशेखर वेंकटरमन को नोबेल पुरस्कार क्यों दिया गया था?

....

....

(ग) वेंकटरमन द्वारा 'प्रकाश प्रभाव' पर की गई खोज को किस नाम से जाना जाता है?

....

....

(घ) वेंकटरमन युवा वैज्ञानिकों के प्रेरणा-स्रोत क्यों माने जाते हैं?

....

....

2. सही शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए–

गर्व, भारतीय, मार्गदर्शन, लंदन, रमन प्रभाव

(क) वेंकटरमन नोबेल पुरस्कार पाने वाले पहले .... थे।

(ख) वेंकटरमन का प्रकाश संबंधित लेख .... से प्रकाशित हुआ था।

(ग) प्रकाश प्रभाव को .... के नाम से भी जाना जाता है।

(घ) रमन को भारतीय होने पर .... था।

(ङ) वेंकटरमन ने युवा वैज्ञानिकों का .... किया।

3. उचित मिलान कीजिए–

(क) नोबेल पुरस्कार	1954 में
(ख) विश्वविद्यालय कॉन्फ्रेंस	नेचर पत्रिका में
(ग) प्रकाश के प्रभाव पर लेख छपा	1970 में
(घ) भारतरत्न	1930 में
(ङ) स्वर्गवास	शिकागो में

भाषा ज्ञान

1. नीचे दिए शब्दों के समानार्थक शब्द लिखिए–

पुरस्कार	……………………	पहला	……………………
समुद्र	……………………	पिता	……………………
अध्यापक	……………………	प्रकाश	……………………

समान अर्थ वाले शब्दों को समानार्थी या पर्यायवाची शब्द कहते हैं; जैसे–पानी, जल आदि।

2. कोष्ठक में दिए शब्दों के विलोम शब्द भरकर वाक्य पूरे कीजिए–

(क) गुरु द्रोणाचार्य ने ……………… का बदला पांडवों के द्वारा लिया। (सम्मान)

(ख) समुद्र के ……………… रत्नों का भंडार है। (बाहर)

(ग) रमन ……………… खोजों के लिए युवा वैज्ञानिकों को प्रेरित करते थे। (प्राचीनतम)

(घ) रमन को ……………… प्रभाव की खोज के लिए नोबेल पुरस्कार दिया गया। (अंधकार)

जीवनी से आगे

- नोबेल पुरस्कार किन-किन क्षेत्रों में और क्यों दिए जाते हैं?
- यदि वेंकटरमन जिज्ञासु प्रवृत्ति के नहीं होते तो क्या होता?

नन्हे हाथों से

- **चित्र देखकर कुछ वाक्य लिखिए–**

....

....

....

....

....

....

....

कुछ करने को

- नोबेल पुरस्कार से सम्मानित भारतीयों के चित्र अपनी प्रोजेक्ट फाइल में लगाइए।
- अध्यापक/अध्यापिका की सहायता से कक्षा को दो समूहों में बाँटिए। एक समूह आविष्कार का नाम बोलेगा, दूसरा समूह आविष्कारक का नाम बताएगा। अंक देते हुए बारी-बारी से सबको अवसर देकर प्रतियोगिता का आनंद उठाइए।

आप क्या करेंगे

- **यदि कक्षा में कोई छात्र नई व अनोखी वस्तु लेकर आए तो–**
  - (क) उसे चुराकर अपने घर ले जाएँगे। ☐
  - (ख) माता-पिता से हठ करके, वही वस्तु खरीदकर कक्षा में लाएँगे। ☐
  - (ग) छात्र से थोड़ी देर के लिए लेकर उसे देखेंगे, फिर लौटा देंगे। ☐
- **यदि पढ़ाई में कमज़ोर छात्र आपसे मदद माँगे तो–**
  - (क) उसका मज़ाक उड़ाएँगे। ☐
  - (ख) उसे समझाने का पूरा प्रयास करेंगे। ☐
  - (ग) कोई बहाना बनाकर टाल देंगे। ☐

16 रोमी की डायरी

1 अप्रैल, 20......

डिज़नीलैंड देखना हर बच्चे का सपना होता है। मैं भी वहाँ जाना चाहती थी। एक बार पिता जी को ऑफिस के कार्य से लॉस एंजिल्स जाना पड़ा। बस! फिर क्या था? हमें भी वहाँ जाने का अवसर मिल गया और मेरा वर्षों का सपना भी पूरा हो गया। मैं, भाई और माँ-पिता जी सब डिज़नीलैंड घूमने गए। पिता जी ने बताया कि डिज़नीलैंड पार्क वॉल्ट डिज़नी के प्रयासों की देन है। एक दिन डिज़नी अपनी दोनों बेटियों डायना और शेरॉन के साथ ग्रिफ़िथ पार्क घूमने गए। वहाँ से लौटते समय उनके मन में विचार आया कि एक ऐसे पार्क का निर्माण किया जाना चाहिए जिसमें बच्चे और बड़े मिलकर आनंद ले सकें। तब से डिज़नीलैंड का सपना साकार रूप लेने लगा। 18 जुलाई, 1995 को डिज़नीलैंड आम जनता के मनोरंजन के लिए पहली बार खोला गया। उस दिन लगभग पचास हज़ार लोगों ने इस काल्पनिक दुनिया का आनंद लिया था। तब से इसे देखने वालों का तांता लगा ही रहता है।

वहाँ पहुँचकर हमने सबसे पहले 'टून टाउन' में मिकी और मिनी का विशाल घर देखा। सिंडरेला से हमने ऑटोग्राफ लिए और उसके साथ फोटो भी खिंचवाए। वहाँ पर घूमती बेल्ला, स्नोव्हाइट और एरियल बहुत ही सुंदर लग रही थीं। 'टिगर' की हँसाने वाली उछल-कूद ने

शिक्षण संकेत

- इस पाठ में एक छोटी लड़की 'रोमी' की डायरी का पन्ना दिया गया है। बच्चों से पूछें कि उन्हें रोमी की डायरी कैसी लगी?
- बच्चों को डायरी में अपने मन की बात लिखने को प्रेरित करें। जो बच्चा कोई अच्छी बात लिखे, उसकी डायरी को पढ़कर कक्षा में सुनाएँ जिससे अन्य बच्चों को डायरी लिखने की प्रेरणा मिल सके।

सबको हँसा-हँसाकर लोटपोट कर दिया। फिर हमने कई राइड्स का आनंद लिया। 'रोलर कोस्टर' में तो सभी बच्चे चीखने-चिल्लाने लगे। मैं भी बहुत डर गई थी। मेरा छोटा भाई हँसी तो रोने लगा था। मैंने डिज़नीलैंड जैसी जगह कहीं नहीं देखी। वहाँ घूमकर हमें बड़ा मज़ा आया। मैं तो कहना चाहती हूँ कि हर बच्चे को एक बार डिज़नीलैंड अवश्य जाना चाहिए।

शब्दार्थ

प्रयास	–	कोशिश	निर्माण करना	–	बनाना, रचना करना
विशाल	–	बड़ा	ऑटोग्राफ़	–	हस्ताक्षर, दस्तखत

संकलनात्मक एवं रचनात्मक मूल्यांकन

मौखिक

1. पढ़िए और बोलिए–

ऑफ़िस लॉस एंजिल्स डिज़नीलैंड वॉल्ट डिज़नी

2. सोचकर बताइए–

(क) रोमी को डिज़नीलैंड देखने का अवसर कैसे मिला?

(ख) डिज़नीलैंड का निर्माण क्यों किया गया?

(ग) 'हर बच्चे को एक बार डिज़नीलैंड अवश्य जाना चाहिए।' रोमी ने ऐसा क्यों कहा?

लिखित

1. नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(क) रोमी कहाँ जाना चाहती थी?

....

(ख) डिज़नीलैंड पार्क किसने बनवाया?

....

(ग) रोमी ने डिज़नीलैंड में क्या-क्या देखा?

....

....

(घ) रोमी बच्चों से क्या कहना चाहती है?

....

....

2. नीचे दिए वाक्यों के सामने सही (✓) अथवा गलत (✗) का चिह्न लगाइए–

(क) रोमी लॉस एंजिल्स जाना चाहती थी। ☐

(ख) वॉल्ट डिज़नी ने डिज़नीलैंड का निर्माण करवाया था। ☐

(ग) डिज़नीलैंड काल्पनिक दुनिया का साकार रूप है। ☐

(घ) डिज़नीलैंड केवल बच्चों के घूमने का स्थान है। ☐

3. नीचे दिए प्रश्नों के उपयुक्त उत्तर पर (✓) का चिह्न लगाइए–

(क) डायना और शेरॉन के पिता का क्या नाम था?

(*i*) लॉस एंजिल्स ☐ (*ii*) वॉल्ट डिज़नी ☐ (*iii*) मिकी ☐

(ख) रोमी ने किसके ऑटोग्राफ लिए?

(*i*) एरियल के ☐ (*ii*) स्नोव्हाइट के ☐ (*iii*) सिंडरेला के ☐

(ग) कहाँ बैठकर सभी बच्चे चीखने-चिल्लाने लगे थे?

(*i*) रोलर कोस्टर में ☐ (*ii*) स्नोफॉल में ☐ (*iii*) गुफा में ☐

भाषा ज्ञान

1. नीचे दिए वाक्यों में सर्वनाम शब्दों पर ◯ लगाइए–

(क) मैं भी डिज़नीलैंड जाना चाहती थी।

(ख) हमें भी वहाँ जाने का अवसर मिल गया।

(ग) हमने 'टून टाउन' में मिकी और मिनी का विशाल घर देखा।

(घ) मेरा छोटा भाई हँसी तो रोने लगा था।

2. नीचे दिए शब्दों से वाक्य बनाइए–

आनंद ....

मनोरंजन ....

डिज़नीलैंड ....

विशाल ....

डायरी से आगे

- यदि आपको डिज़नीलैंड जाने का अवसर मिले तो आप किसके साथ जाना चाहेंगे?
- टेलीविज़न में दिखाए जाने वाले कार्टून कार्यक्रम के पात्रों को सामने देखकर रोमी को कैसा लगा होगा?

नन्हे हाथों से

- **चित्र देखकर कुछ वाक्य लिखिए–**

कुछ करने को

- आपने कभी कुछ नया या अच्छा किया हो तो उस समय मन में उठे भावों को डायरी में लिखिए।
- किसी प्रसिद्ध व्यक्ति के हस्ताक्षर लेना ऑटोग्राफ़ कहलाता है। अपने सहपाठियों के ऑटोग्राफ़ अपनी डायरी में लीजिए और उनसे कहिए कि वे आपके बारे में एक पंक्ति लिखें। फिर देखिए कि आपके मित्र आपके बारे में क्या सोचते हैं?

आप क्या करेंगे

- **यदि कोई अजनबी आपको आपकी मनपसंद जगह ले जाने को कहे तो–**

  (क) उसके साथ चले जाएँगे। ☐

  (ख) जाने से मना कर देंगे। ☐

  (ग) अपने माता-पिता को इसके बारे में बताएँगे। ☐

- **आप घूमने के लिए कहीं जाना चाहते हैं। अपनी इच्छा पूरी करने के लिए आप–**

  (क) हठ करके माता-पिता से अपनी बात मनवा लेंगे। ☐

  (ख) अपनी इच्छा माता-पिता को बताकर उचित अवसर की प्रतीक्षा करेंगे। ☐

  (ग) माता-पिता को बिना बताए मित्रों के साथ चले जाएँगे। ☐

17 बकासुर का वध

पुराने समय की बात है, जब युधिष्ठिर जुए में अपना सब कुछ हार गए तो शर्त के अनुसार उन्हें बारह वर्ष का वनवास और एक वर्ष का अज्ञातवास मिला। अज्ञातवास में पाँचों पांडव वेश बदलकर माँ कुंती के साथ किसी गाँव में एक ब्राह्मण के घर ब्राह्मण के भेस में रहने लगे। दिनभर में वे जो भी भिक्षा माँगकर लाते उसे मिल-बाँटकर खा लेते।

एक दिन जब पांडव सोकर उठे तो उन्हें ब्राह्मणी और उसके परिवार के सदस्यों के रोने की आवाज़ सुनाई दी। कुंती ने जाकर देखा कि ब्राह्मणी तरह-तरह के पकवान बना रही थी और रो रही थी। ब्राह्मण भी सिर पकड़े आँसू बहा रहा था। बच्चे भी पिता से लिपटकर रो रहे थे।

कुंती ने ब्राह्मणी से पूछा, "बहन! क्या कारण है कि रो रही हो और पकवान भी बना रही हो?" ब्राह्मणी कुछ न बोली तो ब्राह्मण ने कहा, "इस गाँव के बाहर बकासुर नाम का एक राक्षस रहता है। वह लोगों को पकड़-पकड़कर खा जाता था। तब गाँव के लोगों ने उससे निवेदन किया कि वह हमें इस तरह न खाए। हम उसके भोजन की व्यवस्था स्वयं कर देंगे। तब से यह नियम बन गया कि हर सप्ताह एक आदमी

शिक्षण संकेत

- बच्चों को महाभारत की कथा से संबंधित जानकारी दें।
- बच्चों को समझाएँ कि किसी भी परिस्थिति में धैर्य नहीं खोना चाहिए।

बैलगाड़ी में ढेर सारे पकवान भरकर उसके पास ले जाता है। राक्षस के पास जो आदमी भोजन लेकर जाता है, राक्षस उसे और दोनों बैलों को मारकर खा जाता है। बारी-बारी से प्रत्येक घर से एक सदस्य जाता है। दुर्भाग्यवश आज मेरी बारी है। मेरे बाद मेरे बच्चों का क्या होगा? यह सोचकर मेरे प्राण स्वत: ही निकलने को आतुर हो रहे हैं।"

"भगवान पर भरोसा रखिए, सब ठीक हो जाएगा।" यह सांत्वना देकर कुंती अपने कक्ष में लौट आई। कुछ सोच-विचारकर वह भीम से बोली, "पुत्र! ब्राह्मण का ऋण उतारने का अच्छा अवसर मिला है।" यह कहकर उसने पांडवों को सारी बात बता दी। भीम बहुत बलवान था। कितने ही राक्षसों को उसने मृत्यु के घाट उतार दिया था। वह प्रसन्न होकर बोला, "ठीक है, माँ! आज भोजन लेकर मैं जाऊँगा। इसी बहाने भरपेट भोजन भी मिलेगा।" सभी पांडवों से विचार-विमर्श करके कुंती ने ब्राह्मण से कहा, "आपके स्थान पर आज मेरा बेटा भीम भोजन लेकर जाएगा।" यह सुनकर ब्राह्मण बोला, "नहीं-नहीं, आप सब मेरे अतिथि हैं और अतिथि भगवान का रूप होते हैं। मैं आपके पुत्र को मौत के मुँह में कैसे भेज सकता हूँ?" जब कुंती ने उन्हें आश्वासन दिया तो ब्राह्मण परिवार ने प्रसन्नतापूर्वक भीम को पकवानों से भरी बैलगाड़ी के साथ विदा कर दिया।

भीम पकवानों से भरी गाड़ी को लेकर गाँव के बाहर पहुँचा। पकवानों की सुगंध से वह स्वयं को रोक न सका और सीमा के पार पहुँचते ही पकवान खाने लगा। राक्षस की गुफा गाँव के बाहर थी। पकवानों की सुगंध लेते हुए वह गुफा से बाहर आया।

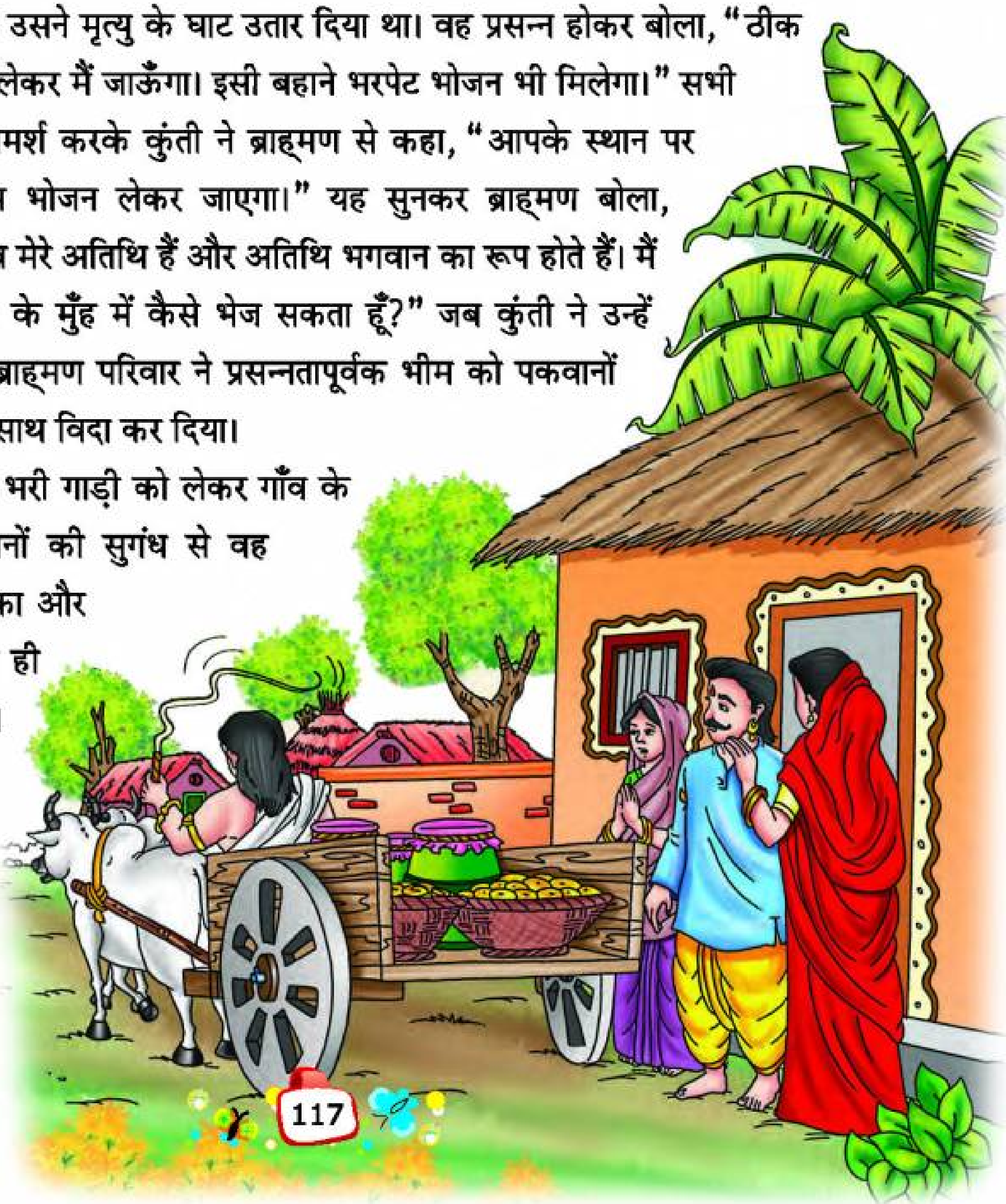

भीम बड़े आराम से स्वादिष्ट व्यंजनों का मज़ा ले रहा था। अपने लिए आए भोजन को किसी अन्य द्वारा खाता देखकर राक्षस को क्रोध आ गया। वह गुस्से से पैर पटकता हुआ भीम के सामने आकर खड़ा हो गया। भीम निडरता से भोजन करता रहा। भीम की कोई प्रतिक्रिया न देख राक्षस का क्रोध और बढ़ गया। उसने भीम के सिर पर घूँसा दे मारा परंतु भीम दूसरी ओर मुँह घुमाकर बैठ गया और पकवान खाने लगा। राक्षस ने उसकी पीठ पर कई घूँसे मारे। फिर भी कोई असर न हुआ। जैसे

ही राक्षस ने उसे उठाकर पटकना चाहा, भीम ने राक्षस के मुँह पर एक लात जमा दी। बकासुर दूर जाकर गिरा। अपने सींगों से मारने के लिए वह तेज़ी से उठकर भीम की ओर दौड़ा। भीम फुर्ती से हट गया, बकासुर पेड़ से जा टकराया और उसका एक सींग टूट गया।

अब भीम उठकर खड़ा हो गया और कहने लगा, "मैं पहले अपनी क्षुधा शांत करना चाहता था लेकिन तुमने मेरे भोजन में विघ्न डालकर अच्छा नहीं किया। अब मैं पहले तुम्हीं से निपटता हूँ, भोजन बाद में कर लूँगा।" फिर तो भीम ने उसे पटक-पटककर ज़मीन पर दे मारा। राक्षस गुर्राया, चिल्लाया और भीम को मारने का भरसक प्रयास किया, पर भीम के सामने उसकी एक न चली। काफी परिश्रम के बाद अंततः भीम ने उसे मार गिराया। फिर उसके शव को गाँववालों के सामने लाकर पटक दिया। राक्षस को मरा हुआ देखकर सभी गाँववाले प्रसन्नता से उछल पड़े। गाँववालों ने कुंती और उसके पुत्रों को आशीष और धन्यवाद दिया।

शब्दार्थ

अज्ञातवास	- गुप्तवास, छिपकर रहना	**दुर्भाग्यवश**	- बदकिस्मती के कारण	**भरोसा**	- विश्वास
फुर्ती	- तेज़ी	**क्षुधा**	- भूख	**आशीष**	- आशीर्वाद

संकलनात्मक एवं रचनात्मक मूल्यांकन

मौखिक

1. पढ़िए और बोलिए—

पांडव भिक्षा बैलगाड़ी दुर्भाग्यवश अतिथि

2. सोचकर बताइए—

(क) पांडवों को कितने वर्षों का वनवास मिला था?

(ख) ब्राह्मणी क्यों रो रही थी?

(ग) लोग राक्षस के पास पकवान लेकर क्यों जाते थे?

लिखित

1. नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

(क) पांडवों को वनवास क्यों जाना पड़ा?

....

....

(ख) कुंती ने भीम को राक्षस के पास क्यों भेजा?

....

....

(ग) भीम प्रसन्न क्यों हो रहा था?

....

(घ) गाँव की सीमा के पार जाते ही भीम ने क्या किया?

....

....

(ङ) गाँववालों की प्रसन्नता का क्या कारण था?

....

....

2. किसने, किससे कहा–

	किसने कहा	किससे कहा
(क) "बहन! क्या कारण है कि रो रही हो और पकवान भी बना रही हो।"	....	....
(ख) "दुर्भाग्यवश आज मेरी बारी है।"	....	....
(ग) "तुमने मेरे भोजन में विघ्न डालकर अच्छा नहीं किया।"	....	....

3. नीचे दिए प्रश्नों के उपयुक्त उत्तर पर (✓) का चिह्न लगाइए–

(क) अज्ञातवास में पांडव किस रूप में रह रहे थे?

(*i*) राजा के ☐ (*ii*) ब्राह्मण के ☐ (*iii*) भिक्षुक के ☐

(ख) राक्षस का क्या नाम था?

(*i*) बकासुर ☐ (*ii*) भस्मासुर ☐ (*iii*) टकासुर ☐

(ग) राक्षस कहाँ रहता था?

(*i*) महल में ☐ (*ii*) गुफा में ☐ (*iii*) गाँव में ☐

(घ) बकासुर का वध किसने किया?

(*i*) अर्जुन ने ☐ (*ii*) युधिष्ठिर ने ☐ (*iii*) भीम ने ☐

(ङ) गाँववालों ने पांडवों को क्या दिया?

(*i*) उपहार ☐ (*ii*) धन ☐ (*iii*) आशीष ☐

भाषा ज्ञान

1. पर्यायवाची शब्द लिखिए–

वर्ष	....	....	घर	....	....
बच्चा	....	....	राक्षस	....	....
अतिथि	....	....	भगवान	....	....

2. वर्ण-विच्छेद कीजिए–

बैलगाड़ी = ब् + ऐ + ल् + अ + ग् + आ + ड़् + ई

ब्राह्मण = ...

भोजन = ...

व्यंजन = ...

3. विलोम शब्द लिखिए–

ज्ञात	....	हार	....
शांत	....	फुर्ती	....
दुख	....	सोना	....

कथा से आगे

- यदि ब्राह्मण के स्थान पर भीम राक्षस के पास न जाता तो क्या होता?
- यदि पांडव अज्ञातवास न जाते तो क्या होता?

कुछ करने को

- अध्यापक/अध्यापिका की सहायता से महाभारत की कथा के किसी एक प्रसंग का नाटक के रूप में मंचन करें।

नन्हे हाथों से

- चित्र देखकर कुछ वाक्य लिखिए–

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

आप क्या करेंगे

- यदि आपके मित्र के साथ कक्षा का अन्य छात्र झगड़ा करे तो–
  - (क) दोनों को समझाकर झगड़ा समाप्त करा देंगे। ☐
  - (ख) अपने मित्र का पक्ष लेकर दूसरे छात्र से झगड़ा करेंगे। ☐
  - (ग) अध्यापक से दोनों की शिकायत करेंगे। ☐
- यदि खेलते समय कोई बालक आपसे टकराकर गिर पड़े तो–
  - (क) उसे गुस्से से डाँटेंगे। ☐
  - (ख) क्षमा माँगते हुए उठने में उसकी मदद करेंगे। ☐
  - (ग) उसकी ओर ध्यान न देकर अपने खेल में लग जाएँगे। ☐

18 बेपेंदी का लोटा (केवल पढ़ने के लिए)

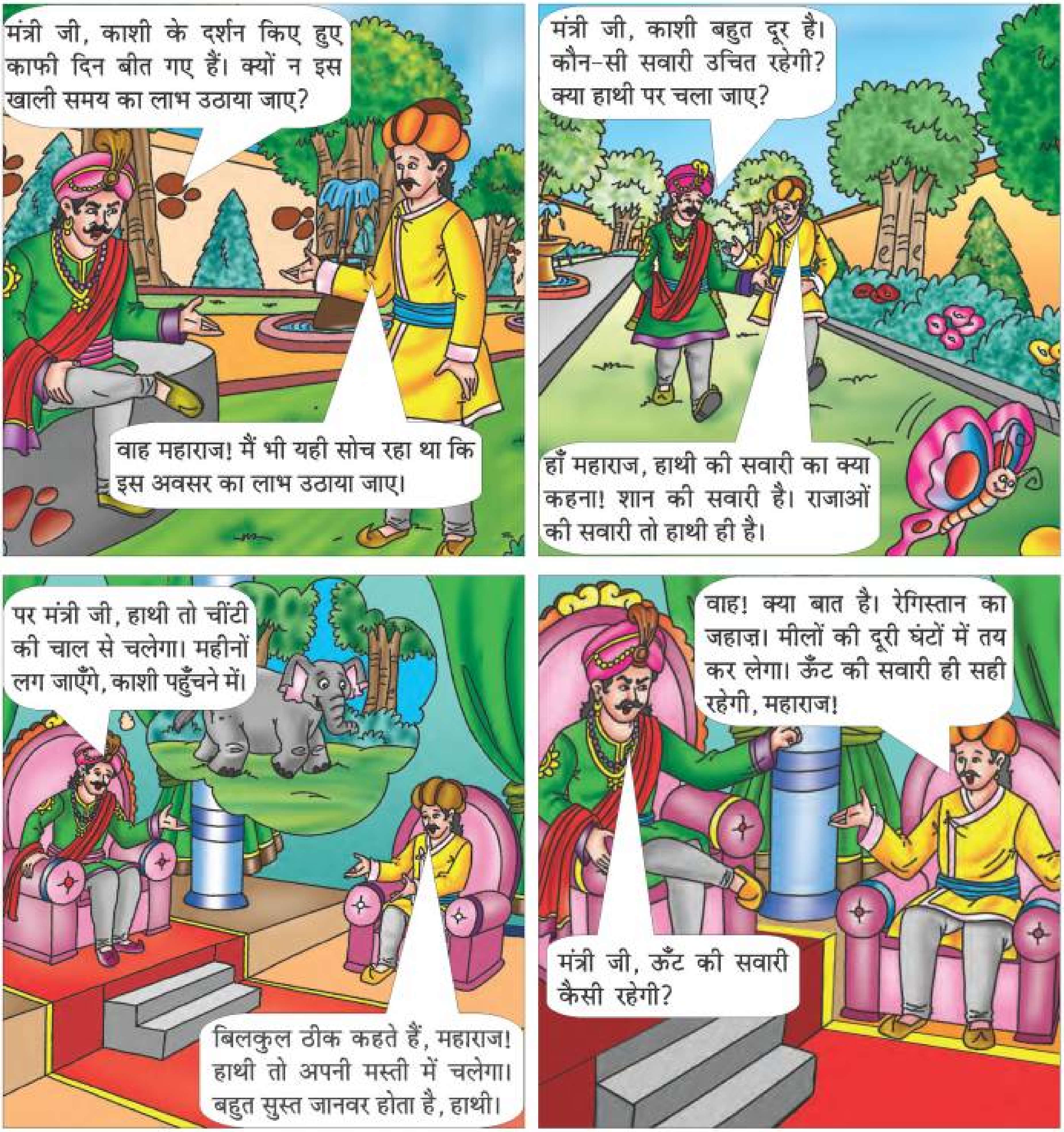

मंत्री जी, लंबी दूरी है। कई दिन तक चलना पड़ेगा। चलते हुए ऊँट इतना हिलता है कि हमारी तो कमर ही टूट जाएगी।
हाँ महाराज! ऊँट की सवारी भी कोई सवारी है? बदसूरत ऊँट पर राजा सवारी करे, यह अच्छा नहीं लगेगा।
मंत्री जी, घोड़े की सवारी कैसी रहेगी?
हाँ महाराज, घोड़ा तो सदा से राजाओं के काम आता रहा है। मैदान हो या पहाड़, सरपट दौड़ा चला जाता है।
मंत्री जी, घोड़े पर तो सधकर बैठना पड़ेगा। कुछ घंटे तो ठीक है पर वहाँ तो कई दिनों तक चलना होगा, फिर धूप और वर्षा सब कुछ झेलना होगा।
बिलकुल महाराज! सोलह आने सच है। घोड़े पर आराम से नहीं बैठा जा सकता।
मंत्री जी, मेरा विचार है कि क्यों आने-जाने का सिरदर्द पाला जाए? क्यों ना महल में रहकर ही मनोरंजन किया जाए।
हाँ महाराज! बिलकुल ठीक, मैं भी यही सोच रहा था।

क्या आप जानते हैं?

(क) विमान की दिशा तथा दूरी बताने वाला यंत्र कौन-सा है?

(i) पैराशूट ☐ (ii) राडार ☐

(iii) ऐमीटर ☐ (iv) रेडियेटर ☐

(ख) दूर की वस्तु को देखने के काम आने वाला यंत्र है?

(i) दूरबीन ☐ (ii) टार्च ☐

(iii) कैमरा ☐ (iv) केबल ☐

(ग) वायुयान से कूदते समय किसका प्रयोग किया जाता है?

(i) कैलकुलेटर ☐ (ii) दूरबीन का ☐

(iii) टेलीप्रिंटर का ☐ (iv) पैराशूट का ☐

(घ) यूनेस्को का मुख्य कार्यालय कहाँ स्थित है?

(i) न्यूयार्क ☐ (ii) पेरिस ☐

(iii) वार्शिंगटन ☐ (iv) रोम ☐

(ङ) संयुक्त राष्ट्र संघ का मुख्य कार्यालय कहाँ स्थित है?

(i) न्यूयार्क ☐ (ii) पेरिस ☐

(iii) मोस्को ☐ (iv) सिंगापुर ☐

(च) यूनिसेफ का मुख्य कार्यालय कहाँ स्थित है?

(i) मलेशिया ☐ (ii) चीन ☐

(iii) जापान ☐ (iv) न्यूयार्क ☐

(छ) अंतर्राष्ट्रीय रेडक्रॉस की स्थापना कब हुई थी?

(i) 1863 ☐ (ii) 1960 ☐

(iii) 1905 ☐ (iv) 2001 ☐

(ज) 4 से 10 तक की संख्याओं का केवल एक बार प्रयोग करते हुए संख्याएँ इस तरह भरिए कि उनका योग 21 हो?

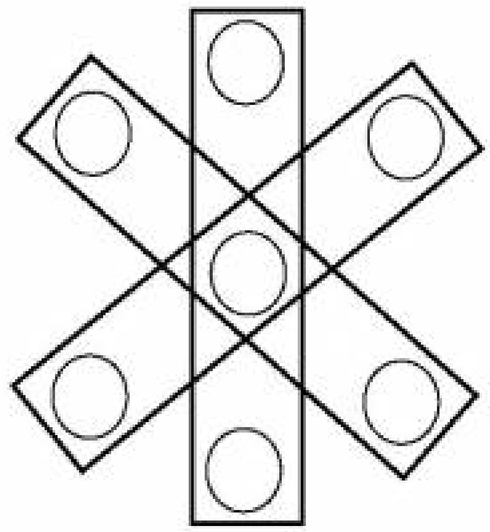

(झ) इस चित्र में कितने आयत हैं?

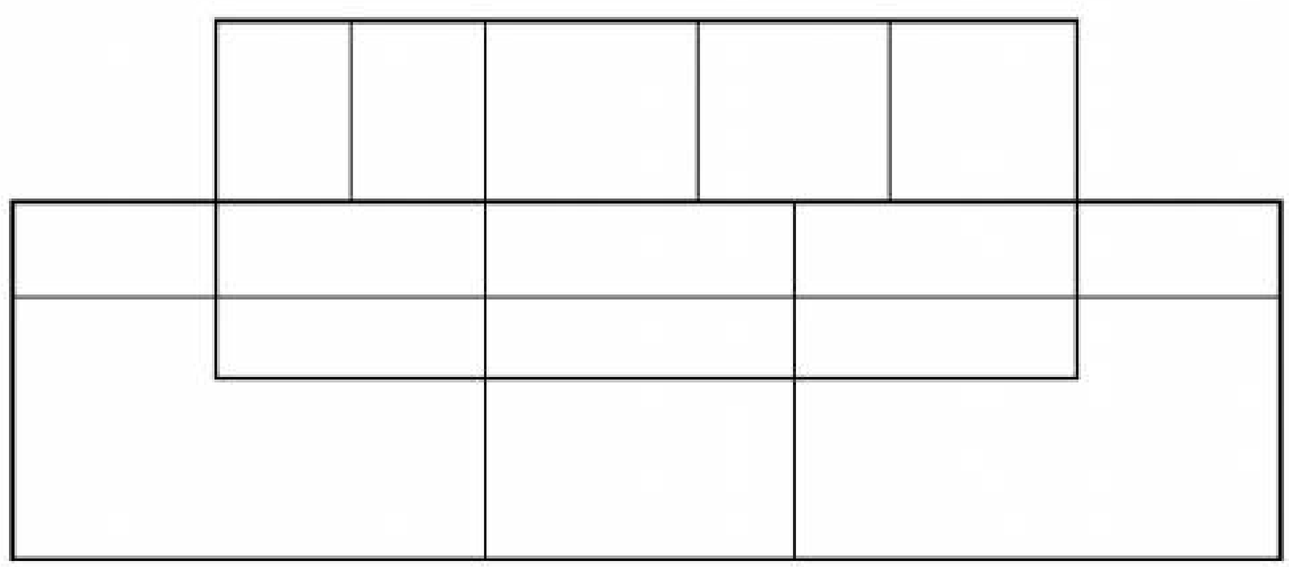

(ञ) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

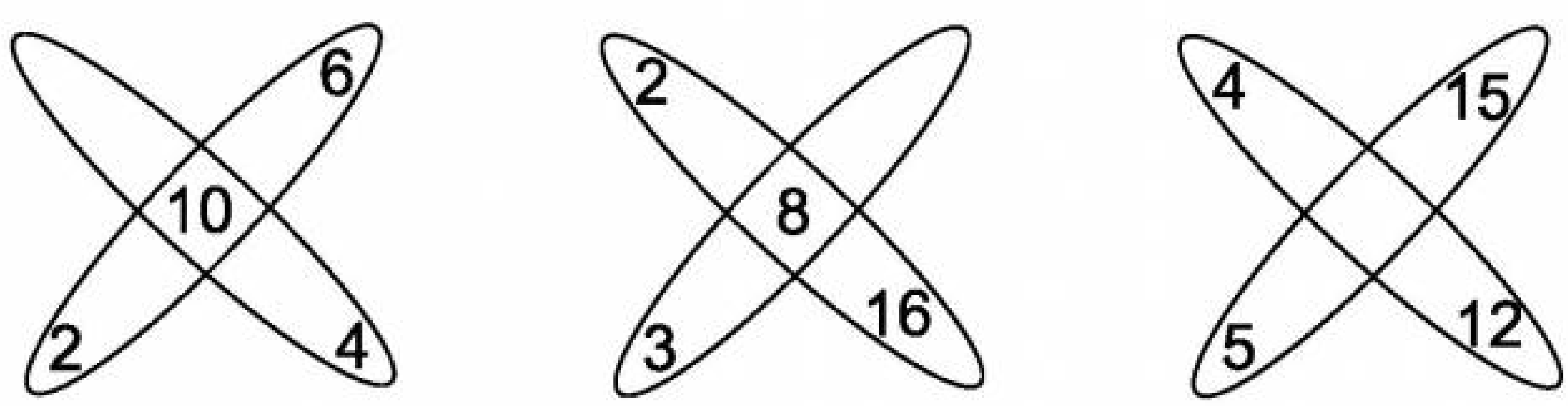

प्रश्न-पत्र–1

अवधि–3 घंटे पूर्णांक–60

1. नीचे दिए गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (10)

हमारा राष्ट्रीय ध्वज 'तिरंगे' के नाम से प्रसिद्ध है। यह तीन रंगों की पट्टियों से मिलकर बना है–सबसे ऊपर केसरिया, बीच में सफ़ेद और नीचे हरे रंग की पट्टी है। सफ़ेद रंग की पट्टी के बीच में अशोक चक्र है। केसरिया रंग हमें वीरों के त्याग और बलिदान की याद दिलाता है। हरा रंग हरियाली का प्रतीक है। सफ़ेद रंग हमें सत्य, अहिंसा, सुख व शांति का संदेश देता है। सफ़ेद रंग के बीच में स्थित अशोक चक्र, अशोक महान द्वारा बनवाए गए सारनाथ के स्तंभ से लिया गया है। यह हमें अशोक के महायुग की याद दिलाता है। तिरंगा हमारे देश की शान है। यह हमें त्याग, बलिदान, वीरता, शांति और खुशहाली का संदेश देता है।

(क) हमारा राष्ट्रीय ध्वज किस नाम से प्रसिद्ध है?

(ख) झंडे का हरा रंग किसका प्रतीक है?

(ग) सही विकल्प चुनिए–

(i) इनमें से कौन-सा स्तंभ अशोक द्वारा बनवाया गया है?

(*i*) सारनाथ स्तंभ ☐ (*ii*) दिगम्बर स्तंभ ☐ (*iii*) रामनाथ स्तंभ ☐

(ii) अशोक चक्र हमें किसके महायुग की याद दिलाता है?

(*i*) अकबर के ☐ (*ii*) अशोक के ☐ (*iii*) चंद्रगुप्त के ☐

(घ) नीचे दिए शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

सत्य – .... सुख – ....

(ङ) गद्यांश से कोई दो भाववाचक संज्ञा शब्द ढूँढ़कर लिखिए–

....

2. अनुच्छेद लिखिए– (5)

मेरा विद्यालय अथवा मेरी माँ

व्याकरण से

3. नीचे दिए वाक्यों में व्यक्तिवाचक संज्ञा शब्दों को रेखांकित कीजिए– (2)

(क) रोहन फुटबॉल खेलता है।

(ख) वह दिनेश का भाई है।

4. नीचे दिए वाक्यों में प्रश्नवाचक शब्द भरिए– (2)

(क) तुम .... जा रही हो?

(ख) माँ! देखो, बाहर .... आया है?

5. विशेषण शब्दों पर ◯ लगाइए– (2)

(क) राम बहुत आलसी है। (ख) गन्ना बहुत मीठा है।

6. उचित मिलान कीजिए– (3)

पीठ थपथपाना	साफ़ इनकार करना
अँगूठा दिखाना	चुगली करना
कान भरना	शाबाशी देना

7. नीचे दिए शब्दों के लिंग बदलकर लिखिए– (4)

बकरी – .... लड़की – ....

घोड़ी – .... पत्नी – ....

8. नीचे दिए शब्दों के बेमेल शब्द पर ◯ लगाइए– (3)

(क) वृक्ष	पेड़	लता	तरु
(ख) आलय	ग्रह	सदन	घर
(ग) आँख	चक्षु	नयन	अश्रु

9. प्रत्यय लगाकर शब्द बनाइए– (4)

प्रवाह + इत = ... तरंग + इत = ...

जीव + इत = ... सुरक्षा + इत = ...

10. **अपने मित्र को उसके जन्मदिवस की बधाई देते हुए पत्र लिखिए।** (5)

पाठ से

11. **नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर दीजिए (कोई चार)।** (8)

(क) रिनीश का अपहरण क्यों किया गया था?

(ख) हीरा और मोती बार-बार झूरी के पास क्यों लौट आते थे?

(ग) चरवाहा व उसके साथी वन में क्या-क्या करते थे?

(घ) बीरबल ने ख्वाजा सरा के दूसरे प्रश्न का क्या उत्तर दिया?

(ङ) चंद्रमा पर आदमी अधिक लंबे डग क्यों भर पाता है?

12. **नीचे दिए शब्दों की सहायता से वाक्य पूरे कीजिए–** (4)

(दृष्टि, पेटी, भारत, वायुमंडल)

(क) निक्की की नज़र लकड़ी की एक .... पर पड़ी।

(ख) वे लाचार .... से एक-दूसरे को देख रहे थे।

(ग) .... में तोते पालने का शौक सदियों पुराना है।

(घ) .... ने पृथ्वी को घेरा हुआ है।

13. **किसने, किससे कहा–** (2)

(क) "बीरबल स्वयं को बड़ा बुद्धिमान समझता है।"

(ख) "जहाँपनाह! ज़रूर दूँगा। खुशी से पूछें।"

14. **नीचे दिए प्रश्नों के उपयुक्त उत्तर पर (✓) का चिह्न लगाइए–** (4)

(क) निक्की और आरव को स्टेशन पर कौन लेने आया था?

(*i*) मामा जी ☐ (*ii*) दादा जी ☐ (*iii*) चाचा जी ☐

(ख) भागने में बैलों की मदद किसने की?

(*i*) झूरी की पत्नी ने ☐ (*ii*) गया ने ☐ (*iii*) गया की बेटी ने ☐

15. **नीचे दिए किन्हीं दो शब्दों से वाक्य बनाइए–** (2)

प्रयास, कंठ, निर्मल।

प्रश्न-पत्र—2

अवधि—3 घंटे **पूर्णांक—60**

1. नीचे दिए गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (10)

बहुत-से लोग घर के पीछे, बगीचे या घर के आँगन में पौधे उगाते हैं। जिनके पास अधिक ज़मीन नहीं होती, वे गमलों में पौधे उगाते हैं। कुछ लोग सिर्फ़ गुलाब, जूही, गेंदा जैसे रंग-बिरंगे फूलों के ही पौधे उगाते हैं तो कुछ लोग क्यारियों में साग-सब्ज़ियाँ उगाते हैं। जिनके पास ज़्यादा ज़मीन होती है, वे नींबू, आम, चीकू, केले आदि के पेड़ भी उगाते हैं। एक ओर, बागवानी एक प्रकार का शौक है। दूसरी ओर, बागवानी लाभदायक भी है। बागवानी करने वालों को अपने पेड़-पौधों को देखकर बड़ा आनंद आता है। हमें घर में ही फूल, फल, साग-सब्ज़ी सब मिल जाते हैं।

(क) पेड़-पौधों से हमें क्या-क्या मिलता है?

(ख) क्यारियों में हम क्या-क्या उगाते हैं?

(*i*) फूल और साग-सब्ज़ियाँ ☐ (*ii*) फल ☐

(ग) हम गमलों में क्या उगा सकते हैं?

(*i*) पेड़ ☐ (*ii*) पौधे ☐

(घ) दो मीठे फलों के नाम लिखिए—

....

(ङ) जिनके पास अधिक ज़मीन नहीं होती, वे पौधे कहाँ उगाते हैं?

(*i*) बगीचे में ☐ (*ii*) गमलों में ☐ (*iii*) क्यारी में ☐

2. संकेतों के आधार पर अनुच्छेद लिखिए। (किसी एक विषय पर) (5)

मेरा गाँव (गाँव का नाम, कहाँ व कैसा, प्रमुख बातें, आपको क्या अच्छा लगता है?)

वर्षा का एक दिन (कब, क्या हुआ, आपको कैसा लगा, घटना, आनंद।)

3. **आपको ज़्वर हो गया है। प्रधानाचार्य को अवकाश हेतु पत्र लिखिए।** (5)

4. **विलोम शब्द लिखिए–** (4)

(क) उन्नति – .... (ख) सराहनीय – ....

(ग) स्वतंत्र – .... (घ) एकता – ....

5. **नीचे दिए रेखांकित शब्दों के लिंग बदलकर वाक्य दोबारा लिखिए–** (3)

(क) धोबिन कपड़े लाई। (ख) चूहा पनीर खा रहा है।

(ग) गायक सुरीली आवाज़ में गा रहा है।

6. **विशेषण तथा विशेष्य शब्द छाँटकर लिखिए–** (3)

(क) चंद्रगुप्त बहुत वीर थे। (ख) सीता दो लीटर तेल लाई।

(ग) राधा के घर पर दो कुत्ते हैं।

7. **वर्ण-विच्छेद कीजिए–** (2)

(क) भगवान .... (ख) सिपाही ....

8. **उचित विराम चिह्न लिखिए–** (2)

(क) पूर्ण विराम ☐ (ख) अर्ध विराम ☐

(ग) अल्प विराम ☐ (घ) प्रश्नवाचक चिह्न ☐

9. **रिक्त स्थानों को क्रिया शब्दों से पूरा कीजिए–** (3)

(क) सुनीता अस्पताल में .... है।

(ख) मीरा कपड़े .... है।

(ग) जैसा ठीक समझो, वैसा ....।

10. **पर्यायवाची शब्द लिखिए–** (3)

राक्षस – ....

घर – ....

भगवान – ....

पाठ से

11. नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर दीजिए– (10)

(क) चाणक्य कौन थे? उन्होंने क्या प्रतिज्ञा की थी?

(ख) सैनिकों को घड़ी की आवश्यकता क्यों पड़ी?

(ग) बूढ़े ने छाता झाड़ियों में क्यों फेंक दिया?

(घ) वृक्षों से हमें क्या-क्या मिलता है?

(ङ) शेर ने बच्चों को क्यों छोड़ दिया?

12. उचित शब्दों की सहायता से रिक्त स्थान भरिए– (4)

(अन्याय शहीदों गर्व आश्चर्य)

(क) स्वतंत्रता दिवस पर हम .... को याद करते हैं।

(ख) राजा नंद बालक के अद्‌भुत तेज़ को देखकर .... में पड़ गए।

(ग) जंगल का राजा कभी .... नहीं करता।

(घ) रमन को भारतीय होने पर .... था।

13. किसने, किससे कहा– (2)

(क) "मैं इसको ऐसी शिक्षा किस प्रकार दिला सकती हूँ?"

(ख) "आप सब शांत हो जाइए।"

14. सही विकल्प पर (✓) का चिह्न लगाइए– (4)

(क) हिरन मनुष्यों से क्या लेना चाहता था?

(*i*) अधिकार ☐ (*ii*) बदला ☐ (*iii*) भोजन ☐

(ख) बूढ़े के छाते को किसने ठीक कर दिया था?

(*i*) बौने ने ☐ (*ii*) मित्र ने ☐ (*iii*) बेटे ने ☐

(ग) बकासुर का वध किसने किया?

(*i*) अर्जुन ने ☐ (*ii*) युधिष्ठिर ने ☐ (*iii*) भीम ने ☐

(घ) बालक की माँ ने राजा से क्या माँगा?

(*i*) राज्य ☐ (*ii*) बालक की शिक्षा ☐ (*iii*) धन ☐

हिंदी पाठ्यपुस्तक

साक्षी

हिंदी पाठमाला

साक्षी हिंदी पाठमाला हिंदी पाठ्यपुस्तक की यह शृंखला कक्षा 1 से 8 के लिए तैयार की गई है। इस पुस्तक शृंखला में बच्चों को हिंदी भाषा में दक्ष बनाने हेतु उनकी अभिरुचि एवं वर्ग का ध्यान रखते हुए रोचक पाठ्य-सामग्री का समावेश किया गया है।

प्रमुख तथ्य

- एनसीईआरटी, सीबीएसई एवं राज्यों के बोर्डों के नवीनतम पाठ्यक्रम पर आधारित।
- भाषिक योग्यता कौशल–बोलना, पढ़ना, सुनना, लिखना आदि का समावेश।
- हिंदी की सभी विधाओं–कविता, कहानी, लेख, निबंध, यात्रा वृत्तांत, हास्य कथा, पौराणिक कथा, आधुनिक व पर्यावरण संबंधी कहानी, एकांकी, जीवनी, संस्मरण आदि पर आधारित रोचक पाठ्य-सामग्री का समावेश।
- सतत एवं व्यापक मूल्यांकन (CCE) पद्धति पर आधारित संकलनात्मक एवं रचनात्मक प्रश्न–मौखिक, लिखित एवं बहुविकल्पीय, पाठ के अतिरिक्त प्रयोगात्मक कार्य, काल्पनिक व नैतिक मूल्यों पर आधारित प्रश्न।
- चित्रों पर आधारित वाक्य रचना, अनुच्छेद, कविता, कहानी, मुहावरे, लोकोक्ति, लेख व निबंध लेखन।
- मानक व परंपरागत वर्तनी का ज्ञान।
- शब्दकोश का ज्ञान।

शृंखला में पुस्तकें

ISBN 978-93-80644-97-4

LAXMI PUBLICATIONS (P) LTD
(An ISO 9001:2008 Company)

AMANDA IMPRINT
(An Imprint of Laxmi Publications Pvt. Ltd.)

ASH4-4906-175-SAKSHI HINDI PATHMALA 4